सेंसेक्स	80,787.30
निफ्टी	24,773.15
सोना	1,08,380
चांदी	1,27,000
डॉलर	87.98

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
मंगलवार 09 सितम्बर 2025
आश्विन कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 346
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

हिमाचल पूर्ण साक्षर राज्य बना

शिमला। हिमाचल प्रदेश आज पूर्ण साक्षर राज्य बन गया है। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शिमला के पीटरहॉफ में आयोजित कार्यक्रम में इसकी घोषणा की। उल्लास (न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम) कार्यक्रम के तहत हिमाचल देश का चौथा पूर्ण साक्षर राज्य हो गया है। देश में अभी तक उल्लास कार्यक्रम के तहत त्रिपुरा, मिजोरम और लक्षद्वीप पूर्ण साक्षर राज्य घोषित थे। इन तीनों को पछाडक़र हिमाचल प्रदेश 99.02 फीसदी साक्षरता दर के साथ देश में शीर्ष पर पहुंच गया है। अभी तक मिजोरम 98.02 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ पहले पायदान पर, लक्षद्वीप 97.3 फीसदी के साथ दूसरे और त्रिपुरा 97.3 प्रतिशत साक्षरता के साथ तीसरे नंबर पर है। मगर अब हिमाचल नंबर-वन हो गया है।

बॉर्डर पर पकड़ा गया पाकिस्तानी घुसपैठिया

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि आरएस पुरा सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया गया। घुसपैठिए की पहचान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा निवासी सिराज खान के रूप में हुई है। बीएसएफ की शुरुआती जांच और पूछताछ में पता चला है कि सिराज खान पंजाबी एक्ट्रेस अवनीत कौर से मिलने आया था। हालांकि अभी भी बीएसएफ सहित दूसरी एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं।

कांग्रेस की कानूनी टीम के पूर्व सदस्य रहे वकील फिरोज ने की आत्महत्या

अहमदाबाद। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मानहानि मामले में कानूनी टीम का हिस्सा रहे वकील फिरोज पठान ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, पठान ने 4 सितंबर को सूरत में तापी नदी में छलांग लगाई थी। उनका शव नवसारी जिले के उभरत समुद्र तट पर बरामद हुआ है। नवसारी जिले के मरोली थाने के निरीक्षक धर्मेश पटेल ने बताया कि पठान अवसाद से पीड़ित थे। घटना से पहले उन्होंने अपने कनिष्ठ वकील को फोन किया था। हालांकि, कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। बताया जा रहा है कि फिरोज पठान कांग्रेस की उस कानूनी टीम का हिस्सा थे जिसने भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी की शिकायत पर दर्ज मानहानि के मामले में राहुल गांधी का प्रतिनिधित्व किया था। स्थानीय अग्निशमन विभाग ने तलाश अभियान चलाया, लेकिन नदी की तेज धारा के कारण तत्काल सफलता नहीं मिली।

कुछ ना कहना

नेपाल में बवाल : कोर्ट के आदेश की अनदेखी और सरकार की सख्ती...

सोशल मीडिया पर बैन-भ्रष्टाचार के खिलाफ युवा संसद में घुसे, सेना की फायरिंग

नेपाल में 20 मौतें, 250 घायल

काठमांडू। नेपाल में सुबह से जारी विरोध प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया फिर से शुरू कर दिया गया। इस प्रदर्शन में अब तक 20 लोगों की मौत हुई, जबकि 250 से ज्यादा घायल हो गए। इस प्रदर्शन की अगुआई जेन-जेड यानी 18 से 30 साल के युवाओं ने की। इस दौरान सेना की फायरिंग में 18 लोगों की मौत हो गई है, वहीं 200 से अधिक घायल हुए हैं।

सोशल मीडिया पर बैन और सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ सोमवार सुबह 12 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी युवा संसद भवन परिसर में घुस गए, जिसके बाद सेना ने कई राउंड फायरिंग की। नेपाल के इतिहास में संसद में घुसपैठ का यह पहला मामला है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने संसद के गेट नंबर 1 और 2 पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद संसद भवन, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, पीएम आवास के पास के इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया। काठमांडू प्रशासन ने तोडफ़ोड़ करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश दे दिए हैं।

यूट्यूब जैसी 26 कंपनियों ने नहीं कराया रजिस्ट्रेशन

नियमों के मुताबिक हर कंपनी को नेपाल में लोकल ऑफिस रखना, गलत कंटेंट हटाने के लिए लोकल अधिकारी नियुक्त करना और कानूनी नोटिसों का जवाब देना जरूरी कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकार के साथ यूजर डेटा शेयर करने के नियम भी मानना जरूरी कर दिया गया। कंपनियों को डेटा-प्राइवेसी और अभिव्यक्ति की आजादी के मामले में ये शर्तें बहुत सख्त लग रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत या यूरोप जैसे बड़े देशों में कंपनियां लोकल प्रतिनिधि रख लेती हैं, क्योंकि वहां यूजर बहुत ज्यादा हैं। लेकिन नेपाल का यूजर बेस छोटा है, इसलिए कंपनियों को यह बेहद खर्चीला लगा। अगर कंपनियां नेपाली सरकार की यह शर्त मान लेती हैं, तो उन पर अन्य छोटे देशों में भी इन नियमों को पालन करने का दबाव पड़ता, जो काफी खर्चीला है। यही वजह रही कि पश्चिमी कंपनियों ने नेपाल सरकार की शर्त नहीं मानी और तय समय पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराया।

सरकार के मनमाने फैसलों से बढ़ा गुस्सा

नेपाल के पूर्व वित्त सचिव रामेश्वर खनाल ने कहा कि सरकार के मनमाने और गलत फैसले और सुशासन देने में नाकामी के चलते युवाओं का गुस्सा बढ़ गया है। बड़े-बड़े भ्रष्टाचार के घोटाले और सरकारी नियुक्तियों की खरीद-फरोख्त सुनते-समझते आ रहे युवा पीढ़ी में गुस्सा बढ़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल सरकार पर दमन के आरोप लगाए हैं। एक प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम शांतिपूर्ण विरोध करना चाहते थे, लेकिन आगे बढने पर देखा कि पुलिस हमला कर रही थी और लोगों पर गोली चला रही थी। सत्ता में बैठे लोग अपनी ताकत हम पर नहीं थोप सकते। भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शन दबाए जा रहे हैं, जो बोलने की आजादी और अभिव्यक्ति के अधिकार के खिलाफ है।

नेपाल में सोशल मीडिया फिर से शुरू

नेपाल में सोशल मीडिया फिर से शुरू हो गया है। भास्कर रिपोर्टर के मुताबिक, नेपाल में दोपहर 3ः15 बजे के बाद बिना वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क इस्तेमाल किए सारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म चल रहे हैं। नेपाल सरकार ने 3 सितंबर को फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया साइट्स पर बैन लगाने का फैसला किया था। इन प्लेटफॉर्म ने नेपाल के संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। मंत्रालय ने 28 अगस्त से सात दिन की समय सीमा दी थी, जो 2 सितंबर को खत्म हो गई।

नेपाल सुप्रीम कोर्ट ने दिया था आदेश

यह कदम नेपाल सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद उठाया गया है, जिसमें कहा गया था कि घरेलू और विदेशी सभी ऑनलाइन और सोशल प्लेटफॉर्म्स का आधिकारिक पंजीकरण जरूरी है ताकि अनचाहे कंटेंट पर निगरानी रखी जा सके। मंत्रालय ने कंपनियों को 28 अगस्त से सात दिन का समय दिया था। इन हालातों ने नेपाल की सडक़ों पर गुस्से का माहौल खड़ा कर दिया है और भारत ने सावधानी बरतते हुए अपनी सीमा सुरक्षा और चौकसी को और मज़बूत कर दिया है।

नेपाल में बवाल के बीच बॉर्डर पर सुरक्षा टाइट

नेपाल की मौजूदा स्थिति को देखते हुए भारत-नेपाल सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। सूत्रों के अनुसार स्स्क्ष (सशस्त्र सीमा बल) ने सीमा पर अतिरिक्त ट्रूप्स और सर्विलांस तैनात किए हैं। भारत-नेपाल बॉर्डर की सुरक्षा स्स्क्ष के जिम्मे है और हालात को देखते हुए निगरानी और भी कड़ी कर दी गई है। नेपाल में हाल के दिनों में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रोक के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

उपराष्ट्रपति के लिए आज होगा मतदान...

50 दिन बाद देश को मिलेगा नया उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति के लिए मंगलवार को मतदान होगा। उसी दिन शाम तक नतीजे घोषित होंगे। इसके साथ ही देश को 50 दिन बाद जगदीप धनखड़ की जगह नया उपराष्ट्रपति मिलेगा। 21 जुलाई को धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने के चलते चुनाव हो रहा है। इस बीच दो तटस्थ दलों- के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारतीय राष्ट्र समिति और नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल ने मतदान से दूर रहने की घोषणा की है। बता दें कि ये दोनों दल राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं, ना एनडीए और ना ही इंडिया ब्लॉक। दोनों दलों ने कहा है कि वे एनडीए और इंडिया ब्लॉक, दोनों से समान दूरी बनाए रखेंगे और उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान में शामिल नहीं होंगे। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने सोमवार को कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में भाग न लेने का निर्णय राज्य में यूरिया की कमी को लेकर तेलंगाना के किसानों की पीड़ा की अभिव्यक्ति है। पिछले दो दशकों में उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत का मार्जिन लगातार बढ़ा है। 2002 में भैरों सिंह शेखावत ने 149 वोट से जीत दर्ज की थी। वहीं, 2022 में धनखड़ ने विपक्ष की मार्गरेट अल्वा को 346 वोट से हराया था।

एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है। आंकड़ों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त है। हालांकि संसद में विपक्ष की मजबूती से पिछले दो दशक में पहली बार मुकाबला करीबी हो सकता है। दिल्ली में आज भाजपा सांसदों को उपराष्ट्रपति पद के लिए वोटिंग की जानकारी दी जाएगी। वहीं, इंडिया गठबंधन भी अपने सांसदों को मतदान प्रक्रिया समझाने के लिए मॉक पोल करेगा।

चुनाव का शेड्यूल

मतदान सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संसद भवन में होगा। वोटों की गिनती शाम 6 बजे से और तुरंत परिणाम घोषित होंगे। हर सांसद को विशेष पेन से बैलेट पर पहली वरीयता दर्ज करनी होगी। ऐसा न करने पर वोट अमान्य होगा। हर वोट का मूल्य एक समान होगा। 2017 में 11 और 2022 में 15 वोट अमान्य हुए थे।

लोकसभा व राज्यसभा के सदस्य देते हैं वोट

उपराष्ट्रपति पद के लिए लोकसभा व राज्यसभा के सदस्य वोट देते हैं। हालांकि इसके लिए व्हिप नहीं जारी हो सकती। सभी सांसद पार्टी लाइन पर वोट करें तो एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन के 439 और विपक्ष के रेड्डी के 324 वोट माने जा रहे हैं। हालांकि गुप्त मतदान में क्रॉस वोटिंग दोनों तरफ से समीकरण बिगाड़ सकती है। इसलिए दोनों ओर से पूरी तैयारी की जा रही है।

एनडीए के उम्मीदवार का पलड़ा भारी

लोकसभा में कुल सांसदों की संख्या 542 है। एक सीट खाली है। एनडीए के 293 सांसद हैं। वहीं, राज्यसभा में 245 सांसद हैं। 5 सीट खाली हैं। एनडीए के पास 129 सांसद हैं। यह मानते हुए कि उपराष्ट्रपति के लिए नामांकित सदस्य भी एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे। इस तरह, सत्तारूढ़ गठबंधन को कुल 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। बहुमत के लिए 391 सांसदों के समर्थन की जरूरत है। अगस्त 2022 में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे। वहीं विपक्षी उम्मीदवार मार्गेट अल्वा को सिर्फ 182 वोट मिले थे। तब 56 सांसदों ने वोट नहीं डाला था।

नोटा का विकल्प होता तो हम यही चुनते- बीआरएस

उन्होंने भाजपा और कांग्रेस दोनों पर यूरिया की कमी के मुद्दे को सुलझाने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूरिया की कमी इतनी ज्यादा है कि कतारों में लगे किसानों के बीच हाथापाई हो रही है। केटीआर ने कहा कि यदि उपराष्ट्रपति चुनाव में नोटा का विकल्प उपलब्ध होता तो बीआरएस इसका प्रयोग कर सकती थी।

हम एनडीए और इंडिया ब्लॉक दोनों से दूर- बीजद

बीजद नेता सस्मित पात्रा ने कहा कि उनकी पार्टी की प्राथमिकता ओडिशा के साढ़े चार करोड़ लोग हैं। पात्रा ने कहा कि हमारे पार्टी अध्यक्ष नवीन पटनायक द्वारा वरिष्ठ नेताओं, राजनीतिक मामलों की समिति और सांसदों के साथ विचार-विमर्श के बाद, बीजू जनता दल ने कल होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहने का निर्णय लिया है। बीजद एनडीए और इंडिया ब्लॉक दोनों से समान दूरी बनाए हुए है। हमारा ध्यान ओडिशा और ओडिशा के साढ़े चार करोड़ लोगों के विकास और कल्याण पर केंद्रित है।

चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश

एसआईआर के लिए 12वां दस्तावेज होगा आधार

नई दिल्ली। बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन से जुड़े विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आधार कार्ड को 11 मान्य दस्तावेजों के बराबर पहचान प्रमाण के तौर पर माना जाएगा। यानी इसे 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा। हालांकि, अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि आधार केवल पहचान के लिए मान्य होगा, निवास या नागरिकता का प्रमाण नहीं।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि बीएलओ नागरिकता तय नहीं करते। इसलिए आधार को पहचान के तौर पर स्वीकार किया जाना चाहिए, ताकि योग्य मतदाताओं को वोट का अधिकार मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पुराने आदेश के बावजूद बीएलओ केवल 11 दस्तावेजों को ही मान रहे हैं और आदेश की अवमानना कर रहे हैं।

चुनाव आयोग का पक्ष

निर्वाचन आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने कोर्ट को बताया कि 7.24 करोड़ मतदाताओं में से 99.6 फीसदी लोगों ने आवश्यक दस्तावेज जमा कर दिए हैं। केवल 65 लाख लोगों ने आधार दिया है। आयोग ने स्वीकार किया कि आधार को डिजिटल रूप से अपलोड किया जा सकता है, लेकिन यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है। आयोग ने यह भी कहा कि 0.3 फीसदी लोग अवैध प्रवासी पाए गए, जिन्हें लिस्ट में शामिल करना संभव नहीं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि कानून साफ है-आधार एक आधिकारिक दस्तावेज है। आयोग इसे शामिल करेगा और इसकी सत्यता की जांच करेगा। जस्टिस बागची ने कहा कि पासपोर्ट और जन्म प्रमाणपत्र के अलावा कोई दस्तावेज निर्णायक नागरिकता प्रमाण नहीं है। आधार को पहचान के तौर पर शामिल करना जरूरी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि कोई व्यक्ति सिर्फ आधार कार्ड के साथ आवेदन करता है, तो आयोग उसकी गुणवत्ता और वास्तविकता की जांच कर सकता है।

आधार को पहचान का प्रमाण माना जाएगा

जज ने साफ किया कि पासपोर्ट और जन्म प्रमाण पत्र के अलावा 11 दस्तावेजों में से किसी अन्य दस्तावेज को नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। सिब्बल ने प्रस्ताव रखा कि आधार को 12वां दस्तावेज घोषित किया जाए। जज ने कहा, आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है, लेकिन जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत इसे पहचान के प्रमाण के तौर पर मान्यता दी जा सकती है।

आधार मानने वाले बीएलओ को आयोग नोटिस भेज रहा

सुनवाई शुरू होने पर कोर्ट में कांग्रेस लीडर और सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा- 10 जुलाई को कोर्ट ने चुनाव आयोग को आधार कार्ड स्वीकार करने को कहा। अभी भी 65 लाख लोगों के लिए भी आधार स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। बीएलओ को निर्देश दिया गया था कि 11 दस्तावेजों में से एक आवश्यक है। चुनाव आयोग 11 के बाहर के दस्तावेज स्वीकार करने वाले अधिकारियों को दंडित कर रहा है। आधार स्वीकार करने वाले अधिकारियों को चुनाव आयोग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस पर कोर्ट ने नोटिस पेश करने को कहा। जिस पर चुनाव आयोग का पक्ष रख रहे वकील राकेश द्विवेदी ने कहा- ये हमारे पास नहीं है। जिसके जवाब में कपिल सिब्बल ने कहा- ये आपके दस्तावेज हैं, इस पर निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी का साइन है। अब इस मामले में अगले सोमवार यानी 15 सितंबर को सुनवाई होगी।

कांग्रेस के एसएमएस बैन के दावे का ट्राई ने किया खंडन, कहा-कोई आवेदन नहीं मिला

मुंबई। कांग्रेस के आरोप पर कि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने महाराष्ट्र में उसके कार्यकर्ताओं को एसएमएस भेजने के उसके आवेदन को खारिज कर दिया है, दूरसंचार नियामक ने कहा है कि उसे ऐसा कोई आवेदन नहीं मिला है। ट्राई ने कहा कि उसने व्यक्तिगत एसएमएस टेम्प्लेट को मंजूरी नहीं दी थी। ट्राई ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि ऐसा लगता है कि आवेदन किसी एक सेवा प्रदाता को भेजा गया था जिसने उसे अस्वीकार कर दिया। ट्राई इस प्रक्रिया में शामिल नहीं था। वास्तव में ट्राई व्यक्तिगत संदेश टेम्प्लेट के अनुमोदन से संबंधित नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को कांग्रेस डेटा एनालिटिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती ने कहा कि ट्राई द्वारा कांग्रेस को संदेश भेजने से इनकार करना गृह मंत्रालय, चुनाव आयोग और दूरसंचार नियामक के बीच सूचनाओं को दबाने के लिए पूर्ण समन्वय को दर्शाता है। उन्होंने एक्स पर पूछा कि क्या महाराष्ट्र चुनाव में धोखाधड़ी के लिए सरकार के कई अंगों द्वारा सूचनाओं को दबाने और छिपाने के ऐसे समन्वित प्रयासों से ज्यादा स्पष्ट संकेत चाहिए?

उन्होंने दावा किया था कि एसएमएस भेजने के लिए आवेदन तय प्रक्रिया के मुताबिक ट्राई के पास भेजा गया था और उन्होंने कांग्रेस के आवेदन को अस्वीकार करने के बारे में अधिकारियों द्वारा भेजे गए संदेश का स्क्रीनशॉट साझा किया था। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने ट्राई के फैसले को हास्यास्पद बताया और कहा कि ट्राई बीजेपी का आईटी सेल बन गया है। उन्होंने पूछा कि इस सेंसरशिप श्रृंखला को कौन नियंत्रित करता है? अमित शाह, अश्विनी वैष्णव या ज्ञानेश्वर कुमार। गृह मंत्रालय निगरानी कर रहा है। रेलवे, दूरसंचार मंत्रालय संचार पर रोक लगा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने मानहानि मामले में बीजेपी को लगाई फटकार, याचिका की खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान तेलंगाना के सीएम ए रेवंत रेड्डी के भाषण को लेकर उनके खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई के दौरान बीजेपी को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि अदालत को राजनीति का अखाड़ा बनाना ठीक नहीं है। अगर आप नेता हैं तो आपकी चमड़ी भी मोटी होनी चाहिए। सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के ही आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई बी आर गवई, जस्टिस के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने कहा कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं है। पीठ ने कहा कि हम बार-बार कह रहे हैं कि इस अदालत का इस्तेमाल राजनीतिक लड़ाई के लिए न करें। इसके बाद याचिका खारिज करते हुए कहा कि अगर आप नेता हैं, तो आपकी चमड़ी मोटी होनी चाहिए।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने एक अगस्त को रेड्डी की याचिका पर सुनवाई की थी, जिसमें हैदराबाद की एक निचली अदालत में लंबित मामले की सुनवाई को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की तेलंगाना इकाई के महासचिव ने मई 2024 में रेड्डी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया था कि उन्होंने पार्टी के खिलाफ अपमानजनक और भड़काऊ भाषण दिया है। रेड्डी ने तेलंगाना कांग्रेस के साथ मिलकर एक फर्जी और संदिग्ध राजनीतिक कहानी गढ़ी कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो वह आरक्षण खत्म कर देगी।

शिकायतकर्ता ने दावा किया कि कथित मानहानिकारक भाषण से एक राजनीतिक दल के रूप में बीजेपी पार्टी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। पिछले साल अगस्त में एक निचली अदालत ने कहा था कि रेड्डी के खिलाफ कथित मानहानि के अपराधों के लिए प्रथम दृष्टया मामला बनता है। यह चुनाव के संबंध में विभिन्न वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित है। रेड्डी ने निचली अदालत के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए दलील दी कि शिकायत में लगाए गए आरोपों से उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनता। उन्होंने तर्क दिया कि राजनीतिक भाषणों को मानहानि का विषय नहीं बनाया जा सकता।

इस पर हाईकोर्ट ने कहा था कि यह अदालत कथित भाषण की विषयवस्तु और उसकी मानहानिकारक प्रकृति के मुद्दे पर चर्चा करने से परहेज करती है। हालांकि यह अदालत याचिकाकर्ता की इस दलील से सहमत है कि जहां राजनीतिक भाषण शामिल हों, वहां मानहानि का आरोप लगाने और शिकायत दायर करने की सीमा कहीं अधिक ऊंची होनी चाहिए। राजनीतिक भाषणों को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। यह आरोप लगाना कि ऐसे भाषण मानहानिकारक हैं, एक और अतिशयोक्ति है। रेड्डी की याचिका को स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने निचली अदालत के आदेश और मामले से उत्पन्न कार्यवाही को रद्द कर दिया था।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा की

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना ने 08 सितम्बर को टीएल बैठक में विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

09 सितम्बर को 1700 मीट्रिक टन यूरिया लेकर मालगाड़ी पहुंचेगी बालाघाट

बैठक में सर्वप्रथम जिले में उर्वरक की उपलब्धता की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने उपसंचालक कृषि, सहायक संचालक उद्यान एवं मत्स्योद्योग को निर्देशित किया कि वे जिले में कार्यरत किसान संगठनो के प्रतिनिधियो के साथ बैठक कर किसानो की समस्याओं को सुने और उनका निराकरण करने के लिए कार्यवाही करें। उन्होंने जिले में कोदो-कुटकी की फसल गिरदावरी के लिए राजस्व एवं कृषि विभाग के आकड़ों का मिलान करने एवं इसमें अंतर पाए जाने पर गलत जानकारी देने के लिए जिम्मेदार अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस दौरान उपसंचालक कृषि श्री मालवीय ने बताया कि वर्तमान समय में जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है और इसकी कोई कमी नही है। वर्तमान में 1698 मीट्रिक टन यूरिया जिले की सहकारी समितियों और डबल लॉक केंद्रो में उपलब्ध है। डबल लॉक केंद्रो में निजी विक्रेताओं द्वारा स्टॉल लगाकर उर्वरक का विक्रय किया जा रहा है। 09 सितम्बर की सुबह तक एनएफएल कम्पनी का 1700 मीट्रिक टन यूरिया लेकर मालगाड़ी बालाघाट पहुंचने वाली है।

शालाओं में शिक्षको की शत प्रतिशत ई-अटेंडेंस सुनिश्चित करने के निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया कि शालाओं में शिक्षको की शत प्रतिशत ई-अटेंडेंस सुनिश्चित की जाए। सभी शिक्षकों की ई-अटेंडेंस हमारे शिक्षक एप्प पर अनिवार्य रूप से होना चाहिए। जिन शिक्षको द्वारा ई-अटेंडेंस नही लगायी जा रही है उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। शत प्रतिशत ई-अटेंडेंस नही पाए जाने पर संबंधित बीआरसी एवं खंड शिक्षा अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही की चेतावनी दी गई। इस दौरान सर्व शिक्षा अभियान के परियोजना समन्वयक को सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण में गलत तरीके से की गई भुगतान की राशि शीघ्र वसूल करने एवं इसकी जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए।

नलजल योजना के कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश

बैठक में लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया गया कि बिरवा हवाई पट्टी के चारो ओर बाउंड्रीवॉल निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र शासन को प्रस्तुत करें। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया गया कि नलजल योजना में बनायी गई टंकियों की गुणवत्ता का सत्यापन कराए और नलजल योजना के नल कनेक्शन देने का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें। नल कनेक्शन तभी पूर्ण माना जाएगा जब पोर्टल पर हितग्राही के आधार नम्बर के साथ एंट्री की जाएगी। नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में किश्त देने के बाद भी जिन हितग्राहियों द्वारा आवास का कार्य शुरू नही किया गया है, उनसे सख्ती से वसूली की कार्यवाही करें और इस राशि से नए हितग्राहियों को आवास स्वीकृत करें। यदि नगर पालिका द्वारा राशि की वसूली नही की जाएगी तो चुंगी की राशि काटकर नए आवास स्वीकृत किये जाएंगे।

जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए शीघ्र आयोजित होगा रोजगार मेला

बैठक में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक को निर्देशित किया गया कि जिले के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने वृहद स्तर पर रोजगार मेले के आयोजन की तैयारी करें। इस दौरान महाप्रबंधक श्रीमती प्रीति मर्सकोले ने बताया कि रोजगार के लिए जिले के 3074 युवाओं ने पंजीयन कराया है और इसकी जानकारी कम्पनियों को उपलब्ध करायी गई है। 19 कंपनियों द्वारा इसमें युवाओं की भर्ती के लिए रूचि दिखायी गई है। उपसंचालक पशु चिकित्सा को निर्देशित किया गया कि वृंदावन ग्राम योजना के लिए चयनित ग्रामों में विभाग की सभी योजनाओं का लाभ दिलाए। इस दौरान दुग्ध उत्पादन के लिए मादा पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान का लक्ष्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही पशुओ को बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण का कार्य समय सीमा में करने कहा गया।

पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड शीघ्रता से बनवाने के निर्देश

बैठक में पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के अधीक्षण यंत्री को निर्देशित किया गया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत बड़े शासकीय भवनों एवं छात्रावासों में सोलर पेनल लगाने के प्रस्ताव तैयार करे और यह कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराए। इस दौरान अधीक्षण यंत्री अमित कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत सोलर पेनल लगाने के लिए 804 आवेदन प्राप्त हो चुके है और 130 शासकीय भवनों का सर्वे किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड शीघ्रता से बनवाए और इस कार्ड पर ईलाज कराने वाले मरीजो के उपचार में निजी अस्पतालो द्वारा किये गए क्लेम का शीघ्र भुगतान करें। जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया गया कि यात्री बसों के फिटनेस एवं ओवर लोडिंग की नियमित रूप से जांच करें। बगैर फिटनेस के यात्री वाहन का संचालन पाए जाने पर उसका लायसेंस निरस्त करने की कार्यवाही करें।

मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना की राशि का हितग्राहियों को 03 दिनों के भीतर करे भुगतान

बैठक में नगर पालिका बालाघाट के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया कि मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना की राशि का हितग्राहियों को 03 दिनों के भीतर भुगतान सुनिश्चित करें। बैठक में अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत सभी पात्र लोगो के आवेदन कराने के निर्देश दिये गए। बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण करें। बैठक में बताया गया कि आगामी 24 सितम्बर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कटंगी में कार्यक्रम संभावित है अत: इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियॉ की जाए।

भाजपा कार्यकारिणी घोषित पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष अनुपमा नेताम को मिला स्थान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से बालाघाट जिला भाजपा कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। बालाघाट भाजपा कार्यकारिणी में बनाए गए तीन महामंत्री में प्रखर वक्ता अनुपमा नेताम को महामंत्री बनाया गया हैं। जो वर्तमान में जिला पंचायत सदस्य और पूर्व विधायक भगत नेताम की पत्नी है। जिले की भाजपा कार्यकारिणी में सांसद भारती पारधी से ज्यादा पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन और भाजपा अध्यक्ष के समर्थको को जगह मिली है। इसके साथ ही कार्यकारिणी में युवाओ को भी स्थान दिया गया है।लंबे अरसे से भाजपा मीडिया प्रभारी अभय कोचर की जगह मीडिया की जिम्मेदारी इस बार हेमेन्द्र क्षीरसागर को दी गई है।

इन्हें भी मिली जिम्मेदारी

घोषित भाजपा कार्यकारिणी में 7 उपाध्यक्ष, तीन महामंत्री, 7 मंत्री बनाए गए है। कोषाध्यक्ष पद पर जिले के उद्योगपति किरण भाई त्रिवेदी को दोबारा, यह जिम्मेदारी मिली है।घोषित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष मुनेन्द्र पांडे, त्रिवेणी गोस्वामी, अनिल धुवारे, किशोर अमूले, अजय मेश्राम, जितेन्द्र मोहारे, गोपाल आडवानी, महामंत्री अनुपमा नेताम, नरेन्द्र भैरम, संजय मिश्रा, मंत्री मोना सिद्धू, अरूणा गजभिए, रेखा गोखले, सुधीर चौधरी, राजेश मेश्राम, शिवानी तिलासी, कन्हैया चौहान, सहकोषाध्यक्ष रूपेश वैद्य, कार्यालय मंत्री सुमित यादव, सहकार्यालय मंत्री चंद्रकांत पिपलेवार, सहमीडिया प्रभारी जितेन्द्र चौधरी, आईटी प्रभारी पलाश बिसेन, सहआईटी प्रभारी मोनिल जैन, सोशल मीडिया प्रभारी विवेक शिववंशी और सहसोशल मीडिया प्रभारी विरेन्द्र श्रीवास को दायित्व सौंपा गया हैं।

निविदा निरस्तीकरण सूचना

बालाघाट एजुकेशन सोसायटी, सुरभि नगर बालाघाट द्वारा दिनांक 31/08/2025 को प्रकाशित कराई गई निविदा आमंत्रण सूचना जी.एस.टी. संशोधनों के कारण से निरस्त की जाती है। नई निविदा आमंत्रण सूचना परिवर्तित नियम एवं शर्तों के साथ आगामी समय में पुनः प्रकाशित कराई जायेगी।

बालाघाट इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल, सुरभि नगर वार्ड क्र. 24, बालाघाट (म.प्र.) 481001
ई-मेल = behssvwx@gmail.com,
फोन नं. 07632-241707

एक ही लक्ष्य एक ही नारा, मुक्त करो महाबोधि महाविहार हमारा

बोधगया महाविहार को मुक्त करने की मांग को लेकर बालाघाट पहुंची शांति मशाल धम्म यात्रा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)।पवित्र धार्मिक स्थल बोधगया से गैर बौध्दों का अतिक्रमण हटाने और उक्त पवित्र स्थल को बौद्धों की सुपुर्द किए जाने की मांग देश भर में पिछले 134 वर्षो से की जा रही है।वहीं इसी मांग को लेकर समय-समय पर महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति भिक्खु संघ सहित विभिन्न संगठनों द्वारा समय समय धरना, प्रदर्शन, रैली ,ज्ञापन, आवेदन, निवेदन ,भूख हड़ताल सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर ,सरकार का ध्यान आकर्षण कराया जा रहा है।लेकिन अब तक

बोधगया महाबोधि महाविहार को पूर्ण रूप से बौद्धों के हवाले करने का फैसला नहीं किया गया है। जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति बौद्ध संघ के बैनर तले भीम जन्मभूमि मऊ से ,नागपुर दीक्षा भूमि तक शांति मशाल धम्म यात्रा का आयोजन किया गया है।यह यात्रा प्रदेश के विभिन्न जिलों तहसीलों व ग्रामीण अंचलों का भ्रमण करते हुए सोमवार को बालाघाट कोसमी पहुंची।जहां से विशाल शांति मशाल धम्म यात्रा नगर के लिए निकाली गई। यह यात्रा नगर के विभिन्न मार्गो का भृमण करते हुए सीधे अंबेडकर चौक पहुंची। जहां बाबासाहेब अंबेडकर को माल्यार्पण के पश्चात नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में राज्य स्तरीय धम्म सभा रैली का आयोजन किया गया। आयोजित इस रैली में उपस्थित विभिन्न वक्ताओं ने वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न मांगो को पूरा करने के लिए अब तक किए गए प्रयासों की जानकारी देते हुए हर हाल में महाबोधि महाविहार मुक्त कराए जाने की बात कही। बताया गया की देर शाम यह शांति मशाल धम्म यात्रा बालाघाट से गोंदिया के लिए रवाना होगी

बौद्धो को सौंपा जाएं अधिपत्य

धम्म सभा मे वक्ताओं ने बताया कि बिहार के बौद्ध गया स्थित महाबोधि मंदिर के प्रबंधन को लेकर बौद्ध समुदाय, 1949 में बने बीटीएमसी (बिहार टेंपल मैनेजमेंट कमेटी) को खत्म करने की मांग कर रहा है। बौद्ध अनुयायी मांग कर रहे है,की इसके प्रबंधन और कमेटी का सारा दायित्व, बौद्धो को सौंपा जाएं, ताकि यहां बौद्धो के रितिरिवाज और बौद्ध उपदेशो की तरह मंदिर का संचालन हो।इस दौरान बौद्ध अनुयायियो ने आरोप लगाया कि गैर बौद्धो के हाथो में मंदिर प्रबंधन होने से, यहां से पाखंड और अंधविश्वास फैलाया जा रहा है। सामाजिक वक्ताओं ने इस विषय पर प्रकाश डालते हुए, हर हाल में अपना अधिकार लेकर रहने की बात कही।

इन मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार

आयोजित इस मशाल रैली और धम्म सभा में महाबोधि महाविहार को गैर बौद्धो के कब्जे से मुक्त करने, आकाश लांबा जी पर लगाए गए झूठे मुकदमे से उन्हें मुक्त करने, बीटी एक्ट 1949 को रद्द कर, महाविहार का प्रबधन बौद्धो के हाथों में सौंप जाने, महाबोधि आंदोलन के दौरान गिरफ्तार कर, जेल भेजे गए भदंत विनयाचार्य को रिहा करने सहित अन्य अनुयायियों पर लगाए गए फर्जी मुकदमों को वापस लेने, बिहार सरकार का इस मामले में हस्तक्षेप समाप्त करने, बौद्धो को स्वतंत्र रूप से अपने धर्म का पालन करने में बाधा उत्पन्न न करने और बिहार राज्य सरकार एवं गयाजी पुलिस द्वारा लगाए गए झूठे मुकदमों को तत्काल हटाए जाने सहित अन्य मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई है।

बौध्दों के हाथों में दिया जाए बोधगया का आधिपत्य-धम्मशिखर

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति बौद्ध संघ प्रमुख भदन्त धम्मशिखर ने बताया कि शांति मशाल धम्म यात्रा, लोगो में जागृति, शांति, मैत्री और भाईचारा कायम करने के लिए निकाली जा रही है, हमारी मांग है कि विश्व धरोहर, महाबोधि महाविहार को महंतो से मुक्त कर, उसे बौद्धो को सुपुर्द किया जाए। उन्होंने बताया कि हमारा एक ही लक्ष्य एक ही नारा, मुक्त करो महाबोधि महाविहार हमारा है, आज बोधगया महाविहार को मुक्त करने की मांग को लेकर शांति मशाल धम्म यात्रा बालाघाट पहुंची थी। जिसके बाद राज्य स्तरीय धम्म सभा रैली में बीटी एक्ट को समाप्त कर, बोधगया को गैर बौद्धों से मुक्त करने की मांग रखी गई।उन्होंने बताया कि एक्ट की आड़ में हमारी संस्कृति को उजाड़ने का काम किया जा रहा है। एक्ट में संशोधन और ट्रस्ट में अन्य जाति के लोगो को हटाकर बौद्धो को शामिल करने की मांग को लेकर धर्मगुय, अनशन कर रहे है, जिससे उनकी हालत बिगड़ रही है, हमारी मांग है कि इस मामले में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राज्यपाल हस्तक्षेप कर तत्काल एक्ट में संशोधन कर ट्रस्ट में बौद्ध प्रतिनिधियों को शामिल करें।

विधायक पर लगे आरोपों के बाद ,बाघ के शिकार वाले मामले ने फिर पकड़ा तूल

अब एससी एसटी ओबीसी संगठन ने दी जिला बंद की चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सोनेवानी अभ्यारण केंद्र में पिछले दिनों बाघ के शिकार का एक मामला सामने आया था।जो थामे से थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। बाघ के शिकार वाले इस मामले को लेकर पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर हावी हो चुका है।तो वही डीएफओ नेहा श्रीवास्तव द्वारा विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे पर 2 -3 पेटी रकम मांगने के आरोप के बाद से ही यह मामला आए दिन सुर्खियों में बना हुआ है। अब

इसी मामले पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए एससी एसटी ओबीसी संगठन द्वारा इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की गई है। जिन्होंने मांग पूरी न होने पर बालाघाट बंद का आह्वान किए जाने की चेतावनी दी है। यह चेतावनी एससी एसटी ओबीसी संगठन द्वारा सोमवार को नगर के सर्किट हाउस में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान दी गई।इस दौरान उम्मेद लिल्हारे महेश सहारे, धर्मेंद्र कुरील, रहीम खान संहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नेहा श्रीवास्तव की मास्टरमाइंड बीजेपी है- उमेद

डीएफओ नेहा श्रीवास्तव की शिकायत के मामले ने जबरदस्त राजनीतिक तूल पकड़ लिया है।सोमवार 8 सितंबर को हुए बीजेपी के बालाघाट बचाओ आंदोलन के तुरंत बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी मीडिया से बातचीत की। इसमें उन्होंने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सिस्टम के अधिकारी आपके है तो बालाघाट किससे बचाना चाह रहे हो। पहले लग रह था कि बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे पर डीएफओ नेहा श्रीवास्तव ने आरोप लगाया है। लेकिन आज के प्रदर्शन के बाद ये तय हो गया है कि नेहा श्रीवास्तव के मास्टरमाइंड बीजेपी वाले है।

तो बालाघाट बंद का आह्वान किया जाएगा

उम्मेद लिल्हारे ने प्रेस कांफ्रेस में बताया कि उस दिन जो हुआ वह घर की लड़ाई थी। हम अपनों से शिकायत कर सकते हैं। लेकिन अब दूसरी पार्टी के लोग कुछ भी आरोप लगाएंगे तो नहीं सहेंगे। उन्होंने बताया कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। यदि निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो जिला बंद करेंगे।विधायक अनुभा मुंजारे पर आरोप रिश्वत मांगने का आरोप लगाने वाली डीएफओ नेहा श्रीवास्तव पर ही ट्रांसफर के लिए घोटाला करने का आरोप लगाया है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0027/ड-154/2025-26
मौजा खैरगोंदी, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवसिंह मडावी पिता माखनसिंह मडावी जाति गोंड, निवासी ग्राम खैरगोंदी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा खैरगोंदी, रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी नानी सुकमी पति हिरदे का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12(2) म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12(2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 13.06.1997 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम खैरगोंदी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 17.09.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 08.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 09.09.2025

के.एल. तेकाम
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय सांदीपनी विद्यालय लेण्डेझरी विकासखंड-लालबर्रा, जिला-बालाघाट मध्यप्रदेश

यूडीआईएसई कोड-23450611006,
ईमेल- Emall-hsslendejhari@gmail.com,
एमपीबीएसई कोड-781081

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि दिनांक 11/09/2025 दिन गुरुवार को शासकीय सांदीपनी विद्यालय लेण्डेझरी में दोपहर 12:00 बजे से पुराने शाला भवन के डिसमेंटल से प्राप्त लोहे से निर्मित पुराने खिड़की दरवाजे, चैनल गेट एवं अन्य सामग्री की निलामी की जावेगी। इच्छुक खरीददार नीलामी में उपस्थित होकर क्रय कर सकते हैं।

प्राचार्य
शासकीय सांदीपनी विद्यालय लेण्डेझरी
जिला-बालाघाट (म0प्र0)

कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार इंद्रपाल घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हट्टा थाना अंतर्गत लिंगा रोड पर स्थित ग्राम लोहारा के पास कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। कार की ठोकर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति इंद्रपाल पिता हिवा राम मेश्राम 48 वर्ष ग्राम परसवाड़ा थाना हट्टा निवासी है। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इंद्रपाल मेश्राम ग्राम लोहार निवासी अपने परिवार के साथ खेती किसानी के अलावा बिजली फिटिंग का भी काम करते हैं। 7 जुलाई को इंद्रपाल मोटरसाइकिल में बालाघाट अपने काम से आए थे और अपना काम निपटाना के बाद इंद्रपाल मेश्राम रात्रि 8:00 बजे मोटरसाइकिल में बालाघाट से अपने घर परसवाड़ा जाने निकले थे। लिंगा से हट्टा रोड पर स्थित ग्राम लोहारा के पास कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। कार की ठोकर से इंद्रपाल मेश्राम के सिर और सीने में में चोट लगने से वह घायल हो गए। जिसे 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। जिसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई गई है।

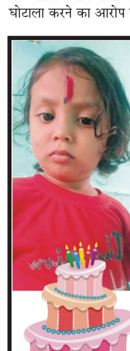

WISH YOU A VERY
HAPPY BIRTHDAY
SIDHHES BHEDE
-BEST WISHES-
PRAMOD BHEDE
& BHEDE FAMILY
BALAGHAT

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

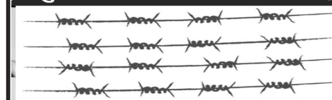

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सोसाइटी कर्मी गए अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

सोसाइटी में लगा ताला ,पीडीएस वितरण पर लगा ब्रेक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सोसाइटी कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है । पदाधिकारी ने बताया कि वह बीते कई महीनो से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शासन ,प्रशासन को ज्ञापन सौंप रहे हैं , लेकिन विभाग और सरकार उनकी मांगों पर संज्ञान नहीं ले रहा है। इसलिए अब उन्होंने सोसाइटी में ताला लगाते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है । जिसमें जिले भर की लगभग 126 सोसाइटी में इस समय ताला लग चुका है।

आपको बता दे कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अंतर्गत संचालित होने वाली जिले की सभी 126 सोसायटियो में ताला लगाकर, सोसायटी कर्मचारी काम बंद, अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए है। जिससे सोसायटियो के माध्यम से किसानों को फर्टिलाईजर्स, ऋण और गरीबों को होने वाले पीडीएस वितरण पर

ब्रेक लग गया है। सहकारी सोसायटी कर्मचारी महासंघ के बैनर तले सोमवार से सोसायटियो कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है और कल से वह जनपद पंचायत के पास धरना स्थल पर धरना प्रारंभ कर देंगे। सोसायटी कर्मचारी 60 प्रतिशत संस्था कर्मचारियों को प्रबंधक के पद पर प्रमोट करने के आदेश के बाद चयन प्रक्रिया का पालन नहीं होने, विक्रेताओं को तीन हजार रूपए मानदेय और प्रतिवर्ष सोसायटियो को मिलने वाली प्रबंधकीय अनुदान 3 लाख रूपए की डिमांड कर रहे है, इन प्रांतीय डिमांड के अलावा कर्मचारी महासंघ जिलाध्यक्ष पी.सी. चौहान ने बताया कि जिले में बीते वर्ष समर्थन मूल्य में किसानों से खरीदी गई धान में 16 सौ से ज्यादा किसानों को भुगतान नहीं कर पाने से किसानो की ओर से की गई शिकायत के बाद, सोसायटियो के अनुदान से 6 करोड़ से ज्यादा की राशि जमा कराई गई, लेकिन उसे अब तक नहीं लौटाया गया है। जिससे समितियों की बचत खाली हो गई हैं। इसके अलावा समर्थन मूल्य पर खरीदी गई धान में प्रासंगिक व्यय, कमीशन और कम्प्युटर ऑपरेटर की राशि भी अब तक नहीं दी गई है। जिसको लेकर कई पत्राचार करने के बावजूद, कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। जिससे सोसायटी कर्मचारियों ने मजबूरीवश यह आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया है। आज से जिले की सभी 126 सोसायटीयो में तालाबंदी कर, कामबंद हड़ताल शुरू कर दी है, जो आगामी 24 सितंबर तक चलेगी। इस दौरान 15 सितंबर को मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष और पदाधिकारियों की मौजूदगी में रैली और ज्ञापन आंदोलन किया जाएगा और यदि हमारी मांगो को पूर्ण नहीं किया जाता है तो आंदोलन और उग्र होगा। बैंक के अंतर्गत संचालित सोसायटी कर्मचारियो के कामबंद हड़ताल को लेकर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के महाप्रबंधक पी. जोशी ने बताया कि कर्मचारियों को प्रबंधक पद के लिए चयनित करने का काम पूरे प्रदेश में होना है और जल्द ही इसे पूरा कर दिया जाएगा। जहां तक अन्य मांगो का सवाल है, वह शासन स्तर की है, जिस पर शासन स्तर पर निर्णय लिया जाएगा।

श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ, हनुमान मंदिर से निकली भव्य कलश यात्रा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।एकल अभियान श्री हरिकथा योजना एवं वनवासी विकास ट्रस्ट के निर्देशन में

शहर के मोतीनगर चौक स्थित मां दुर्गा मंदिर प्रागंण में 8 सितम्बर से श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ किया गया है ।इस अवसर पर सोमवार दोपहर 3 बजे काली पुतली चौक समीप स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर से भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। जो डीजे की मधुर धुनों के साथ कालीपुतली चौक, मोतीनगर चौक से प्रवचन स्थल पहुंची। कलश यात्रा में विभिन्न झांकियां भी शामिल रही जो आर्कषक का केन्द्र रही। प्रवचन स्थल में विधि-विधान से पूजा अर्चना कर कथावाचक वनवासी व्यास कथाकार सुश्री शिवांगी दीदी द्वारा भागवत कथा का बखान किया गया। आयोजन समिति के पदाधिकारियो ने बताया कि भागवत कथा का वाचन हर दिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएंगा। आज सामाजिक सद्भाव कलश यात्रा स्थानीय हनुमान मंदिर कालीपुतली चौक से मोतीनगर चौक तक निकाली गई। इसमें प्रमुख रूप से कथावाचक शिवांगी दीदी, सत्यनारायण अग्रवाल, अभय सेठिया, वैभव कश्यप, सुभाष गुप्ता, चन्द्रकांत पिपलेवार, गजेन्द्र भारद्वाज, जितेन्द्र मोहारे, गौरव दुबे, पंकज अग्रवाल सहित आयोजन समिति के पदाधिकारी व प्रबुद्धजन शामिल रहे।

गांव में बाघ की मौजूदगी पर नजर रख रहा वनविभाग

ट्रेप कैमरे लगाकर की जा रही निगरानी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कटंगी वन परिक्षेत्र से लगे गांव आंबेझरी में बाघ के हमले से वृद्ध की मौत, बढ़ते बाघ के हमले और लोगों की नाराजगी के बाद वनविभाग, मैदान में एक्टिव दिखाई दे रहा है। वनविभाग, ग्रामीणों पर हमला कर रहे बाघ की पहचान करने जंगल में ट्रेप कैमरे लगा रहा हैं, ताकि हमलावर बाघ की पहचान हो सके। परिक्षेत्र अधिकारी बाबुलाल चड्डार ने बताया कि क्षेत्र के जंगलो में 20 ट्रेप कैमरे लगाए जा रहे है, जिसमें अब तक आधा दर्जन कैमरे लगाए जा चुके है। 21 दिनो के भीतर बाघ के हमले की दूसरी घटना और घायल वृद्ध की मौत के बाद, वनविभाग के डीएफओ अधर गुप्ता से लेकर वनअमले को विरोध का सामना करना पड़ा था। चूंकि जिले के अंतिम छोर का आंबेझरी गांव, पूरी तरह से जंगल से लगा है। जहां अक्सर बाघ की मूवमेंट रहती है। यही कारण है कि बीते दिनो, खेत में मवेशी चराने गए, वृद्ध सेवकराम पर बाघ ने हमला कर दिया था। जिसकी जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई है। जबकि इससे पूर्व 14 अगस्त को भी बाघ ने चरवाहे विट्ठल पर हमला किया था। ग्रामीणो पर हमला कर रहे बाघ की पहचान को लेकर, वनविभाग के पास कोई

जानकारी नहीं है, बाघ के लगातार हमले के बाद भी वनविभाग बाघ की पहचान नहीं कर सका। जिसके कारण, वन्यप्राणियों से लोगों की सुरक्षा को लेकर, वनविभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे थे, लेकिन बीते दिवस वृद्ध सेवकराम की मौत के बाद खराब हुए माहौल और लोगों की नाराजगी के बाद अब वनविभाग, बाघ की पहचान करने के लिए ट्रेप कैमरे लगाने में लगा है। आंबेझरी घटना के बाद ग्रामीणो की डिमांड पर खेतो तक जाने वाले रास्ते में उग आई झाड़ियो को हटाने का काम भी वनविभाग ने शुरू कर दिया है। वहीं वनविभाग कैंप भी कर रहा है, जहां रहकर वनकर्मी बाघ की निगरानी कर रहे है। परिक्षेत्र अधिकारी बाबुलाल चड्डार ने बताया कि सभी ट्रेप कैमरो को जंगल में लगाने का काम किया जा रहा है, ताकि बाघ की पहचान और लोकेशन का पता चल सके। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि अभी कुछ दिनों तक वह धैर्य बनाकर रखे। विभाग की ओर से बाघ को लेकर, सभी सावधानियां और सुरक्षा के लिए उपाए किए जा रहे है।

जगला में बीते दिनों हुई मारपीट के मामले में ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को निष्पक्ष जांच किए जाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । बिरसा क्षेत्र के ग्राम जगला के लगभग दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा, जिसमें ग्रामीणों ने बताया कि बीते दिनों ग्राम जगला में शासकीय भूमि पर पौधारोपण किये जाने को लेकर गांव के ही दो पक्षों में विवाद हो गया था ,जिसमें पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुछ लोगों पर मामले पंजीकृत किए हैं , किंतु ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस द्वारा निर्दोष ग्रामीणों पर कार्रवाई न की जाए और जिनके द्वारा इस पूरे मामले को तूल दिया गया है उन पर कार्रवाई की जाए। आपको बता दे कि जुलाई महीने में बिरसा के ग्राम जगला में वन विभाग द्वारा कक्ष क्रमांक-1650 में पौधरोपण कर रहे मजदूरों के

साथ मारपीट करने वाले युवकों के खिलाफ कार्रवाई न करने से ग्रामीण नाराज हैं। उन्होंने सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने मांग रखी कि वन विभाग का कार्य करने वाले मजदूरों के साथ मारपीट करने और शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों को सजा मिले। इतना ही नहीं, ग्रामीणों ने बिरसा थाना प्रभारी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार शिकायत करने के बाद भी पुलिस द्वारा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन्हें ही आरोपी बनाने की धमकी दे रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि 27 जुलाई को वन विभाग की भूमि पर पौधरोपण का कार्य किया जा रहा था। इसमें गांव के ही दो पक्षों और अन्य लोगों के साथ विवाद हो गया था, जिसमें अलग-अलग शिकायतों पर पुलिस द्वारा कुछ ग्रामीणों पर कार्वाही की गई है । ग्राम से पहुंचे रामप्रसाद धुर्वे और सुशील यादव ने बताया कि पुलिस गंभीर धाराओं के तहत निर्दोष लोगों पर भी कार्वाही कर रही है और वह चाहते हैं कि जिन ग्रामीणों का इस घटना से कोई संबंध नहीं है ,उन पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई ना किया जाए और जिनके द्वारा इस मामले को तूल देकर बढ़ाया गया है ,उन पर कार्वाही की जाए । जबकि कुछ लोगों ने गांव की शासकीय भूमि पर अधिक मात्रा में अतिक्रमण किया हुआ है ,उस पर विभाग कार्वाई करें और जो दोषी है उन पर कठोर से कठोर कार्रवाई हो, लेकिन निर्दोषों पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। इसी मांग को लेकर ग्रामीणों ने 8 सितंबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा ।

महिला आरक्षक के साथ मारपीट करने के आरोप में रमिता धामड़े को 6 माह की सश्रम कारावास-एक हजार रुपये अर्थदंड

धोखाधड़ी की विवेचना के दौरान महिला आरक्षक से की थी मारपीट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी शुभम जैन की विद्वान अदालत ने एक महिला आरक्षक को मारपीट करने के मामले में आरोपी रमिता पिता स्व. शोभेलाल धामडे 38 वर्ष को 6 माह की सश्रम कारावास की सजा सुनाई। यह आरोपी लामता थाना क्षेत्र के ग्राम खुरसोडा निवासी है। जिसे विद्वान अदालत में 1000 रुपये अर्थदंड से भी दंडित किए हैं। आरोपी रमिता धामडे के विरुद्ध शासकीय नौकरी लगाने के नाम पर रुपए लेकर धोखाधड़ी करने का एक मामला विद्वान अदालत में विचाराधीन है। इसी मामले की विवेचना के चलते उक्त वारदात घटित हुई थी। घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि 29 अगस्त 2024 को थाना कोतवाली पदस्थ आरक्षक सुष्मिता बघेल और आरक्षक भावना नागेश्वर, उपनिरीक्षक किरण बरकड़े के साथ रमिता धामड़े की तलाश हेतु रवाना हुई थी। रमिता धामड़े के पत्ते पर बालाघाट नगर के शिवहरे काम्प्लेक्स अग्रवाल होटल के पास वार्ड नंबर 15 गुजरी चौक बालाघाट गई। वहा पर पहुंचने पर रमिता धामड़े अपने घर में मिली। सुष्मिता बघेल और आरक्षक भावना नागेश्वर खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। तभी रमिता धामड़े काफी उग्र होकर चिल्लाने लगी और कहने लगे कि यहां कैसे आ गए हो, मेरे घर में आने का अंजाम बताती हूं। तब आरक्षक सुष्मिता बघेल और आरक्षक भावना नागेश्वर ने रमिता धामड़े को समझने का प्रयास कर रहे थे। तभी रमिता धामड़े ने आवेश में आकर आरक्षक सुष्मिता बघेल के पेट में जोर से लात मारी दी, जिससे आरक्षक सुष्मिता बघेल मौके पर गिर गई और जिससे उसके कमर में चोट आई। इसके बाद रमिता धामड़े ने धमकाते हुए कहा कि आइंदा तुम पुलिस वाले मेरे घर पर आए तो तुम्हारे जान के लिए अच्छा नहीं होगा। तब आरक्षक सुष्मिता बघेल को आरक्षक भावना नागेश्वर ने उठाया और गाड़ी में बैठाकर उसे उपचार हेतु जिला अस्पताल लाये। आरक्षक सुष्मिता बघेल द्वारा की गई रिपोर्ट पर रमिता धामड़े के विरुद्ध धारा 121(1) 132 221 और 351(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज किया गया थाऔर कोतवाली पुलिस ने विवेचना उपरांत आरोपी रमिता धामड़े के विरूद्ध अभियोग पत्र विद्वान अदालत में पेश किए थे। विद्वान न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी शुभम जैन की अदालत में चलते इस मामले में अभियोजन पक्ष आरोपी रमिता धामड़े के विरुद्ध धारा 123 भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत आरोपित अपराध सिद्ध करने में सफल रहे। जिसके परिणाम स्वरूप विद्वान अदालत ने मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी रमिता धामड़े ग्राम खुरसोड़ा थाना लामता हाल मुकाम वार्ड नंबर 15 गौली मोहल्ला बालाघाट निवासी को 6 माह का सश्रम कारावास और 1000 रुपये अर्थदंड से दंडित किये। इस मामले में सहायक संचालक कपिल कुमार डहेरिया के मार्गदर्शन में अभियोजन की ओर से पैरवी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी सुरेंद्र कुमार उइके द्वारा की गई थी।

धोखाधड़ी करने के मामले की विवेचना के दौरान हुई थी घटना

ज्ञात हो की पिछले वर्ष रमिता धामड़े और उसके साथी भूपेंद्र ठाकुर उर्फ रिंकू के विरुद्ध कोतवाली बालाघाट में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया था। इस मामले की शिकायत शुभम दमाहे ग्राम मोहगांव धपेरा लालबर्रा निवासी ने कोतवाली बालाघाट में की थी और इसी मामले की विवेचना के दौरान 29 अगस्त 2024 को कोतवाली में पदस्थ उपनिरीक्षक किरण वरकड़े दो महिला आरक्षक सुष्मिता बघेल और भावना नागेश्वर के साथ रमिता धामड़े की तलाश हेतु बालाघाट नगर के शिवहरे काम्प्लेक्स अग्रवाल होटल के पास वार्ड नंबर 15 गुजरी चौक गई थी।इस समय रमिता धामड़े ने महिला आरक्षक सुष्मिता बघेल के साथ उक्त वारदात घटित की थी। सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने रमिता धामड़े को गिरफ्तार किया था। जो इन दोनों विद्वान अदालत से जमानत पर है।इस मामले में एक अन्य आरोपी भूपेंद्र ठाकुर उर्फ रिंकू अपराध दर्ज होने के बाद से फरार था। जिसके विरुद्ध 5हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था साथ ही इस आरोपी के विरुद्ध अन्य मामले में 7 स्थाई और एक गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। कोतवाली पुलिस ने फरार आरोपी भूपेंद्र ठाकुर उर्फ रिंकू जिसका वास्तविक नाम अशेष श्रीवास्तव 40 वर्ष वार्ड नंबर 14 बूढ़ी बालाघाट निवासी को 3 सितंबर को गिरफ्तार कर उसे विद्वान अदालत में पेश किए है।

वन परिक्षेत्र दक्षिण उकवा में चलाया गया वन्यप्राणी सुरक्षा जागरूकता अभियान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । वन संरक्षक, और वनमण्डलाधिकारी उत्तर बालाघाट सामान्य वनमण्डल के मार्गदर्शन में ,वन परिक्षेत्र दक्षिण उकवा में वन्य प्राणी सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया ।उपवनमण्डलाधिकार उकवा सामान्य के दिशानिर्देशन में आयोजित इस अभियान के तहत सोनगुड्डा

के साप्ताहिक बाजार में कैंप लगाकर गीत संगीत का आयोजन किया गया। कैंप में आने वाले ग्रामीणों को वन्यप्राणी की सुरक्षा एवं हिंसक वन्य प्राणी से स्वयं की सुरक्षा के बारे जागरूक किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को समझाइश दी गई कि वन्य प्राणी द्वारा इंसानों पर ज्यादातर मामलों में हमले तब किए जाते हैं जब वो लोग अपने मवेशियों को हिंसक प्राणियों के हमले से बचने का प्रयास करते हैं। उन्हें ऐसा ना करने की समझाइश दी गई वही ये भी बताया गया ऐसे मामलों में होने वाले पशु हानि का पूरा खर्च वन विभाग देता है ।जनहानि जन - घायल के मामले में भी विभाग द्वारा मुआवजा दिया जाता है ।हिंसक जानवरों को गांव में आने से रोकने तथा सामना होने पर स्वयं को बचाने के संभव उपाय के बारे में चर्चा की गई ।बताया गया कि गांव में भालू को आने से रोकने के लिए गांव लाल मिर्च का धुआं किया जाना चाहिए ।साथ में वन्यप्राणी जागरूकता साइकिल को ग्राम भृमण के लिए रवाना किया गया। जो गांव गांव में घूम कर रिकॉर्डेड मैसेज द्वारा लोगों को जागरूक करेगी। कैंप में वन विभाग द्वारा बनाया गया सेल्फी प्वाइंट भी आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम में वन परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण उकवा आशुतोष सिंह, उपवन क्षेत्रपाल दिलीप डोंगरे, मनोज चौहान, महेश चौरे, वनपाल अरविंद मड़ावी, कीर्तन धुर्वे, परमानंद उईके एवं अन्य वन अमला कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मवेशियों को जंगल छोड़ने गई वृद्धा का शव जलाशय से बरामद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । परसवाड़ा थानांतर्गत जलगांव जलाशय से एक वृद्धा का शव बरामद किया गया ।मृतिका शांति बाई पति मोतीलाल धुर्वे 62 वर्ष ग्राम बघोली निवासी निवासी है। जिसकी जलाशय में फिसलने से मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शांति बाई धुर्वे के परिवार में दो बेटे हैं और सभी लोग खेती किसानी करते हैं। शांतिबाई प्रतिदिन अपने मवेशियों को चरने के लिए जलगांव जलाशय तरफ जंगल मे छोड़ने जाती थी और घर वापस आ जाती थी। रोज की तरह 8 सितंबर को सुबह शांति बाई अपने मवेशियों को चरने के लिए जलगांव जलाशय से लगे जंगल तरफ ले गई थी। किंतु वह 10 बजे तक अपने घर वापस नहीं लौटी ।शांति बाई के घर नहीं लौटने पर उसका बड़ा बेटा कांति धुर्वे ढूंढने के लिए जंगल और जलगांव जलाशय तरफ गया था। जंगल में तलाश करने पर शांति बाई नहीं दिखी ।जब कांति धुर्वे ने जलगांव जलाशय में तरफ जाकर अपनी मां शांति बाई को तलाश किया इस दौरान जलाशय के अंदर उसने अपनी मां शांति बाई का शव देखा जिसकी जलगांव जलाशय में डूबने से मौत हो गई थी। जिसकी रिपोर्ट कांति धुर्वे ने परसवाड़ा पुलिस थाने में की थी। परसवाड़ा थाने से सहायक उप निरीक्षक झमुक लाल सैयाम अपने स्टाफ के साथ जलगांव जलाशय पहुंचे और शांति बाई का शव जलाशय से बाहर निकलवाये। शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात शांति बाई का शव परसवाड़ा के अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। संभावना व्यक्त की गई की जब शांति बाई अपने मवेशियों को जब जंगल में छोड़ने के बाद संभवत मुह हाथ धोने के लिए जलाशय मैं गई और मुंह हाथ होते समय अचानक वह फिसल गई। जिससे उसकी जलाशय में डूबने से मौत हो गई। सहायक उप निरीक्षक सैयाम द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी एवं नवेगांव के एक दर्जन से अधिक वांशिदों को नही मिली विस्थापन की 5 लाख रूपये की राशि

आदिवासियों ने विधायक प्रतिनिधि अनीस खान से मुलाकात कर योजना से लाभांवित किये जाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट परिक्षेत्र लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव के निवासरत लोगों को विस्थापन की प्रक्रिया के तहत प्रत्येक यूनिट पर 15-15 लाख रूपयों की राशि शासन से मिलना है। जिसके तहत प्रथम किस्त के तौर पर सैकड़ों हितग्राहियों के खातों में 5-5 लाख रूपये की राशि डल चुकी है। लेकिन विडम्बना यह है कि एक माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी तीनों वनग्राम के दर्जनों वांशिदों को अब तक प्रथम किस्त की राशि नही मिल पाई है। जिससे वे खासा परेशान है और प्रथम किस्त 5-5 लाख रूपयों की राशि पाने के लिए दर-दर भटक रहे है। सोमवार को वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव के एक दर्जन से अधिक ग्रामीणजन पांढरवानी पंचायत पहुंचकर विधायक प्रतिनिधि, सरपंच अनीस खान से मुलाकात एवं आवेदन देकर विस्थापन प्रक्रिया के तहत लाभ दिलवाने की मांग की है। वहीं अपनी पीड़ा लेकर पहुंचे आदिवासियों ने वन विभाग एवं प्रशासन पर यह भी आरोप लगाया है कि जिस पुरूष की दो पत्नि है उनके दो यूनिट बनाकर एवं जिसकी शादी हाल ही में हुई है उस युवती की अलग यूनिट बनाकर विस्थापन प्रक्रिया के तहत लाभांवित किया गया है। लेकिन कुछ ऐसे हितग्राही है जिनकी हाल में ही शादी हुई है, एक की दो पत्नि है और कुछ हितग्राहियों का नाम सूची में शामिल न कर इस योजना से वंचित कर दिया गया है। जबकि हम लोग पात्र है हमें भी विस्थापन प्रक्रिया के तहत शासन से मिलने वाली 15-15 लाख रूपये का लाभ मिलना चाहिए। उक्त योजना का लाभ दिलवाने की विधायक प्रतिनिधि एवं प्रशासन से गुहार लगाई है। वहीं विधायक प्रतिनिधि, पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने सभी आदिवासियों को आश्वास्त करते हुए कहा कि उ%चाधिकारियों से चर्चा कर योजना का लाभ दिलवाया जायेगा।

एक दर्जन से अधिक लोगों को नही मिला लाभ, हो रहे परेशान, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि राष्ट्रीय उद्यान व अभ्यारणों की तरह ही दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के अंतर्गत आने वाले लालबर्रा वन परिक्षेत्र के सोनेवानी वन्यजीव अनुभव भ्रमण क्षेत्र में भी राष्ट्रीय पशु बाघ सहित अन्य जंगली जानवरों का भ्रमण व रहवास बड़े स्तर पर है और धीरे धीरे इनकी संख्या भी बढ़ते जा रही है। जिसको ध्यान में रखते हुए म.प्र. सरकार के द्वारा सोनेवानी को कंजर्वेशन रिजर्व घोषित कर दिया है क्योंकि सोनेवानी वन्यजीव अनुभव भ्रमण क्षेत्र में वन्यप्राणी बहुतायत संख्या में पाये जाते है। जिनमें विशेष रूप से राष्ट्रीय पशु बाघ, राष्ट्रीय पक्षी मोर, जंगली भैंस, तेंदुआ, भालू, सोनकुत्ता, हिरण, सांभर, चीतल सहित अन्य वन्यजीव व पक्षियों के दीदार पर्यटकों को होते है। इसी को देखते हुए शासन के द्वारा वनग्राम नवेगांव, चिखलाबड्डी एवं सोनेवानी में निवासरत लोगों को अन्य स्थान पर विस्थापित किया जा रहा है। जिसके तहत पुर्व में वन, राजस्व सहित अन्य विभागों के द्वारा सर्वे कर निवासरत लोगों का यूनिट बनाकर 15-15 लाख रूपये दिये जाने का प्रपोजल तैयार किया गया था। जिसमें प्रथम किस्त के तौर पर सैकड़ों हितग्राहियों को 5-5 लाख रूपये की राशि शासन के द्वारा उनके खाते में डाल दी गई है ताकि वे उक्त राशि से अन्य स्थान पर निवास हेतु आशियाना तैयार कर सके। किन्तु तीनों ग्राम के एक दर्जन से अधिक आदिवासियों को विस्थापन प्रक्रिया के तहत मिलने वाली प्रथम किस्त की राशि किसी कारण वश नही मिल पाई है क्योंकि पूर्व में किये गये सर्वे में उनका नाम नही जोड़ा गया है एवं किसी कारणवश उन्हे अपात्र कर दिया गया है जिससे वे लोग खासा परेशान है। वनग्राम के एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से विस्थापन के तहत मिलने वाली 15 लाख रूपये का लाभ दिलवाने की मांग की है।

योजना का नही मिला लाभ - रमली

श्रीमती रमली मरकाम ने बताया कि विस्थापन की प्रक्रिया के तहत जो भी दस्तावेज आवश्यक रूप से लगने चाहिए वे सभी दस्तावेज हमारे पास तैयार है। उसके बावजूद भी हमारे खाते में पहली किस्त की राशि अब तक नही डल पाई है। इस संबंध में वन विभाग के कर्मचारियों से चर्चा की गई तो उन्होने हमें आश्वासन दिया है। जबकि जिस पुरूष की दो पत्नि है उन्हे अलग-अलग यूनिट बनाकर लाभ दिया गया है और मुझे वंचित कर दिया गया है जिससे मैं परेशान हूं। हमें भी योजना का लाभ दिलवाये शासन-प्रशासन।

वन विभाग की गलती से हम हो रहे परेशान - ललिता

श्रीमती ललिता कुमरे ने बताया कि वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव के विस्थापन की प्रक्रिया के तहत प्रत्येक यूनिट पर शासन की ओर से 15-15 लाख रूपये दिये जाना है और इस वर्ष तीन युवती का विवाह हुआ है, जिसमें मैं भी शामिल हूं। लेकिन वन विभाग के द्वारा हमें दस्तावेजों की सही जानकारी नहीं दी गई थी, जिसकी वजह से इस योजना से वंचित हो रहे है और जिसकी शादी हमारे साथ हुई है उसे लाभ दिलवाया गया है। जबकि मैं अपने पति के साथ अपने मॉ-बाप के पास वनग्राम सोनेवानी में रहती हूं। श्रीमती कुमरे ने बताया कि कलेक्टर महोदय के द्वारा आवश्यक दस्तावेजों की नई सूची जारी की गई है, जिसकी जानकारी हमें वन विभाग के द्वारा नहीं दी गई, जिसके कारण हम आवश्यक दस्तावेज नही बना पाये और वन विभाग की गलती के कारण विस्थापन प्रक्रिया के तहत मिलने वाली 15 लाख रूपये की राशि से वंचित होना पड़ रहा है।

योजना का लाभ दिलवाने का किया जायेगा प्रयास - अनीस

विधायक प्रतिनिधि, पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि वनग्राम के आदिवासियों की विस्थापन के लिए जो यूनिट बनी है उसमें कुछ समस्याएं आ रही है। जिसके कारण कुछ लोगों को राशि का भुगतान नही हो पाया है, जिससे वे परेशान है और अपनी समस्या लेकर आये थे। साथ ही यह भी बताया कि शासन के द्वारा एक कमेटी गठित की गई है जिनके आवेदन को कमेटी में रखकर उच्चाधिकारियों से चर्चा कर 15-15 लाख रूपये का लाभ दिलवाने का प्रयास किया जायेगा।

सड़क में बने गड्ढे दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण, जिम्मेदार मौन

छात्र-छात्राओं एवं राहगीरों को हो रही परेशानी, सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की उठी मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से गुजरी लालबर्रा से पनबिहरी पहुंच मार्ग में लालबर्रा बस स्टैण्ड से लेकर माँ सरस्वती सभामंच के सामने तक दो वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण सड़क का निर्माण कार्य किया गया है उसके बाद से निर्माण कार्य नही किया गया है। जिसके कारण जिस स्थान तक सीमेन्टीकरण सड़क बनी है उसके बाद सड़क पूरी तरह से खराब हो चुकी है और माँ सरस्वती सभामंच के सामने, सांदीपनी स्कूल के समीप सड़क के बीच में जानलेवा गड्ढे बन गये है। जिसके कारण सबसे अधिक परेशानी स्कूली ब%चों एवं आने-जाने वाले राहगीरों को हो रही है। साथ ही कई बार गड्ढों के कारण छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी हो चुकी है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजन, राहगीरों एवं छात्र-छात्राओं में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। चर्चा में जागरूक नागरिकों ने बताया कि दो वर्ष पूर्व लालबर्रा बस स्टैण्ड से लेकर मंडी काम्पलेक्स के आगे शहीद बिरसा मुंडा चौक तक टु वेन सीसी सड़क का निर्माण कार्य किया गया है। उसके बाद से निर्माण कार्य नही किया गया है। जिसके कारण जिस हिस्से तक सीसी सड़क बनी है वह तक सड़क ठीक है। लेकिन उसके बाद सड़क पुरी तरह से खराब हो चुकी है एवं तेज बारिश होने पर गड्ढों में पानी जमा होने एवं कीचड़ होने से आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही यह भी बताया कि जिस स्थान पर गड्ढे बने है उसके समीप सांदीपनी स्कूल है जहां रोजाना छोटे एवं बड़े बच्चें पढ़ाई करने आते है और इसी मार्ग से जनपद पंचायत, अस्पताल, तहसील कार्यालय लोग आना-जाना करते है। साथ ही जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी भी आवागमन करते है लेकिन माँ सरस्वती सभामंच के सामने रोड़ के बीच में बने गड्ढे एवं खराब सड़क उन्हे दिखाई नही दे रही है, जो समझ से परे लग रहा है। जिससे ऐसा लगता है कि जिम्मेदार किसी बड़ी हादसे का इंतजार कर रहे है। शासन-प्रशासन से मांग है कि सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के समीप सड़क के बीच में बने जानलेवा गड्ढे एवं सड़क का मरम्मत कार्य जल्द करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

सेन (नाई) समाज के ब्लाक अध्यक्ष बने दिलीप सेन

केबिनेट दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री स्व. नंदकिशोर वर्मा को दी गई श्रध्दांजली

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग स्थित काम्पलेक्स में गत दिवस सेन (नाई) समाज की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक सेन (नाई) समाज जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने संत शिरोमणि सेन महाराज के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित बैठक में ब्लॉक समिति लालबर्रा के आय-व्यय पर चर्चा, लालबर्रा ब्लॉक हेतु नवीन समिति का गठन, समाजोत्थान, सामाजिक भवन निर्माण, संत शिरोमणि सेन जी महाराज की मूर्ति स्थापना सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई और सर्वसम्मति से दिलीप सेन को लालबर्रा ब्लाक सेन (नाई) समाज का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं बैठक के अंत में केबिनेट दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री स्व. नंदकिशोर शर्मा को दो मिनट का मौन धारण कर श्रध्दांजली अर्पित की गई। चर्चा में नवनियुक्त अध्यक्ष दिलीप सेन ने बताया कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर समाज के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में समाजोत्थान के क्षेत्र में काम किया जायेगा। चर्चा में सेन (नाई) समाज जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवासव ने बताया कि समाज की बैठक में लालबर्रा विकासखण्ड के तीन वर्षों की आय-व्यय, नवीन समिति का गठन सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर सर्वसम्मति से दिलीप सेन को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि जिले के नवीन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का सम्मान भी किया गया और सभी उपस्थितजनों को अपने-अपने ब%चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने एवं संगठित होकर समाजोत्थान क्षेत्र में बेहतर काम करने की बात कही गई है। इस अवसर पर पर सेन (नाई) समाज लालबर्रा के पूर्व अध्यक्ष भेजनलाल सराठे, नवनियुक्त अध्यक्ष दिलीप सेन, जिला उपाध्यक्ष डॉ. डीआर शिवनकर, जिला महामंत्री डॉ. पीतांबर उरकुडे, नगराध्यक्ष रवि श्रीवास, संरक्षक एमएल चौवके, गणेश भारद्वाज, जगदीश भारद्वाज, उपाध्यक्ष यशवंत पगाड़े, रवि गोले, सचिव आदित्य भारद्वाज, सहसचिव संदीप सेन, कोषाध्यक्ष चैनलाल श्रीवास, रोशनलाल सराठे, हीरालाल फुलबांधे, नीलमचंद उके, माखनलाल सराठे एवं संजीव उरकुड़े सहित अन्य पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

सहकारिता कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू, सोसायटी एवं राशन दुकान में लटके ताले

सेवा सहकारी समिति में ताले लटका देख बैरंग वापस हुए ग्रामीणजन, लंबित मांगों को पूरा करने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। सहकारिता समिति के कर्मचारियों के द्वारा 60 प्रतिशत संस्था कर्मचारियों को प्रबंधक पद पर जिला बैंकों में आदेशों के पश्चात चयन नही हुआ है उसे तत्काल करवाने, विक्रेताओं के 3000 रूपये मानदेय राशि दिलवाये जाने सहित अन्य मांगों को लेकर म.प्र. सहकारी कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय आव्हान पर लालबर्रा विकासखण्ड के सेवा सहकारी समिति के कर्मचारी 8 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये है। जिसके कारण सहकारिता विभाग से संबंधित कार्य जैसे पीडीएस के माध्यम से राशन, खाद वितरण, ऋण वितरण, रूपयों के लेन-देन सहिन अन्य कार्य प्रभावित हो चुका है। साथ ही सेवा सहकारी समिति व उचित मूल्यों की दुकानों में ताला लटका देखकर राशन, खाद लेने पहुंच रहे गरीब व किसानों को एवं रूपये निकलने व जमा करने आ रहे ग्रामीणजनों को बैरंग वापस लौटना पड़ा जिससे उन्हे खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि वर्तमान में किसानों को यूरिया खाद की अति आवश्यकता है क्योंकि धान की फसल में छिंड़काव करना जरूरी है। लेकिन सोसायटियों के कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने के कारण खाद भी नही मिल रहा है जिससे सबसे अधिक परेशान किसान नजर आ रहे है। आपकों बता दें कि सेवा सहकारिता विभाग में पदस्थ कर्मचारियों के द्वारा विगत वर्ष से 60 प्रतिशत संस्था कर्मचारियों को प्रबंधक पद पर जिला बैंकों में आदेशों के पश्चात चयन नही हुआ है। उसे तत्काल करवाने, विक्रेताओं के 3000 रूपये मानदेय राशि दिलवाने, प्रबंधकीय अनुदान की राशि समितियों को प्रदाय किये जाने की मांग कर रहे है परन्तु उनकी मांगे पूरी नही की जा रही है। जिससे कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है और अपनी विभिन्न मांगों को पूरा करवाने के लिए 8 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दिये है। जिसके कारण बालाघाट जिला सहित लालबर्रा विकासखण्ड के कर्मचारी सेवा सहकारी समिति व उचित मूल्यों की दुकानों में तालाबंदी कर हड़ताल पर चले गये है किन्तु जिन लोगों को कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने की जानकारी नही है वे राशन, खाद एवं बैंक से लेन-देन पहुंचे जिन्हे सोसायटी में ताला लटका देखकर बिना काम करवाये बैरंग वापस लौटना पड़ा।

मांगे जब तक पूरी नही होगी हड़ताल जारी रहेगी - सुभाष

दूरभाष पर चर्चा में सहकारिता विभाग के कर्मचारी सुभाष बोपचे ने बताया कि विगत कई वर्षों से हमारे द्वारा अपने प्रदेश स्तर के संगठन के साथ मिलकर अपनी जायज को लेकर सरकार के विरूध्द धरना प्रदर्शन व आंदोलन के माध्यम से अपनी मांगों को पूरा करवाने का प्रयास किया जा रहा है परंतु हर बार सरकार के द्वारा हमें आश्वासन ही दिया जाता रहा है। इसलिए इस बार आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए 8 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रारंभ किये है। जो 24 सितंबर तक जारी रहेगी और सरकार से मांग है कि

सालेभर्री (टेंगनीखुर्द) में श्रीमद् भागवत कथा आज से

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 14 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेंगनीखुर्द के अंतर्गत आने वाले ग्राम सालेभर्री में 9 सितंबर से 7 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है। जिसमें जबलपुर के कथा व्यास आचार्य पं. शैलेन्द्र मिश्रा के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवनलीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया जायेगा। चर्चा में टेंगनीखुर्द सरपंच प्रतिनिधि धनेन्द्र राणा ने बताया कि ग्राम सालेभर्री में 9 सितंबर से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रथम दिन मंगलवार को दोपहर 12 बजे शोभायात्रा, कथा का महात्म और दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक कथावाचक के द्वारा संगीतमय प्रवचन दिया जायेगा। श्री राणा ने बताया कि 10 सितंबर को सुकदेव, राजा परिक्षित जन्म, भीष्म स्तुती, 11 सितंबर को कपिल उपाख्यान, सति चरित्र, ध्रुव चरित्र, 12 सितंबर को भरत चरि, प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार, राम अवतार, कृष्ण जन्मोत्सव, 13 सितंबर को बाल लीला, गोवर्धन पूजन, 14 सितंबर को रासलीला, रूकमणी मंगल विवाह उत्सव, 15 सितंबर को सुदामा चरित्र, परिक्षित मोक्ष पर जबलपुर से पधारे कथा व्यास पं. शैलेन्द्र मिश्रा के द्वारा प्रवचन दिया जायेगा। जिसके बाद हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण कर 7 दिवसीय संगीमतमय श्रीमद् भागवत कथा का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील टेंगनीखुर्द सरपंच प्रतिनिधि धनेन्द्र राणा सहित अन्य आयोजन समिति के

शिवधाम डायवर्ट मार्ग खस्ताहाल राहगीर परेशान

दुर्घटनाओं की बनी है संभावना राहगीरो को हैं मरम्मत की दरकार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर ४ बालाघाट रोड से शिवधाम होते हुए डायवर्ट मार्ग बनाया गया है। जहां सड़क की स्थिति खस्ताहाल हो चुकी है जिसमें आवागमन करने वालों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करते हुए आना जाना पड़ रहा है। तो वहीं दुर्घटना की संभावना हर समय बनी हुई है यह मार्ग ग्रामीण स्तर का बनाया गया था। बालाघाट रोड़ की रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण के बाद इसे बालाघाट रोड़ या बालाघाट के लिए डायवर्ट कर दिया गया। ताकि लोग उक्त सड़क से बिना किसी समस्या के आवागमन कर सके। परंतु छोटे बड़े सभी प्रकार के वाहन रोजाना बड़ी संख्या में आने जाने से पूरे मार्ग की स्थिति खराब हो गई है। जहां सीसी सड़क की गिट्टी सीमेंट विभिन्न स्थानों पर उखड़ गई है जगह जगह छोटे.बड़े गड्ढे बन गए हैं ,वहीं कुछ स्थानों पर कुछ दूरी तक पूरा मार्ग खराब हो गया है। जिस पर जिम्मेदार लोगों के द्वारा वर्तमान तक ध्यान नहीं दिया गया है जिसका कारण है कि खस्ताहाल मार्ग से आवागमन करने में लोग चोटिल हो रहे हैं दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। यह मार्ग करीब १० फीट चौड़ा है जिसके दोनों तरफ डाली गई मिट्टी वाहनों से कीचड़ के रूप में बदल गई है। वहीं मिट्टी ६ इंच बैठने से साइड शोल्डर की समस्या हो गई है। जिससे सड़क से नीचे उतरने वाले वाहनों को सड़क पर पुनः चढ़ाने में काफी समस्या होती है, सड़क से नीचे उतरना भी जान का जोखिम साबित हो रहा है। जबकि यह मार्ग से करीब आधा दर्जन से अधिक ग्राम के लोग प्रतिदिन नगर मुख्यालय एवं विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन करने के लिए यात्रा करते हैं। इसी के साथ नगर के लोग प्रतिदिन बालाघाट के लिए इस मार्ग से आना जाना करते हैं ऐसे में राहगीरों को अव्यवस्था हो रही है। जिनके द्वारा सड़क की मरम्मत कर बेहतर व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है।

यह रोड़ में समस्या गड्डों की है रोड़ की गुणवत्ता ठीक नहीं है-महेंद्र मड़ावी

ग्रामीण महेंद्र मड़ावी ने बताया कि यह रोड़ में समस्या गड्डों की है सड़क जो बनाई गई है वह लोकल बनी है गुणवत्ता ठीक नहीं है। गड्ढे हो गए हैं कांक्रीट उखड़ गया है मिट्टी रोड़ किनारे डाले थे जो कीचड़ बन गई है आने.जाने में समस्या होती है। इस सड़क की रिपेयरिंग होनी चाहिए तभी आना जाना ठीक हो पाएगा दुर्घटना का डर हमेशा लगा हुआ है। गड्ढे यदि भर दिए जाएंगे तो अच्छे से आना जाना हो पाएगा साइड़ में तकलीफ बनी हुई है हम देख रहे हैं कि अधिकारी क्या करते हैं।

मार्ग की स्थिति बहुत ज्यादा खराब हो गई-पुष्पक वाडीवा

पुष्पक वाडीवा ने बताया कि यह वारा टोला से वारासिवनी मार्ग है कायदी ,बनिया टोला, आलेझरी सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र के लोग यहीं से आते जाते हैं। मार्ग की स्थिति बहुत ज्यादा खराब हो गई है ट्रकों के आने जाने से यह परेशानी उत्पन्न हुई है रास्ते में बहुत ज्यादा गड्ढे हैं। बारिश के समय कीचड़ भी हो जा रहा है गढ़ों में पानी भी भर रहा है । अभी बीते दिन ही मेरा दोस्त गड्ढे में मोटरसाइकिल जाने से दुर्घटना मे घायल हो गया। बड़ी गाड़ियां यहां से आती जाती है यह करीब २ किलोमीटर का मार्ग है जो खराब है।

इस मार्ग की जजर्र स्तिथि से आये दिन दुर्घटनायें हो रही है-सुनील उइके

राहगीर सुनील उइके ने बताया कि मैं वार्ड नंबर ४ का रहने वाला हूं हमारे वार्ड के सिद्धिविनायक मंदिर के पास से यह डायवर्ट मार्ग है। नहर के पुलियां से सीधा यह रोड़ बालाघाट के लिए निकलता है यहां पर अधिकांश फोर व्हीलर और बड़े वाहन चलाते हैं। पहले यह रास्ता ग्रामीण क्षेत्र का था जहां ज्यादा ट्रैफिक नहीं था हल्के वाहन के लिए यह रोड़ बनाया गया था पर अभी सभी प्रकार के वाहन आने जाने से सड़क उखड़ रही है। हाईवे जैसा यातायात है सड़क १० फीट चौड़ा है दो गाड़ी आते ही मोटरसाइकिल क्रॉस नहीं होती है। नीचे यदि गाड़ी उतरती है तो ६ से ८ इंच साइड शोल्डर बैठ गए हैं। एक्सीडेंट यहां पर होते रहते हैं १८ दिन पहले एक युवक की यहां कलाई फ्रैक्चर हो गई थी एक दो दिन में एक्सीडेंट यहां निश्चित है।

सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी के तत्वाधान में ८ सितंबर को सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में न्यायाधीश श्रीमती दिव्या सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, वारासिवनी की अध्यक्षता में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त जागरूकता शिविर में उपस्थित छात्र छात्राओं को पास्को अधिनियम यानी लैंगिक अपराधों से बालकों का सरंक्षण अधिनियम के बारे जानकारी देते हुए बताया कि यह अधिनियम बाल यौन शोषण से संबंधित कानून है और आज का यह जागरूकता शिविर बाल यौन शोषण से संबंधित कानूनों से अवगत कराने के लिये आयोजित किया गया है। शिविर में बच्चों को अच्छा और बुरा स्पर्श यानी::गुड टच एण्ड बैड टच की पहचान करना, बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिये उनके अधिकारों के बारे में बताने, और इस संबंध में कानूनी प्रक्रिया की जानकारी दी गई। बच्चों को बताया कि यदि वे विद्यालय में अपने आस पड़ोस में या अपने परिवार में स्वयं को असहज महसूस करते हैं,

तो ऐसी स्थिति के बारे में अपने माता पिता को सर्वप्रथम सूचित करें। साथ ही इस आयोजित शिवर से मिली जानकारी को अपने परिवार और समाज में साझा करें। साथ ही विद्यालय से आते एवं जाते समय मोटरयान संबंधी नियमों को भी ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है। और बताया कि वाहन चलाने के लिये १८ वर्ष की आयु पूर्ण करना आवश्यक है, ड्राइविंग लाइसेंस का होना, एवं वाहन का पंजीकरण एवं बीमा होना आवश्यक है। साथ ही उपस्थित विद्यार्थियों को दाएं-बाएं साइड़ के बारे में जानकारी दी गई। उक्त जागरूकता शिविर में विद्यालय के प्राचार्य राजेन्द्र मिश्राा, शिक्षिका श्रीमती सरिता मिश्रा, श्रीमती नीतू टेंभरे, कु. कीर्ति अटराहे, शारदा चौधरी, दयानंद धुवारे, दीपक टेंभरे, मोहित सोनवाने, स्वास्तिक शर्मा, चांदनी चौहान, पल्लवी चित्रिव, मीना थेर, सीमा राणा, उमंग लिमजे, ऋषभ बिसेन सहित छात्र छात्राओं ने उपस्थित रहकर शिविर का लाभ उठाया।

सिविल अस्पताल का एसडीएम ने किया निरीक्षण

अव्यवस्था में सुधार करने दिए निर्देश

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के शासकीय सिविल अस्पताल का एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के द्वारा ८ सितंबर को निरीक्षण किया गया। इस दौरान एसडीएम के द्वारा अस्पताल के समस्त वार्ड ऑफिस एवं कक्षो का बारीकी से निरीक्षण किया गया। जहां दिख रही अवस्थाओं पर व्यवस्था बनाने अटेंडेंस मशीन लगाने के लिए निर्देश दिए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते दिनों से सिविल अस्पताल में विभिन्न समस्या सामने आ रही थी। ऐसे में एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के द्वारा सोमवार को अचानक सिविल अस्पताल का निरीक्षण किया गया। जहां पर भर्ती वार्ड में कमरों के अलावा बाहर लगाए गए बेड को सुरक्षित अंदर लगाने के लिए निर्देशित किया गया ताकि आने वाले मरीजों को समस्या ना हो। वहीं विभिन्न स्थानों पर रखी सामग्री जैसे बैठने के स्थान के निचे खाली जगह में अव्यवस्थित रूप से पड़ी आईस पैकेट ओआरएस पैकेट एवं अन्य मेडिकल वस्तु को सुरक्षित एक स्थान पर स्टोर रूम में रखने के लिए निर्देशित किया गया। वहीं दोबारा ऐसी अव्यवस्थित वस्तुएं ना रखने कहा इसके अलावा सीड़ी के नीचे रखी मोटरसाइकिल वह अन्य वस्तुओं को हटाने कहा गया। वहीं डॉक्टर और स्टाफके अस्पताल में उपस्थित पर विशेष ध्यान देते हुए अटेंडेंस मशीन लगाने के लिए निर्देश दिया कि बायोमैट्रिक अटेंडेंस के माध्यम से निश्चित हो सके की कौन सा कर्मचारी या डॉक्टर कितने बजे अस्पताल में उपस्थित हो रहा है कितने देर उसके द्वारा सेवा दी जा रही है। होता यह है कि कोई १२ बजे आता है या कोई व्यक्ति किसी दिन नहीं आता है परंतु रजिस्टर में अगले दिन वह उपस्थित दर्शा देता है। इस अव्यवस्था से बचने के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस मशीन लगाई जानी चाहिए। ताकि सभी अपने निर्धारित समय पर अस्पताल में उपस्थित हो सके। इसी के साथ तोड़ी जा रही बिल्डिंग ऑक्सीजन प्लांट ऑपरेशन रूम पूरे परिसर में स्थित लैट्रिन बाथरूम की साफ सफाई किचन एवं अन्य स्थान का भी निरीक्षण कर मिलने वाली कमियों पर सुधार कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही बिल्डिंग में होने वाले कार्यों के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी ली गई।

एसएसपी महाविद्यालय में रेड रन प्रतियोगिता का हुआ अयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नेशनल एड्स कन्ट्रोल ऑर्गनाइजेशन मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल एवं जिला एड्स नियंत्रण समिति बालाघाट के निर्देशानुसार शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय वारासिवनी में संचालित रेड रिबन क्लब के द्वारा एचआईवी एड्स जागरूकता अभियान अंतर्गत रेड रन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम के मार्गदर्शन एवं कृष्णा पराते रेड रिबन क्लब प्रभारी के नेतृत्व तथा एनएसएस एवं रेड रिबल क्लब के सदस्यों के सहयोग से आयोजित किया गया। एचआईवी एड्स जागरूकता अभियान अंतर्गत रेड रन प्रतियोगिता का उद्देश्य एचआईवी ग्रस्त लोगो को उनके अधिकारो ,सूरक्षा एवं समावेशित को बढ़ावा देने तथा उनके साथ हो रहे भेदभाव को समाप्त करने और एचआईवी से बचाव व रोकथाम हेतु समाज एवं युवा वर्ग में जागरूकता लाना है। रेड रिबन क्लब सदस्यों के सहयोग एवं इस प्रतियोगिता के माध्यम से एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता हेतु महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं तथा सामान्य जनों को प्रेरित करने हेतु संकल्प लिया गया। तथा जागरूकता अभियान को डिजिटल प्लेटफ ार्म एवं शोसल मिडिया का उपयोग कर जागरूकता अभियान में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित किये जाने हेतु अभियान में उपस्थित सभी ६२ सदस्यों को प्रेरित किया गया। रेड रन प्रतियोगिता की शुरूआत एचआईवी एड्स से संबंधित नारो के साथ प्रारंभ की गयी जिसमें लगभग ४३ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। रेड रन प्रतियोगिता ८०० मीटर की दौड़ में डिलेश्वरी लिल्हारे बीएससी द्वितीय वर्ष ने प्रथम, श्वाती चिखले बीएससी द्वितीय वर्ष ने द्वितीय एवं वीणा सेवईवार बी ए प्रथम वर्ष की छात्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रेड रन प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता में रविन्द्र पटले, अतुल घोड़ेश्वार, दिपेश उन्दीरवाड़े, विवके मेश्राम, प्रज्ञांश उके, मुस्कान माहुरकर, तनु गौतम, निकिता मेश्राम, रजत सिरसाम, राज शेण्डे उपस्थित रहे।

शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में साक्षरता दिवस मनाया गया

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विकासखंड वारासिवनी अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत ८ सितंबर २०२५ अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया गया तथा साक्षरता रैली निकालकर साक्षरता का संदेश दिया है। साक्षरता दिवस कार्यक्रम में जन शिक्षा केंद्र बुदबुदा के जनशिक्षक रोशनलाल नगपुरे, अरविंद खोब्रागढ़े, सरपंच प्रतिनिधि कैलाश राणा, शिवप्रसाद सोनवाने, एस एम सी अध्यक्ष अनीता पटले ,उपाध्यक्ष गणेश बिसेन, नवसाक्षर गंगाराम कटरे, धनवंता पटले,चुनवंता कटरे , भूमेश्वरी पटले, माया कटरे, रजनीकांत बर्मन, लक्ष्मी बिसेन, सुनीता बर्मन, रूपसिंह उइके,धन्नालाल बिसेन सहित स्कूली छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन कर रहे शिक्षक धन्नालाल बिसेन ने साक्षरता दिवस के अवसर पर साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डिजिटल साक्षरता हेतु प्रयास करने की बात कही। स्कूली छात्र छात्राओं को भी इस हेतु प्रेरित किया गया। जन शिक्षक रोशनलाल नगपुरे ने कहा कि अक्षर साथी का कार्य एक पुनीत कार्य है जिसका कोई मोल नहीं होता। हम सभी को इस कार्य में यथासंभव सहयोग करना चाहिए।

एकीकृत शासकीय सालेटेका में मनाया गया शिक्षक दिवस

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शिक्षक दिवस के अवसर पर एकीकृत शाला सालेटेका में छात्र छात्राओं के द्वारा शाला के शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम शाला के प्रधान पाठक सी के मेश्राम के द्वारा शिक्षक से देश के प्रथम नागरिक और राष्ट्रपति जैसे पद तक पहुंचने वाले डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की छाया चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान शाला के बच्चों द्वारा मंच संचालन किया गया और सभी शिक्षक,शिक्षिकाओं को श्रीफल, पेन देकर सम्मानित किया गया। तत् पश्चात प्रधान पाठक के द्वारा शिक्षक दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बच्चों सहित सभी के जीवन में किस प्रकार गुरु और शिक्षक की भूमिका होती है इसके बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान बारी बारी से सभी शिक्षकों के द्वारा बच्चों को संबोधित किया गया। मंचीय कार्यक्रम पश्चात स्वल्पाहार और प्रसादी वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

समस्त मंगलों का मूल है 15 दिवसीय श्राद्ध पक्ष

वंशजों और पूर्वजों को मिलता है सभी बाधाओं से छुटकारा, अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का भाव रखने वाले वंशजों के लिए यह एक शुभ समाचार ही है, कि आश्विन माह कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के साथ ही पितृपक्ष की शुरुआत होने जा रही है। जाहिर है प्रतिपदा से लेकर सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या तक पूरे 15 दिन का यह महोत्सव आस्था का महापर्व है। कुछ लोग इस पखवाड़े को अशुभ बताते हैं, इस तर्क के साथ कि इन दिनों कोई शुभ कार्य करना ही नहीं चाहिए अथवा शुभ कार्य नहीं किया जाता। यहां एक बात जानने योग्य है, वह यह कि किसी भी ग्रंथ में यह नहीं लिखा है कि कनागतों में शुभ कार्य वर्जित हैं या फिर यह पक्ष अशुभकारी है। बल्कि वर्तमान पीढ़ी से अपेक्षा यह की गई है कि कम से कम इन 15 दिनों तक तो हम अपने पितरों के प्रति समर्पित बने रहें । यही वह विचार है जो स्थापित करता है कि काम धंधे और अन्य लाभ हानि के प्रसंग तो साल भर चलते ही रहेंगे। लेकिन पितरों के हिस्से में तो साल के केवल 15 दिन ही आते हैं। अत: इन दिनों उनके प्रति समर्पित रहें।यही वजह है कि अन्य कार्यों की अपेक्षा आस्थावान लोग श्राद्ध पक्ष में पितरों के पिंडदान, तर्पण, दान पुण्य आदि कार्यों में संलग्न रहना ही उपयुक्त समझते हैं। यह इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि हमारे धार्मिक ग्रंथो के अनुसार इन 15 दिनों तक पितरों को मृत्यु लोक में आवागमन की छूट रहती है। यह इस ईश्वरीय सुविधा का लाभ उठाते हुए अपने वंशजों के बीच पहुंचते हैं तथा अपेक्षा करते हैं कि वह पितरों के निमित्त दान पुण्य करें, भूखों को भोजन कराएं, पिंडदान एवं तर्पण जैसे कार्यों को प्राथमिकता दें। यह अपेक्षा इसलिए भी रहती है, क्योंकि इस दौरान वंशजों द्वारा जो त्याग किया जाता है, वह पितरों को आगामी ऊर्जा के रूप में उपलब्ध बना रहता है। इस प्रकार वे पूर्वज जिन्हें कोई देह नहीं मिली है और नरक, स्वर्ग, मृत्यु लोक से विलग हैं तथा पितृ लोक में स्थान पाए हुए हैं। वे साल भर संतुष्ट रहते हैं। ऐसा होने पर पितरों का आशीर्वाद वंशजों को प्राप्त होता है। फल स्वरुप वर्तमान पीढ़ी के सभी प्रकार के पितृ दोष नष्ट हो जाते हैं। इसके जो परिणाम देखने को मिलते हैं वह इस सत्य को प्रतिपादित भी करते हैं कि पूर्वजों को नियमित पानी देने वाले वंशज दैविक एवं पैशाचिक बाधाओं से उबरने लगे हैं। हिंदू धर्म में एक भ्रामक जानकारी यह भी है कि पितरों का श्राद्ध कर्म केवल पुरुष वंशजों द्वारा ही किया जा सकता है। यह धारणा पूरी तरह से गलत है। इसका प्रमाण त्रेता युग में सीता जी द्वारा अपने पिता राजा श्री शीलध्वज यानि कि जनक जी का पिंडदान करने के प्रसंग से मिलता है। ग्रंथ बताते हैं कि धर्म ने पुत्री सीता द्वारा दिए गए पिंडदान को इतना महत्व दिया कि स्वयं राजा जनक को पिंड प्राप्त करने सीता जी के समक्ष सशरीर उपस्थित होना पड़ गया। श्राद्ध एवं पितृ पूजन कितना जरूरी है यह भी जानने योग्य है। दानवीर कर्ण को मृत्यु उपरांत मोक्ष की प्राप्ति केवल इसलिए नहीं हुई, क्योंकि उन्होंने कभी भी अपने पूर्वजों का तर्पण किया ही नहीं था। किंतु पुण्यों का प्रारब्ध अर्जित था, इसलिए पुन: मृत्यु लोक में आने की पात्रता मिली। इन्हीं श्राद्ध पक्ष के दौरान दानवीर कर्ण पृथ्वी पर आए और पूरे 15 दिनों तक अपने समस्त पूर्वजों के सम्मुख हुए। उन्होंने अपने श्रम से अर्जित धन-धान्य से पूर्वजों के नाम पर दान पुण्य किए। इससे पितृ लोक में मौजूद पूर्वज प्रसन्न हुए। उनके आशीर्वाद प्राप्त होने पर कर्ण को मोक्ष प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त हो पाया। इन प्रसंगों से हम सीख सकते हैं कि आश्विन माह के कृष्ण पक्ष में प्रत्यक्ष रहने वाले श्राद्ध पक्ष हर दृष्टि से मंगलो के मूल ही हैं। इन्हें किसी भी हाल में अशुभ नहीं माना जाना चाहिए। जो भी वंशज इस दौरान श्रद्धा भाव के साथ अपने पितृ लोक में स्थापित पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का भाव रखते हैं, उन्हें जल एवं भोज्य पदार्थ अर्पण करते हैं, भूखों को भोजन कराते हैं, श्रेष्ठ और पात्र ब्राह्मणों को दान देते हैं, वे पितरों का आशीर्वाद पाते हैं। इससे पितरों को तो ऊर्जा प्राप्त होती ही है, स्वयं आस्थावान वंशजों को सभी प्रकार की दैविक और पैशाचिक बाधाओं से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाती है।

जीएसटी को कम करने से देश की प्रगति रूक सकती है

आज सभी जी एस टी को कम करने से बहुत से लोग तारीफों के पूल बांध रहें हैं लेकिन ऐ देश की प्रगति को धीमा कर सकता है टैक्स को कर कहते हैं जो राष्ट्र के निर्माण में बेहतर करने के लिए रक्षा,शिक्षा, कृषि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अनुसंधान व विकास, स्वच्छता पिने के पानी को उपलब्ध कराने व खाने पिने के चिजों पर सब्सिडी उपलब्ध कराने बाल कल्याण योजनाओं को चलाने व अन्य सामरिक संस्थानों को मदद करने के लिए आपदाओं से निपटने व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योजनाओं को चलाने के लिए तरह-तरह के कर लगातीं हैं। कर प्राय- धन (money) के रूप में लगाया जाता है किन्तु यह धन के तुल्य श्रम के रूप में भी लगाया जा सकता है। कर दो तरह के हो सकते हैं - प्रत्यक्ष कर (direct ta&) प्रत्यक्ष कर (indirect ta&)। प्रत्यक्ष कर वह कर यानि टैक्स है जो सीधे उन लोगों से एकत्र किया जाता है जो इनकम टैक्स के दायरे में आते हैं, जैसे कि आयकर, संपत्ति कर, संपत्ति कर आदि, जबकि एक अप्रत्यक्ष कर वह होता है जिसे आप जब भी कुछ सामान खरीदते हैं या कुछ सेवाओं का उपयोग करते हैं तो आप भुगतान करते हैं। अप्रत्यक्ष करों में मूल्य वर्धित कर (वैट), बिक्री कर, सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क आदि शामिल हो सकते हैंएक तरफ इसे जनता पर बोझ के रूप में देखा जा सकता है वहीं इसे सरकार को चलाने के लिये आधारभूत आवश्यकता के रूप में भी समझा जा सकता है।जीएसटी आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है, सरकारी राजस्व बढ़ाता है और निर्माताओं पर कर का बोझ कम करता है, उत्पादन क्षमता को प्रोत्साहित करता है और भारत की राजकोषीय स्थिति को लगातार मजबूत करता है और अप्रत्यक्ष कराधान को अधिक कुशल और पारदर्शी बनाता है। 2024-25 में, जीएसटी ने 22.08 लाख करोड़ का अपना अब तक का उच्चतम सकल संग्रह दर्ज किया, जो

साल-दर-साल 9.4 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। औसत मासिक संग्रह 1.84 लाख करोड़ रहा। वित्तीय वर्ष (FY) 2025-26 के लिए भारत का रक्षा बजट 6,81,210.27 करोड़ है, जो पिछले वर्ष से 9.5प्रतिशत की वृद्धि है, जिसका उद्देश्य सैन्य आधुनिकीकरण को बढ़ाना, घरेलू रक्षा उत्पादन को मजबूत करना और एक आत्मनिर्भर राष्ट्र का समर्थन करना है। इस आवंटन में पूंजी अधिग्रहण और आधुनिकीकरण के लिए महत्वपूर्ण धनराशि शामिल है, जिसमें आधुनिकीकरण बजट का 75प्रति. घरेलू खरीद के लिए निर्धारित है।अत: अत: आज जीडीपी को सुधारने व इकोनॉमी को पटरी पर लाने के जरुरी है सरकार के पास पैसा हो जो देश के विकास के लिए कारोबारियों से टैक्स के रुप में प्राप्त करती है वो देश की प्रगति हेतु लिया जाता है जिससे सेना का बजट,विज्ञान और टेक्नोलॉजी के विकास, गरीबों को राशन, स्वास्थ्य, बीमा, रोजगार और महिलाओ की आर्थिक स्थिति को सुधारने में लगाती है आज रक्षा अंतरिक्ष, विज्ञान और टेक्नोलॉजी में देश आत्मनिर्भर हो रहा है इसके लिए कर का महत्वपूर्ण योगदान है अत: जी एस टी को कम करना देशहित में नहीं है देश के प्रगति रक्षा और गरीबों के कल्याण हेतु कर को कम करना उचित नहीं है.कर करदाता द्वारा किया जाने वाला ऐसा अनिवार्य अंशदान है जो कि रक्षा व सामाजिक उद्देश्य जैसे आय व संपत्ति की असमानता को कम करके नए युवकों को रोजगार प्राप्त करने में सहायक होता है तथा आर्थिक स्थिरता व वृद्धि प्राप्त करने में भी सहायक होता है।वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक प्रकार का अप्रत्यक्ष कर है जो 1 जुलाई 2017 से पहले भारत में प्रचलित कई अप्रत्यक्ष करों, जैसे वैट, सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, मनोरंजन कर, चुंगी आदि का जोड़ है। यह एक व्यापक, बहुस्तरीय-आधारित कर है- व्यापक इसलिए क्योंकि इसमें कुछ राज्य करों को छोड़कर लगभग सभी अप्रत्यक्ष कर समाहित हो गए हैं। बहुस्तरीय होने के कारण, जीएसटी उत्पादन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण पर लगाया जाता है, लेकिन इसका उद्देश्य अंतिम उपभोक्ता के अलावा उत्पादन के विभिन्न चरणों में सभी पक्षों को वापस करना है और एक गंतव्य-आधारित कर के रूप में, इसे उपभोग के बिंदु से एकत्र किया जाता है, न कि पिछले करों की तरह उत्पत्ति के बिंदु से।

कर संग्रह के लिए वस्तुओं और सेवाओं को पाँच अलग-अलग कर स्लैब में विभाजित किया गया है- 0प्रति., 5प्रति., 18प्रति. और 40प्रति.। हालाँकि, पेट्रोलियम उत्पादों, मादक पेय पदार्थों और बिजली पर जीएसटी के तहत कर नहीं लगाया जाता है और इसके बजाय पिछली कर प्रणाली के अनुसार, अलग-अलग राज्य सरकारों द्वारा अलग से कर लगाया जाता है। कच्चे कीमती और अर्ध-कीमती पत्थरों पर 0.25प्रति. और सोने पर 3प्रति. की विशेष दर है। इसके अलावा 28प्रति. जीएसटी के ऊपर 22प्रति. का उपकर या अन्य दरें कई वस्तुओं जैसे वातित पेय, लक्जरी कारों और तंबाकू उत्पादों पर लागू होती हैं।जीएसटी से पहले, अधिकांश वस्तुओं के लिए वैधानिक कर की दर लगभग 26.5प्रति. थी; जीएसटी के बाद, अधिकांश वस्तुओं के 18प्रति. कर के दायरे में रहने की उम्मीद है समय के अनुसार जीएसटी को बढ़ना चाहिए क्योंकि इन्फेलुएशन के कारण समय बढ़ने से पैसा का इंट्रेस्ट यानि व्याज बढ़ता है अत: जीएसटी को स्थिर रखा जा सकता है लेकिन कम करना सरकारी खजाना में कमी होगा और देश के विकास के लिए कर बहुत जरुरी है।

-संजय गोस्वामी

भारत खूबसूरत मानवीय बोलियों, भाषाओं का एक विश्वप्रसिद्ध अभूतपूर्व संगम

भारत माता की गोद में एक से बढ़कर एक अनेक ऐसी खू़बसूरत उपलब्धियां, हजारों वर्ष पूर्व से उपलब्ध है जिनकी अणखुट संरचना, प्राकृतिक खू़बसूरती, विशाल भारतीय संस्कृति, भारतीय भाषाओं के साहित्यग्रंथों सहित अनेक अपार क्षमता वाली बौद्धिक संपदा का विशाल भंडार देख संपूर्ण विश्व हैरान था जिस पर नज़र लग गई थी जिससे हजारों वर्षो की गुलामी से आजादी के बाद 1947 में भारत का विभाजन हुआ। साथियों फि़र भी हम अपनी मेहनत, लगन से फिर अपनी ताकत, ज़ाज़्बे और जांबाज़ी के साथ वैश्विक पटल पर प्रमुख हस्ती के रूप में अपने हर क्षेत्र की समृद्धि व ताकत के आगाज़ के साथ वैश्विक पटल पर अहम स्थान रखते हैं, जिसे देखकर विश्व की नजरें फिर भारत की ओर आकस्मिकता से देश भारत का लोहा मान रही है। आज भारत उस स्थिति में है जहां भारत की ओर नज़र लगाने वाले को हज़ार बार सोचना पड़ेगा!! यह है हमारा आज का भारत साथियों बात अगर हम अपनी संस्कृति, विशाल मातृभाषा और भारतीय भाषाओं के साहित्यग्रंथों की करें तो यह हमारी पहचान है। यूं तो भारत में बावीस भाषाओं को संविधान में मान्यता दी गई है परंतु पूरे भारत की बात करें तो यहां भाषाएं व उपभाषाएं हजारों की संख्या में होंगी, जिसकी रक्षा करना और विलुप्तता से बचाने की ज़वाबदारी हमारे आज के युवाओं के ऊपर है क्योंकि आज हमारे देश की 68 प्रतिशत आबादी युवा है और इस युवा भारत के युवाओं को ही हमारी संस्कृति, भाषाओं को जीवित रखना है। इसलिए हमें अपनी मातृभाषा को महत्व देना होगा और अपने समाज, घर, क्षेत्र में अपनी मातृभाषा में बात करना होगा ताकि उसे हम विलुप्तता से बचा सके!!! आज इसकी ज़रूरत इसलिए पड़ गई है, क्योंकि आज के बदलते परिवेश में हमारे देश में पाश्चात्य संस्कृति का प्रचलन कुछ तेज़ी से बढ़ रहा है। खासकर के युवाओं में इसका क्रेज अधिक महसूस किया जा रहा है जो बड़े शहरों से होकर अब हमारे छोटे शहरों गांवों में भी फैलने की संभावना बढ़ गई है। जिसका संज्ञान बुजुर्गों को लेना होगा और युवाओं को अपनी मातृभाषा में बोलने, संस्कृति, साहित्यग्रंथों, भाषाओं की तरफ ध्यान आकर्षित कराकर उन्हें इसके लिए प्रोत्साहन देना होगा ताकि भारतीय धरोहर को विलुप्तता से बचाया जा सके। हमने इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के माध्यम से कई बार देखा, पड़ा, वह सुना है कि हमारे माननीय उपराष्ट्रपति का संज्ञान इस भाषाई क्षेत्र की ओर बहुत अधिक है!! और हर मौके पर इस दिशा में सुझाव, मार्गदर्शन, अपील, प्रोत्साहन देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते जो काबिले तारीफ है साथियों बात अगर हम माननीय उपराष्ट्रपति की दिनांक 12 दिसंबर 2021 को एक विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस समारोह को संबोधन करने की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने इस संबंध में विश्वाविद्यालयों से भारतीय भाषाओं में उन्नत अनुसंधान करने तथा भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली में सुधार लाने का सुझाव लाने की अपील की, जिससे कि उनकी व्यापक पहुंच तथा शिक्षा क्षेत्र में उपयोग को सुगम बनाया जा सके। उन्होंने ने आज विभिन्न् भारतीय भाषाओं में साहित्यिक ग्रंथों के अनुवादों की संख्यान बढ़ाने के लिए सक्रिय तथा ठोस प्रयासों की अपील की। इस संबंध में उन्होंने क्षेत्रीय भारतीय साहित्यं की समृद्ध धरोहर को लोगों की मातृभाषाओं में सुलभ कराने के लिए अनुवाद में प्रौद्योगिकीय उन्नसति का लाभ उठाने का सुझाव दिया। यह देखते हुए कि भूमंडलीकरण का व्या पक प्रभाव है, उपराष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि युवा अपनी सांस्कृतिक विरासत से संपर्क बनाए रखे। पहचान बनाने तथा युवाओं में आत्मविश्वास को बढ़ावा देने में भाषा के महत्व को देखते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी मातृभाषा में बोलने में गर्व का अनुभव करना चाहिए। बाद में, उन्होंने भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा विश्वविद्यालय में आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत की चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। आगन्तुक पुस्तिका में लिखने के दौरान उन्होंने तेलंगाना और हरियाणा के जोड़ीदार राज्यों की संस्कृति को प्रदर्शित करने में आयोजकों के प्रयासों की सराहना की।

लोगों को प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए प्रोत्सा ?हित करते हुए उन्होंने लिखा कि ऐसी पहलें जोड़ीदार राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रचारित करने तथा लोगों के बीच आपसी संपर्कों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का लक्ष्यग भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना तथा बच्चों की मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा को प्रोत्साकहित करना है। उन्होंने कहा कि अनिवार्य रूप से उच्च तर शिक्षा तथा तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए भी शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होनी चाहिए। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत से संपर्क बनाए रखना अत्यंत ज़रूरी है उनको अपनी मातृभाषा में बोलने पर गर्व का अनुभव होना चाहिए तथा भारत खू़बसूरत मानवीय बोलियों, भाषाओं का विश्वप्रसिद्ध संगम है जिसे संजोकर रखने का हर भारतीय नागरिक का कर्तव्य है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

पंजाब जल प्रलय - दुनिया के मददगारों को आज मदद की दरकार

भारत का अन्न भंडार कहा जाने वाला देश की खाद्य आपूर्ति के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य पंजाब इन दिनों जल प्रलय जैसे अति गंभीर संकट से जूझ रहा है। कुछ स्रोतों के अनुसार राष्ट्रीय खाद्य भंडार में पंजाब लगभग 45प्रति. अनाज का योगदान करता है। इसमें देश के गेहूं उत्पादन में लगभग 22प्रति. और चावल उत्पादन में लगभग 12प्रति. का योगदान शामिल है। इसीलिए पंजाब देश की खाद्य आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। इसके अलावा इसी पंजाब का किसान भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में जरूरतमंदों की हर तरह की मदद करने के लिये पहली पंक्ति में खड़ा नजर आता है। चाहे वह युद्ध की विभीषिका से जूझने वाले लोग हों या भूकंप,सुनामी अथवा बाढ़ से प्रभावित लोग,शरणर्थियों की मदद करनी हो या कोरोना जैसे विश्वस्तरीय संकटकाल में लोगों को मुफ्त भोजन व अन्य सुविधायें उपलब्ध कराना हो, पंजाब की यह कौम हमेशा सबसे आगे खड़ी नजर आई है। न यह धर्म देखते हैं न देश, न सीमा न जाति या भाषा। इन्हें प्रत्येक मानव की पीड़ा अपनी पीड़ा महसूस होती है और यह कौम तन मन धन से एकजुट होकर मदद करने को खड़ी हो जाती है। आज पूरे देश में न जाने कितने गुरुद्वारे दिन रत जरूरतमंदों को लंगर उपलब्ध कराते हैं। देश बार में स्वास्थ्य सम्बन्धी दर्जनों प्रयोगशालाएं व अस्पताल इनके सौजन्य से संचालित हो रहे हैं।

दुर्भाग्यवश आज हमारे देश का यही पंजाब प्राकृतिक प्रकोप से जूझ रहा है। इन दिनों जम्मू कश्मीर,हिमाचल प्रदेश व उत्तरांचल सहित केवल पंजाब में आई भीषण बाढ़ से राज्य के सभी 23 जिले प्रभावित हैं। राज्य में अब तक दर्जनों लोगों की मौत या उनके लापता होने के समाचार हैं। इस जल प्रलय से पंजाब के लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। करीब 2000 गांव जलमग्न हो गए हैं। अनुमान के अनुसार बाढ़ ने लगभग 18 लाख हेक्टेयर खेतों की फसलें बर्बाद कर दी हैं। बासमती फसल को तो भारी नुकसान हुआ है। अभी तक 600 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। सरकारी व अनेक गैर सरकारी स्वयंसेवी संगठनों द्वारा राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रह है। हजारों बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित जगहों पर या राहत शिविरों में पहुँचाया जा चुका है।

इसी दौरान शौर्य समर्पण व बलिदान की इस धरती से बड़े ही ह्रदय विदारक दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हजारों गायें भैंसें तेज बहाव में बहकर लापता हो गई हैं। पूरी पूरी डेयरियां जल प्रलय का शिकार हो गयी हैं। लोगों के खेतों में वर्तमान फसल तो बर्बाद हुई ही है परन्तु ऐसी संभावना भी है कि खेतों में रेत की मोटी परत बैठ जाने के चलते अनिश्चितकाल के लिये इन खेतों की अपनी उर्वरक क्षमता भी समाप्त हो जाएगी। गोया इस जल प्रलय के चलते आने वाले वर्षों में देश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होने की संभावना है।

बहरहाल आज पीड़ा की इस घड़ी में पंजाब के किसानों के साथ पूरा देश खड़ा दिखाई दे रहा है। अक्षय कुमार,दिलजीत दोसांझ,रणदीप हुड्डा,सोनू सूद,प्रीटी जिंटा,करीना कपूर,विक्की कौशल,एमी विर्क,राज कुंद्रा,गुरु रंधावा,गिप्पी ग्रेवाल,करण औजला,सुनंदा शर्मा,शाहरुख खान , आलिया भट्ट, करण जौहर,हरभजन सिंह,मनकीरत औलख,बब्बू मान, रणजीत बावा,सोनम बाजवा ,संजय दत्त,अजय देवगन, कपिल शर्मा, बादशाह, सिद्धार्थ मल्होत्रा व अनन्या पांडे जैसे अनेक फिल्म व कला जगत से जुड़े लोगों ने बढ़चढ़कर या तो भारी भरकम रकम दान की है या पीड़ितों के लिये राहत शिविर स्थापित किये हैं,एम्बुलेंस दान की हैं अथवा उनके साथ अपना समर्थन व्यक्त किया है। इसी तरह मदरसा हजीनत उलूम,नारायणगढ़ मदरसा जमीयतुल उलूम, मेवात के मुस्लिम समुदाय के लोग व दर्जनों मस्जिदों से राहत भरे ट्रक पंजाब की ओर भेजे जा रहे हैं। ईरान ने भी भारत के पंजाब में आई भीषण बाढ़ पर गहरा दुख व्यक्त किया है। ईरान के भारत स्थित दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक संदेश में कहा कि पंजाब में आई बाढ़ से हुए व्यापक नुकसान और दर्द को देखकर मन दुखी है। दूतावास ने प्रभावित लोगों और राहत कार्यों में लगे सभी के लिए प्रार्थनाएं कीं तथा भगवान से सभी की रक्षा और आशीर्वाद की कामना की। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई की ओर से भी पंजाब के बाढ़ पीडितों की हिफाजत और सलामती के लिए दुआएं भेजी गई हैं। ईरान के इस बयान की सोशल मीडिया पर काफी सराहना की गयी है।

आज पूरे देश के हर वर्ग व हर धर्म का व्यक्ति पंजाब के इन किसानों के साथ इसीलिये खड़ा है क्योंकि गुरुनानक देव जी महाराज द्वारा किये गये सच्चा सौदा के संस्कारों में परवरिश पाने वाला पंजाब का यह किसान भी बुरे वक्त में पूरी दुनिया के साथ दुर्गम से दुर्गम परिस्थितियों में भी हमेशा खड़ा दिखाई दिया है। जहां कहीं धर्म देश या जाति देखकर लोगों की सहायता करने वाले संकीर्ण सोच के लोग मुसीबत में खड़े नहीं होते वहीँ पंजाब का यह समुदाय केवल मानवता को मद्देनजर रखकर हमेशा हर जगह हर एक पीड़ित के साथ खड़ा दिखाई दिया है। संकट की इस घड़ी में देश के कारपोरेट घरानों व उद्योगपतियों को भी खुलकर सामने आना चाहिये। देश के उन बड़े बड़े मठों व धर्मस्थलों को भी मदद के हाथ पंजाब के जल प्रलय प्रभावित लोगों की ओर बढ़ाना चाहिये जिनके भण्डार अकूत सोने चांदी व धन सम्पदा से भरे पड़े हैं। देश के धनाढ्य कथावाचकों व धर्माधिकारियों को भी खुलकर सामने आना चाहिये। देश की बड़ी दरगाहों व जमाअतों को भी संकट में पंजाब के साथ खड़े होना चाहिये। बेशक प्रकृतिक प्रकोप के चलते दुनिया के इन मददगारों को भी आज वख़्ती तौर पर मदद की दरकार जरूर है परन्तु विश्वास है कि मानवता व भाईचारे की मिसाल पेश करने व संकट में सबके साथ खड़ी नजर आने वाली यह कौम जल्द ही इस संकट से भी उबार जाएगी।

-तनवीर जाफरी

36000 करोड़ का मुनाफा कमाया ओएनजीसी ने

मुंबई। आयल एवं नेचुरल गैस के खनन रिफाइनरी और निर्यात के कारोबार में ओएनजीसी ने 36226 करोड रुपए की कमाई की है। यह कमाई 2021-22 की तुलना में कम है। 2024-25 में कंपनी का मुनाफा 26 फ़ीसदी कम हुआ है। उसके बाद भी कंपनी ने 36000 करोड़ की कमाई की है। ओएनजीसी के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह के अनुसार रूस से सस्ती दरों में तेल आयात किया जा रहा है। ओएनजीसी कच्चा तेल खरीदकर सहायक कंपनियां मंगलौर रिफायनरी एंड केमिकल और हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन के माध्यम से कारोबार कर रही है। 14 अगस्त 1956 को कंपनी की स्थापना हुई थी। यह सरकारी क्षेत्र की कंपनी है। कच्चे तेल के उत्पादन में लगभग 71 फ़ीसदी की हिस्सेदारी इसी कंपनी की है। प्राकृतिक गैस का भी 70 से 84 फीसदी तक उत्पादन कंपनी कर रही है। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में यह 3 लाख करोड रुपए मार्केट कैप वाली कंपनी है। 15 देश में इस कंपनी का कारोबार है।इस कंपनी में 26000 लोगों की टीम काम कर रही है।ओएनजीसी का शेयर 234 रुपए पर कारोबार कर रहा है। 52 हफ्तों का यह सबसे निचला स्तर है। रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान इस कंपनी का कारोबार तेजी के साथ बढा है। भारत की महारत्न कंपनियों की सूची में यह शामिल है।

सीमेंट उत्पादन में मध्य प्रदेश अव्वल, निर्यात में गुजरात आगे

मुंबई। सीमेंट उत्पादन में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्य है। मध्य प्रदेश में 80 एमटीपीए सीमेंट का उत्पादन होता है। इसके बाद राजस्थान में 74 आंध्र प्रदेश में 70 कर्नाटक में 60 गुजरात में 55 एमटीपीए सीमेंट का उत्पादन होता है। सीमेंट निर्यात के मामले में गुजरात अग्रणी राज्य है। यहां से 10 एमटीपीए सीमेंट का निर्यात तथा मध्य प्रदेश से 8 एमटीपीए सीमेंट का निर्यात विदेश में किया जाता है। गुजरात में पोर्ट होने से सीमेंट निर्यात में गुजरात को फायदा होता है। मध्य प्रदेश में कोई पोर्ट ना होने के कारण उत्पादन ज्यादा होने के बाद भी निर्यात कम होता है। राजस्थान से 6 आंध्र प्रदेश से 7 तथा कर्नाटक से 5 एमटीपीए सीमेंट का निर्यात विदेशों में किया जा रहा है। निर्यात के कारोबार में अंबुजा, सांघी,अल्ट्राटेक एसीसी, जेके सीमेंट डालमिया इत्यादि कंपनियों की भागीदारी सबसे ज्यादा है।

खाद्य मंत्री राष्ट्रीय परीक्षण शाला द्वारा अनुशंसित ड्रोन प्रमाणपत्र प्रदान करेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी 10 सितंबर, को दिल्ली में गाजियाबाद स्थित राष्ट्रीय परीक्षण शाला (एनटीएच) द्वारा अनुशंसित डीजीसीए-अनुमोदित ड्रोन टाइप प्रमाणपत्र प्रदान करेंगे। मानवरहित विमान प्रणालियों (यूएएस) के लिए प्रमाणन योजना के एक भाग के रूप में, एनटीएच (एनआर), गाजियाबाद को भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) द्वारा ड्रोन के प्रकार प्रमाणन हेतु एक प्रमाणन निकाय के रूप में अनंतिम रूप से अनुमोदित किया है। यह उपलब्धि ड्रोन नियम 2021 के तहत भारत सरकार के एक मजबूत, सुरक्षित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी ड्रोन इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस जिम्मेदारी को निभाते हुए, एनटीएच (एनआर) ने भारतीय ड्रोन निर्माताओं के 50 से ज़्यादा आवेदनों पर उनके मॉडलों के प्रकार प्रमाणन के लिए कार्रवाई की है। एनटीएच द्वारा अनुशंसित दो ड्रोन मॉडलों को डीजीसीए से प्रकार प्रमाणन प्राप्त हुआ है, जो देश के ड्रोन उद्योग में सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता के मानकों को मज़बूत करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नेशनल टेस्ट हाउस, उद्योग जगत में सबसे कम, 4.2 लाख रुपये के बेहद प्रतिस्पर्धी शुल्क पर ड्रोन प्रमाणन सेवाएं प्रदान कर रहा है। यह किफायती व्यवस्था, देश के ड्रोन क्षेत्र में नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए एनटीएच की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एक विश्वसनीय सरकारी संस्था से प्रमाणन प्रदान करके, एनटीएच भारतीय ड्रोन निर्माताओं को घरेलू और वैश्विक स्तर पर अपने उत्पादों का विपणन करने में भी मदद कर रहा है।

स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत पर ध्यान देना जरूरी- उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज 56वें ईईपीसी इंडिया राष्ट्रीय पुरस्कारों को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक स्थिति में चाहे कितनी भी बड़ी समस्या क्यों न आ जाए, भारत एक राष्ट्र के रूप में एकजुट है। उन्होंने कहा कि देश में किसी भी संकट से उबरने की क्षमता है। गोयल ने इस बात पर भी जोर दिया कि व्यवसायों को स्वदेशी उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, क्योंकि इससे न केवल भारत के विकास में मदद मिलेगी, बल्कि देश की वित्तीय सुरक्षा भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि, हाल ही में यह देखा गया है कि कोई भी देश निर्यात नियंत्रण लगा सकता है या महत्वपूर्ण उत्पादों को भारत पहुंचने से रोक सकता है, जिससे व्यवसायों के लिए बाधाएं पैदा हो सकती हैं। इसलिए आत्मनिर्भर भारत पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सभी को इस आह्वान को स्वीकार करना चाहिए। गोयल ने यह भी याद दिलाया कि 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवाचार के महत्व पर जोर देते हुए स्वदेशी उत्पादों का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि भारत के 1.4 अरब लोगों, व्यवसायों और व्यापार को मेड इन इंडिया उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया है कि जो व्यवसाय आयात पर निर्भर हैं, वे ऐसे उत्पादों पर विचार कर सकते हैं जिन्हें भारत में ही खरीदा और बनाया जा सकता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने भारत के इंजीनियरिंग निर्यात और पिछले दशकों में उनकी प्रगति के बारे में बात की। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाने में निर्यात के महत्व पर जोर दिया। गोयल ने जोर दिया कि भारत की मजबूती व्यापार और एमएसएमई क्षेत्र पर निर्भर करती है, जो देश के व्यवसायों की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि भारत का आत्मविश्वास इतना मजबूत है कि यह और मजबूत होता जाएगा और किसी के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने कहा कि 1955 में निर्यात 1 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, जबकि आज यह 116 अरब अमेरिकी डॉलर है। समय के साथ इंजीनियरिंग क्षेत्र बड़े लक्ष्यों और ज़्यादा मजबूती के साथ और आगे बढ़ेगा।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए चुनौतियों से भरा रहने वाला है। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आपका मन इधर-उधर के कामों में लगेगा, लेकिन फिर भी आप अपने कामों पर फोकस बनाने की पूरी कोशिश करेंगे। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात होगी और आप किसी की कोई बात बहुत ही सोच समझकर बोले, क्योंकि आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान-सम्मान दिलवाएगी। आपके आपसी रिश्ते बेहतर रहेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। आपको अपने नौकरी से संबंधित कामों को कल पर टालने से बचना होगा। आप अपनी माताजी से काम को लेकर कोई सलाह मशवरा कर सकते हैं। भाई-बहन को आप कहीं बाहर लेकर जा सकते हैं। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोगों इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आपको अपने जीवनसाथी की फरमाइश पर उनके लिए कुछ नए कपड़े, ज्वेलरी आदि के खरीदारी भी कर सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको अपनी कार्यशैली में सुधार लाना होगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको किसी पुराने लेनदेन से छुटकारा मिलेगा। किसी नए काम की आप शुरुआत कर सकते हैं, जिसके लिए आपको कोई लोन भी आसानी से मिल जाएगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको अपने खर्चों को कंट्रोल करने की आवश्यकता है। आप परिवार में किसी सदस्यों की बात को लेकर परेशान रहेंगे। नौकरी में बदलाव की आप योजना बना सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। आपको किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचना होगा। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई-लिखाई में कम लगेगा, जिससे बाद में समस्या शुरू हो जाएंगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको जरूरत के हिसाब से काम करना बेहतर रहेगा। काम को लेकर कुछ नई समस्याएं सामने आएंगी। आपको कार्यक्षेत्र में सीनियरों पूरा साथ मिलेगा। आप बिजनेस में कुछ नई चीजों को भी शामिल कर सकते हैं और आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा, जिससे आप किसी कठिन से कठिन काम को भी आसानी से पूरा कर सकेंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बढ़िया रहने वाला है। आपके घर किसी नन्हे मेहमान का आगमन हो सकता है। आपका धन यदि कहीं डूबा हुआ था, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है। आप किसी से कोई बात बहुत ही सोच समझकर बोले। तकनीकी समस्याओं के कारण आप थोड़ा टेंशन में आ सकते हैं। आप जीवनसाथी को कहीं घूमाने-फिराने लेकर जा सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए कामों में सफलता लेकर आने वाला है, लेकिन शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को थोड़ा सावधान रहना होगा, क्योंकि वह किसी गलत जगह इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं। आपकी किसी नए वाहन खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है। भाई-बहनों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपको अपने काम को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। आपको अपनी आय को बढ़ाने के सोर्स पर पूरा ध्यान देंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है और आर्थिक दृष्टिकोण से भी दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आप अपने बिजनेस को लेकर यदि कुछ परेशान चल रहे थे, तो काफी वह समस्या भी दूर होगी। आप किसी से पार्टनरशिप में पड़ सकते हैं। आपको यदि किसी काम को लेकर कोई समस्या है, तो उसके लिए आप अपने सीनियर से बातचीत अवश्य करें। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए अच्छी सफलता लेकर आने वाला है। सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोगों को अपनी मेहनत जारी रखनी होगी। आप अपने बॉस की बातों से काफी खुश रहेंगे। आप किसी अतिथि के घर मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम रखना होगा। आपको किसी काम को लेकर अत्यधिक थकान का अनुभव होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ेगा और आपको यदि कोई शारीरिक समस्या थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी। आप अपने कामों को लेकर पूरी सजगता दिखाएंगे और उन्हें पूरा करके ही दम लेंगे, लेकिन नौकरी में कार्यरत लोगों को प्रमोशन मिलने से किसी एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा और भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। आपका डूबा हुआ धन आपको मिल सकता है। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को उनके कामों से नई पहचान मिलेगी। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको अपने गुस्से को कंट्रोल करके चलने की आवश्यकता है।

मीन- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको आय को बढ़ाने के सोर्सो पर पूरा ध्यान देना होगा और वैवाहिक जीवन में आपसी प्रेम बना रहेगा। आपको अपने कामों में तालमेल बनकर चलना होगा। सरकारी कामों में आपको अच्छी सफलता हासिल होगी। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे और आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

शब्दजाल - 8015

शब्द जाल में नेशनल अवार्ड विजेता 10 हिंदी फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

मिर्जा गालिब, दो आंखें बारह हाथ, अनुराधा, शहर और सपना, तीसरी कसम, मृगया, शोध, दामुल, बाघ बहादुर, समर

स	म	र	यु	दा	प	र	तू	ग	झ	दो
ज	अ	ल	प	मु	रिं	शो	ना	दि	शा	आं
अं	इ	नु	म	ल	दा	ल	ध	र	ला	खें
ती	कु	दा	रा	धा	ब	क	प	रि	श	बा
स	ति	श	न	धा	क	ब	री	ग	वी	र
री	रं	ल	प	व	लि	र्त	ऐ	ती	प	ह
क	गा	ल	श	गा	प	म	ऋां	कौ	या	हा
स	बा	अ	र्जा	त	क	छ	प्प	ग	श	थ
म	स	मि	तें	व	न	ज	मृ	शा	जू	द
द	र	ल	श	ह	र	औ	र	स	प	ना
थो	ड़ा	सा	रु	बा	घ	ब	हा	दु	र	क

शब्दजाल - 8014 का हल

बं	म	स	म	न	च	ली	क	म	ल	म
म	वा	ब	लि	दा	न	म	मौ	स	ल	न
र्या	ह	म	र	ते	द	म	त	क	य	की
दा	ब	बं	र	दे	म	ब	द	ल	श	आं
म	इ	म	म	सं	व	क	श	र	मं	खें
हा	म	म	ई	म	र	क	स	ना	जि	ज
रा	बं	द	श	र्द	क	मं	र	द	ल	ब
म	र	ब	र	व	ज	सी	ग	न	प	न
क	म	ल	ज	इं	बा	री	ऐ	ल	प	र
क	शा	ल	म	बू	डि	स	म	ब	पां	जा
का	ल	बं	ध	न	क	या	म	ग	प	डे

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6959

ऊपर से नीचे:-

१. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
२. राजकपूर, नतून की 'रूक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ सनम जिसने तुझे' गीत वाली राजकपूर, सायरा की फिल्म-३
४. ऋषि, नीतूसिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-५
६. सोमदत्त, विनोद खन्ना, लीना चंदावरकर की पहली फिल्म-२,१,२
९. गोविंदा, करिश्मा की 'याद सताए तेरी' गीत वाली फिल्म-२,२
११. फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का गायक-२
१३. सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१४. अक्षय, लारा की फिल्म-३
१५. सुनील, आशा पारेख की 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, राखी की फिल्म-२
१८. कमल सदाना, आयशा, दिव्याकी 'दिल चीर के' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'ले के चली मुझे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
२०. जैकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'राधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-३
२३. फिल्म 'ज्वैल थीफ' में नायक कौन है-२
२५. टी. वी. धारावाहिक 'सॉस' की नायिका कौन थी?-२
२६. दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कहदूँ तुम्हें' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर की हिट फिल्म-३
५. संजय कपूर, तब्बू की 'मैंने जी लिया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
८. ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
१२. 'पलके हो खुली या बंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-३
१३. संजयदत्त, अनिता राज की 'आते आते तेरी' गीत वाली फिल्म-२,१,२
१४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'ना वादा करते हैं' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'परदे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-२
१७. राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, वर्षा की 'पीले पीले ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रूठे रूठे पिया' गीत वाली विजय आनंद, जया की फिल्म-२,३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयां' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-२,२
२६. गोविंदा, रवीना की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल विच तेरा ही' गीत वाली अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२
२८. मिथुन, अतुल, पूजा की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6958

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8483

बाएँ से दाएँ

1. ईश वंदना-3
3. हाथ की तीसरी अंगुली-4
5. आगमन-2
6. स्वादिष्ट-3
7. हरसिंगार, पारिजात-2
8. क्रिकेट में बनते हैं-2
10. खौलना, उबलना-5
12. धनवान-3
15. खोदना-3
17. चुनाव, चयन-5
20. नसीब(अंग्रेजी-2)
22. कलर-2
23. रक्षक, संकटमोचक-3
24. कार्य, काज-2
25. सुंघनी, नस-4
26. पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1. रुपए का सोलहवां भाग-2
2. कुलबुलाना, तड़पना-5
3. जो कभी बूढ़ा न हो-3
4. बंदूक की गोली-4
5. अभिलेख, लेख-3
7. रात, रात्रि (उर्दू-2)
9. मादा का विलोम-2
11. धुन, लगाव-3
13. चरित्र, नीयत-3
14. तफरीह-5
15. अनाज रखने की जगह-4
16. टोंटी, नलका-2
18. बहुमूल्य रत्न-2
19. अनाथ, बेसहारा-3
21. डोली उठाने वाले-3
24. सफेद का विलोंम -2

शब्द पहेली -8482 का हल

झ	न्डा		ते		प		श	क
र		दा	ल		री	ता		ल
ना	खु	दा		पा		रा	इ	मा
	श		अ	ला	बा		न्द्र	
ब	ग	दा	द		स	म	ध	न
	वा		द	ल	ना		नु	
ग	र	म		क्ष		ऋ	ष	भ
र		स्त	र		कृ	षि		ला
ल	ब		क्षा		मि		ता	ई

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

9 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.21 बजे से
चंद्र	मीन में	तुला	08.32 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.47 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.03 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.08 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.55 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.27 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.58 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.38 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मिथुन	23.36 बजे से
		कर्क	01.50 बजे से
		सिंह	04.06 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 252 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 18.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 18.07 बजे को समाप्त। **योग** गण्ड 23.59 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 07.53 बजे, गर 18.30 बजे तदनन्तर वणिज 05.05 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 05° 18' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872462 **जूलियन दिन** 2460927.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 16 **विशेष** द्वितीया श्राद्ध।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सच्चा सहयोगी

किसी राजा को अपने मंत्रियों में से एक बहुत प्रिय था। वह राजा का विश्वासपात्र था। राजा हर मामले में उसकी सलाह जरूर लेता था। कुछ ईर्ष्यालु स्वभाव वाले मंत्रियों-दरबारियों को यह सहन नहीं होता था। उनमें से कुछ ने एक दिन राजा से शिकायत की। वे बोले, 'अपराध क्षमा हो, राजन! जिस मंत्री को आप अपना प्रिय व विश्वासपात्र समझते हैं वास्तव में वह भ्रष्टाचारी है। राज्य में जो भ्रष्टाचार फैला हुआ है, इसका मुख्य कारण यह मंत्री ही है।' यह सुनकर राजा ने अपने उस प्रिय मंत्री को उन मंत्रियों के सामने बुलाया और कहा, 'ये लोग तुम्हारे ऊपर जो आक्षेप लगा रहे हैं उसके निराकरण के लिए तुम्हें एक सप्ताह का समय दिया जाता है। तुम्हें खुद को निर्दोष सिद्ध करना पड़ेगा नहीं तो दंड भुगतना पड़ेगा।' उस मंत्री ने अपने घर आकर राजा को एक पत्र लिखा, 'राजन! अपमानित होने से मरना अच्छा है, इसलिए मैं मरने जा रहा हूं, अलविदा।' और मंत्री पत्र लिखकर अज्ञात स्थान पर चला गया। राजा ने पत्र पढ़ा और उसकी छानबीन की। मंत्री के न मिलने से राजा ने उसे मृत समझकर शोकसभा आयोजित की। वह मंत्री भी वेश बदलकर अपनी शोकसभा में पहुंचा। वहां उपस्थित जन समूह उसको श्रद्धांजलि दे रहा था। शिकायत करने वाले भी कह रहे थे, 'मंत्री जी बहुत ईमानदार, विश्वासपात्र व उच्च विचारों वाले व्यक्ति थे। उनकी असामयिक मृत्यु से हम सब दुखी हैं।' यह सुनते ही वह मंत्री अपने असली रूप में आ गया। उसे देख उसके विरोधियों के होश उड़ गए। मंत्री ने राजा से कहा, 'देखा महाराज। इन लोगों की राय कैसे बदल गई। अगर मैं बुरा था तो आज ये मेरी प्रशंसा क्यों कर रहे हैं। क्या आप ऐसे लोगों पर विश्वास करेंगे जिनके विचार हमेशा बदलते रहते हैं।' राजा को अपनी भूल का अहसास हो गया। उसने उस मंत्री को गले से लगाया और उन लोगों को राजसेवा से निकाल बाहर किया जिन्होंने मंत्री की शिकायत की थी।

सूडोकु नवताल- 7268

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7267 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही ऑटो शेयरों में खरीददारी से बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 76.54 अंक बढ़कर 80,787.30 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.15 अंक ऊपर आकर 24,773.15 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी ऑटो 3.30 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 0.49 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.37 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.46 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।दूसरी ओर निफ्टी आईटी 0.94 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.27 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.21फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। आज लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 285.95 अंक करीब 0.50 फीसदी की बढ़त के साथ 57,361.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 29.10 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी की बढ़त के साथ 17,684.35 पर था। सेंसेक्स पैक की बात करें तो आज

टाटा मोटर्स, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि इन्फोसिस, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, टीसीएस, पावर ग्रिड, फार्मा शेयर गिरे। आज बाजार तेजी से शुरु हुआ पर आईटी शेयरों में गिरावट के साथ ही निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया जिससे बाजार दबाव के कारण नीचे आने लगा और दिन के अंत में हल्की बढ़त पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 200 अंकों की बढ़त के साथ 80,904 पर खुला, जबकि एनएसई निफ्टी 50 66 अंकों की तेजी के साथ 24,807 पर खुला। । पिछले हफ्ते विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने 5,667 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, लेकिन घरेलू निवेशकों (डीआईआई) की 13,444 करोड़ रुपए की खरीदारी ने बाजार को मजबूती दी। एशियाई बाजारों में आज तेजी देखी जा रही है। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.7 फीसदी ऊपर और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.21 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। चीन का अगस्त ट्रेड डेटा भी आज जारी होगा। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र में कमजोर बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.32 फीसदी गिरा, डॉव जोन्स 0.48 फीसदी नीचे रहा, जबकि नैस्डैक कॉम्पोजिट 0.03 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ।

सेबी की बोर्ड बैठक में बड़े आईपीओ और मिल्स सुधारों पर फैसला संभावित

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) 12 सितंबर को अपनी अहम बोर्ड बैठक में कई महत्वपूर्ण सुधार प्रस्तावों पर निर्णय ले सकता है। यह बैठक चालू वित्त वर्ष की दूसरी और चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय के नेतृत्व में तीसरी होगी। पांडेय ने उचित नियमन पर लगातार जोर दिया है और इस बैठक में भी इसी दिशा में कई पहल की संभावना है। सेबी म्युचुअल फंड्स के लिए रेगुलेशन 24बी में छूट देने पर विचार कर रहा है। इसमें एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को विदेशी संस्थाओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले नॉन-ब्रॉड-बेस्ड फंड्स को मैनेज और एडवाइज करने की अनुमति मिल सकती है। इससे फैमिली ऑफिस फंड्स के मैनेजमेंट और ग्लोबल फंड्स के वितरण का मार्ग खुल सकता है। इसके अलावा, म्युचुअल फंड स्कीम के वर्गीकरण की समीक्षा भी संभावित है, जिससे निवेशकों को बेहतर विकल्प मिल सकेंगे। बड़ी कंपनियों के लिए आईपीओ प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सेबी डिल्यूशन नियमों में ढील देने और 25 फीसदी मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समय सीमा बढ़ाने पर विचार कर रहा है। यह कदम बड़े आईपीओ लाने वाली कंपनियों जैसे रिलायंस जियो इन्फोकॉम के लिए लाभकारी होगा, जिनकी हाल ही में आईपीओ की चर्चा शुरू हुई है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के नियमों को सरल बनाने के साथ-साथ मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस की गवर्नेंस को मजबूत करने के उपाय भी बैठक में प्रस्तावित हैं।

भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग- 7 नैनोमीटर तकनीक के लिए तैयार हो रहा है देश

नई दिल्ली। भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर उद्योग में 7 नैनोमीटर (7एनएम) और उससे उन्नत चिप निर्माण तकनीक हासिल करने के लिए अगले 5 से 7 वर्षों में एक स्पष्ट खाका तैयार किया है। सरकार की 15 साल की योजना का उद्देश्य भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक दिग्गज बनाना है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार तकनीक लाने और बातचीत के प्रयास जारी हैं। देश के सबसे बड़े उद्योग समूहों में से एक टाटा समूह, 91,000 करोड़ रुपये के निवेश से पहला वेफर फैब्रिकेशन प्लांट स्थापित कर रहा है। इस प्लांट में 28 नैनोमीटर और उससे ऊपर की चिप्स का उत्पादन होगा, जो देश की सेमीकंडक्टर उत्पादन क्षमता के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। नैनोमीटर ट्रांजिस्टर के आकार को मापने की इकाई है। ट्रांजिस्टर जितना छोटा होगा, उतनी अधिक संख्या में वे चिप पर पैक किए जा सकेंगे। इससे चिप का प्रदर्शन बेहतर होगा, बिजली की खपत कम होगी और कार्यक्षमता बढ़ेगी। आईबीएम और बेल्जियम की आईएमईसी के साथ भारत सरकार की बातचीत चल रही है। आईबीएम ने 2023 में भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत घरेलू अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक साझेदारी की है। आईबीएम ने दुनिया की पहली 2 नैनोमीटर चिप विकसित की है और जापानी कंसोर्टियम रैपिडस कॉरपोरेशन के साथ 2 एनएम तकनीक पर काम कर रहा है। आईएमईसी, जो टीएसएमसी, इंटेल और रैपिडस जैसी कंपनियों के साथ कार्यरत है, भारत को तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।

11 केव्ही लाईन चपेट में आने से खेदसिंह की मौत

एलटी लाईन का खंबा खड़ा करते समय हुआ हादसा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी भिलाई मार्ग पर ग्राम सावरी खुर्द में विद्युत लाईन का कार्य कर रही कंपनी की घोर लापरवाही सामने आई है जिसके चलते लाईन में कार्य कर रहे मजदूर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कमलासार इन्फ्रास्ट्रक्चर नासिक के द्वारा एलटी लाईन आरडीएस का कार्य किया जा रहा है। 8 सितंबर शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच ग्राम सवारी खुर्द अवंती चौक में मनोज लिल्हारे के घर के सामने एलटी लाईन का कार्य कपंनी के द्वारा मजदूरो से करवाया जा रहा था इसी लाईन के पास से 11 केव्ही लाईन गुजरी है जिसकी चपेट में आने से मजदूर खेदसिंह पिता त्रिलोक सिंह लोधी ग्राम तेजगंढ जिला दमोह की मृत्यु हो गई। कंपनी के इंजीनियर एवं अन्य लोगो के द्वारा खेदसिंह को सिविल अस्पताल लांजी लाया गया जहां उपस्थित बीएमओ डॉ अक्षय उपराड़े के द्वारा प्राथमिक जांच उपरांत मृत घोषित किया गया। अस्पताल प्रबंधन के द्वारा लांजी पुलिस को उक्त मर्ग के संबध में सूचना दी गई है वहीं मृतक के शव का पोस्टमार्टम आज 9 सितंबर को

किया जायेगा।

बीना 11 केव्ही लाईन बंद कराये किया जा रहा था लापरवाही पूर्ण कार्य

स्थानीय लोगो के द्वारा जानकारी में बताया गया कि कंपनी के द्वारा इस संपूर्ण घटना में घोर लापरवाही बरती गई है। क्योंकि जहां वे एलटी लाईन का कार्य कर रहे थे वहीं से बाजू में 11 केव्ही की लाईन गई हुई है जिसमें विद्युत प्रवाह हो रहा था, मजदूरो के द्वारा खंबे गांडने का कार्य किया जा रहा था इसी दौरान यह हादसा हुआ है। जो कि 11 केव्ही की चपेट में आकर खेदसिंह लोधी की मृत्यू हो गई वही इस घटना एक अन्य मजदूर के भी घायल होने की जानकारी प्राप्त हुई है।

सुरक्षा के नही है कोई इंतजाम

कंपनी के द्वारा मजदूरों से कार्य तो करवाया जा रहा है कि लेकिन उनकी सुरक्षा का कोई इंतजाम नही किया जाता। जब यह ज्ञात है कि खंबे खड़े करने का कार्य चल रहा है और बड़े खंबे खड़े करते समय इधर उधर होते ही है चुंकि वे क्रेन से खड़े करते है तथा मजदूर उन्हे सही दिशा देते है ऐसे में आस पास की लाईन को बंद करवाया जाना कंपनी के अधिकारियों का कार्य है। मजदूरों को हेलमेट, हैण्ड ग्लब्स सहित अन्य जो भी सुरक्षा की दृष्टि सामग्री है मुहैया कराई जानी चाहिये, वे नही दिखाई देती, जिसके चलते कई बार जहां विद्युत करंट की चपेट मे आने से तो कई बार खंबो में उपर गिरने से भी हादसे घटित हुये है। वहीं कमनी के द्वारा क्या कार्य किया जा रहा है और कैसे किया जा रहा है यह देखने की जवाबदारी विद्युत विभाग की होती है लेकिन विभाग के द्वारा भी ध्यान नही दिया जाता जिसके चलते ऐसे हादसे घटित हो जाते है।

गलती से 11 केव्ही लाईन टकरा गया खंबा- कंपनी इंजीनियर

इस संबध में कमलसार इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी नासिक के इंजीनियर इन्द्रजीत राव ने बताया कि कंपनी के द्वारा आरडी एसएस का कार्य किया जा रहा है जिसके तहत ग्राम सावीखुर्द में एलटीलाईन बिछाई जा रही थी। 8 सितंबर को करीब 4 से 5 बजे के बीच खंबा लगाया जा रहा था जहां बाजू से 11 केव्ही लाईन जा रही थी हमने सुरक्षा की दृष्टि से एलटीलाईन का परमिट लिया हुआ था। 11 केव्ही लाईन कुछ दुरी पर थी तथा दोनो लाईन बंद कराने का परमिट नही लिया जा सकता था। इसी बीच जब खंबा लगाया जा रहा था तो गलती से खंबा 11 केव्ही में जा टकराया जिसके चलते खंबे मे करंट प्रवाहित हो गया एवं खेदसिंह इसकी चपेट में आ गया।

एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस पर किया गया शिक्षको का सम्मान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगाँव में 08 सितम्बर 2025 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक सम्मान दिवस के रूप में बड़े ही उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। शिक्षक सम्मान दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम संस्था के संचालक ए.आर. कुशले एवं प्रधानपाठिका श्रीमती ममता कुशले के द्वारा माँ सरस्वती जी व डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर फूलमाला अर्पित कर दीप प्रज्जवलित की गई एवं कक्षा आठवी के छात्रों के द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया। स्कूली छात्रों के द्वारा कक्षावार अपने कक्षा शिक्षकों के साथ केक काटकर जन्मदिवस मनाया गया। ततपश्चात सामुहिक रूप से संस्था के समस्त शिक्षकगणों का छात्रों के द्वारा तिलक वंदन कर भेट दिया गया। संस्था के संचालक के द्वारा शिक्षक दिवस के बारे में बताया गया की शिक्षक का हमारे जीवन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है जो हमें पढ़ाई के साथ-साथ अच्छे संस्कार और चरित्र निर्माण की भी शिक्षा देते है। कार्यक्रम के अंत में संचालक के द्वारा सभी शिक्षकों का साल श्रीफल और पेन भेट कर संस्था की ओर से सम्मान किया गया। इस दौरन शिक्षक कमलेश ठाकरे, रोहित चंदेल, सुभम मेश्राम, सुरेन्द्र देवाहे, नरेन्द्र कटरे शिक्षका सुश्री सुनिता नखाते, सीमा येरपुड़े, रानू दखने, भागरता ठाकरे, यशोदा कलपुरे, सुनिता ठाकरे, सोनम कौशल, बबीता रोकड़े, दिक्षा महिंदे, पूनम ढोमडे, नगमा पटले, वंदना बिसेन, मोनिका कराहे, निशा बिसेन, दीपिका आठोडे, सरिता टाण्डकर, प्रियंका राहंगडाले, वंदना बागमारे, कल्पना टोण्डरे, ज्योति गौतम, हीना तेलासे, ऑचल उके, सुखवंती ठाकरे, संतोषी गौतम, पूजा पॉचे, संतोषी बोपचे, देवेश्वरी चौहान, पुष्पा आसटकर, हेमलता बिसेन, सरिता झगराहे, ज्योति ठाकरे, प्रिया पारधी, द्रोपती बाहे. आकृती ढोगे, बतीता पॉचे ने छात्रों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये आशीर्वाद प्रदान किया।

खुर्शीटोला, नसकट्टा, वालेगांव, सुलसुली में अब तक नही हुई नज जल योजना प्रारंभ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्रान्तर्गत जहां लगभग सभी पंचायतो के नल जल योजना को लेकर बुरे हाल है वहीं नक्सल प्रभवित ग्रामों में और भी हाल बुरे है इन क्षेत्रो के ग्रामीणो का कहना है पता नही कब हमे हर घर नल और जल देखने मिलेगा। इस लापरवाही के जवाबदार जितने ठेकेदार है उतना ही विभाग भी क्योंकि विभाग ना तो कार्यो पर ध्यान दे रहा है और ना ही ठेकेदारो से कार्य करवा पा रहा है। बीते दिनों ग्राम पंचायत थानेगांव में पानी की टंकी के धराशायी होने के बाद से तो विभिन्न पंचायतो के ग्रामीण जन भी सख्ते मे आ गये है कही हमारे ग्राम में भी तो ऐसा ही हादसा नही हो जायेगा। वहीं पंचायतो के सरपंच एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा इस बाबत भी शिकायत की गई है कि हमारी पंचायतो में भी गुणवत्ताहिन कार्य हुये है जिसकी हर पहलु से जांच की जानी चाहिये।

नक्सल प्रभावित वनांचल ग्रामों के बुरे हाल

लांजी क्षेत्र के कुछ पंचायतों में तो नल जल योजना को लेकर कार्य हुये है पानी टंकी का निर्माण भी हुआ है जिनकी गुणवत्ता जांच की मांग भी उठ रही है लेकिन लांजी अन्तर्गत नक्सल प्रभावित क्षेत्र के बुरे हाल है यहां ठेकेदार बड़े आराम से कार्य करते दिखई दे रहे है भोली भाली ग्रामीण जनता है क्या बोलेगी , दुसरी ओर शासन प्रशासन भी नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सिर्फ कार्यो पर जोर देता है वह कार्य कैसे हो रहे है किन गुणवत्ता के आधार पर हो रहे है शायद ही इस पर ध्यान देता होगा, जिसका नाजायज फायदा ठेकेदार उठाते है और अपने मनमर्जी से कार्य करते है। परेशानी तो सिर्फ और सिर्फ ग्रामीणो को होती है। कहीं भी खुदाई कर देना, उसको वर्षो तक ठीक नही करना, पाईप लाईन बहार ही निकालकर महीनों उस ओर ध्यान नही देना, किस तकनीकी आधार पर कार्य चल रहा है इस विषय की जानकारी ना तो ग्राम के प्रतिनिधियों को होती है और ना ही ग्रामीण जनता को। ठेकेदार और विभाग अपने मनमर्जी से काम कराते है और परेशान ग्रामीण होते है।

ग्राम पंचायत खुर्शीटोला, नसकट्टा, वालेगांव, सुलसुली में अब तक नज जल योजना नही हुई प्रारंभ

ऐसा ही एक मामला लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत खुर्शीटोला का आया है जो कि अतिनक्सल प्रभावित क्षेत्र के अन्तर्गत आता है। इस पंचायत में चार ग्राम जिसमे खुर्शीटोला, वालेगांव, नसकट्टा, सुलसुली तथा दो वन ग्राम है। इस ग्राम में पंहुचकर जब जमीनी स्तर पर वस्तु स्थिती को जाना तो ज्ञात हुआ कि वर्षो से इस ग्राम मे नल जल योजना प्रारंभ नही हुई है आज भी ग्रामीणो को पानी के लिये हैण्ड पंप कुओं का रूख करना पड़ता है। वालेगांव में तो एक प्लस्टिक की टंकी लगााई गई है और उसे सौर उर्जा से जोड़ा गया है लेकिन जब से टंकी लगी तब से उस टंकी से कही भी पानी सप्लई नही हुआ है। इसके अतिरिक्त बीते कुछ वर्षो से उक्त चारों ग्रामों में पाईप लाईन की खुदाई कर कुछ घरों मे पाईप लाईन बिछाई गई है लेकिन इन ग्रामों में पानी टंकी कहां बनेगी कोई अता पता नही है तथा वर्तमान में ठेकेदार के द्वारा कार्य भी बंद करके रखा गया है और अब ग्रामीणों को परेशानी का सामना इन ठेकेदारो और विभाग के कारण भुगतना पड़ रहा है।

उक्त विषय को लेकर जब ग्राम पंचायत के सरपंच ओमप्रकाश दौने से चर्चा की गई तो आपने बताया कि पंचायत क्षेत्र में कही भी नल जल योजना के तहत पानी सप्लाई नही किया जा रहा है। ठेकेदारों के द्वारा कार्य अधुरे छोड़े गये है। खुर्शीटोला और वालेगांव मे तो पाईप लाईन बिछाई गई है लेकिन वे भी अधुरी है तथा नसकट्टा और सुलसुली मे तो कार्य ही प्रारंभ नही किया गया है और ना ही ग्राम में कही पानी की टंकी बनाई गई। विगत दिनों बालाघाट में प्रशासनिक अधिकारियो के द्वारा बैठक ली गई थी चूंकि हमारी पंचायत अतिनक्सल प्रभावित ग्रामो मे से एक है जिसके मद्देनजर हमने बैठक में यह बात रखी थी कि ग्राम में नल जल योजना का लाभ नही मिल रहा है अतिशिघ्र कार्य प्रारंभ करवाया जाये। अधिकारियो के संज्ञान में यह बात लाई गई है उसके बाद भी आज दिनांक तक कार्य प्रारंभ नही किया गया है।

विभाग क्यों नही करवा पा रहा कार्य

केन्द्र सरकार की सबसे हितकारी और जनकल्याणकारी योजना है नल जल मिशन जहां हर घर नल और जल होगा। लेकिन इस योजना को लांजी क्षेत्र में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं ठेकेदारो के द्वारा मिलकर पलीता लगाया जा रहा है। लगभग सभी ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य अधुरे पड़े हुये है। कही पानी टंकी का निर्माण है तो पाईप लाईन नही बिछी है कही कार्य हुआ है तो पानी की सप्लाई प्रारंभ नही है कही पानी की मोटर नही डली है ऐसे अनेको कारण है जो कि यह दर्शाता है कि किस स्तर की लापरवाही ठेकेदार और विभाग कर रहा है। आखिर क्यों विभाग कार्य नही करवा पा रहा है। क्या कारण है जो कि कार्य निविदा की शर्तो के आधार पर पूर्ण हो जाना चाहिये उसे वर्षो बीत जाने के बाद भी क्यों नही हो पा रहा है यह जांच का विषय है।

कलेक्शन के लिए निकला एजेंट शुभम वाहने सालेकसा से लापता

स्पंदना माइक्रो फाइनेंस कंपनी में करता है काम

लांजी (पद्मेश न्यूज) । स्पंदना माइक्रो फाइनेंस लि. बालाघाट की लांजी शाखा में कलेक्शन एजेंट गोंदिया जिले की सालेकसा तहसील से अचानक गायब हो गया। लापता युवक की खोजबीन किए जाने के बावजूद उसका कहीं भी पता नहीं लग पाया है। इस घटना से बालाघाट सहित गोंदिया जिले में सनसनी फैल गई है। लापता युवक का नाम शुभम वाहने (26) बताया गया है। मिली जानकारी के अनुसार स्पंदना माइक्रो फाइनेंस लिमिटेड बालाघाट की लांजी शाखा में कलेक्शन एजेंट के पद पर कार्यरत शुभम वाहने मूलतः रामपायली के देतबर्रा का निवासी है। जिसकी अंतिम लोकेशन सालेकसा तहसील के ग्राम चिंचटोला-रामटोला के आस पास की बताई जा रही है। कंपनी के मैनेजर से प्राप्त जानकारी से पता चला कि शुभम वाहने 4 सितंबर को अपने प्रातः लेन देन के रुपए जमा करने के बाद दोपहर में मोटरसाइकिल स्पलेंडर प्लस क्रमांक एमएच 36 एएल 6939 से कलेक्शन के लिए रवाना हुआ था। लेकिन अचानक वह लापता हो गया। जिसकी खोजबीन किए जाने के बावजूद उसका कहीं भी पता नहीं चल पाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सालेकसा पुलिस स्टेशन में शिकायत की गई। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

संजीवनी-108 के ईएमटी डॉ. पटले और आशा कार्यकर्ता ने घर पर ही कराया प्रसव

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित संजीवनी-108 एम्बुलेंस की सेवाए दुरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए बहुत ही उपयोगी और जीवनदायनी साबित हो रही है। संजीवनी-108 एम्बुलेंस के ईएमटी डॉ. गौरीशंकर पटले एवं आशा कार्यकर्ता कांति मरावी ने जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्राम लहंगाकन्हार की गर्भवती महिला पार्वतीबाई का घर पर ही सुरक्षित प्रसव कराकर जच्चा-बच्चा की जीवन रक्षा करने का काम किया है। यदि संजीवनी-108 सेवा की एम्बुलेंस समय पर लहंगाकन्हार नही पहुंचती तो पार्वती बाई और उसके होने वाले बच्चें के लिए जीवन-मरण का सवाल पैदा हो जाता। संजीवनी-108 एम्बुलेंस 08 सितम्बर को सुबह 04:26 मिनट पर बिरसा तहसील के ग्राम सिंघनपुरी में गर्भवती महिला को प्रसव के लिए अस्पताल पहुंचाने आयी थी। यह एम्बुलेंस सिघनपुरी से गर्भवती महिला को दमोह के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाकर वापस बालाघाट जाने वाली थी, तभी दमोह स्वास्थ्य केंद्र की एएनएम द्वारा संजीवनी-108 के ईएमटी डॉ. पटले को अस्पताल में कुछ देर इंतजार करने कहा गया। क्योंकि एएनएम को लग रहा था कि प्रसव के लिए लायी गई महिला की स्थिति गंभीर होने पर उसे जिला चिकित्सालय रेफर करना पड़ सकता है। संजीवनी-108 एम्बुलेंस इस पर दमोह के स्वास्थ्य केंद्र मे ही खड़ी थी। इस बीच सिघनपुरी से आयी महिला का सुरक्षित प्रसव हो गया, तभी लहंगाकन्हार से सूचना मिली कि गर्भवती महिला को प्रसव के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचाना बहुत जरूरी है। इस पर संजीवनी-108 एम्बुलेंस तत्काल लहंगाकन्हार के लिए रवाना हो गई। संजीवनी-108 के ईएमटी डॉ गौरी शंकर पटले व पायलेट जयेश चौहान लहंगाकन्हार पहुंचे तो देखा कि महिला को प्रसवपीड़ा तेज हो गई है और उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिठली या दमोह ले जाने पर रास्ते में ही प्रसव हो सकता है और इससे माता एवं शिशु की जान को खतरा हो सकता है। इस पर ईएमटी डॉ गौरी शंकर पटले ने आशा कार्यकर्ता कांति मरावी के साथ मिलकर घर पर ही प्रसव कराने का निर्णय लिया। क्योंकि संजीवनी 108 में आपातकाल में प्रसव-कीट जिसमें प्रसव सम्बन्धी समस्त सामग्री उपलब्ध होती है। सुबह 07:10 बजे पार्वतीबाई पति अशोक मरकाम का सुरक्षित प्रसव करा लिया गया। पार्वती बाई को शादी के 05 वर्ष बाद प्रथम पुत्री रत्न की प्राप्ति हुई। इससे उनका परिवार बहुत खुश है। प्रसव के उपरांत संजीवनी-108 एम्बुलेंस द्वारा पार्वतीबाई और उसके शिशु को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिठली में आगे के उपचार के लिए भर्ती करा दिया गया। इस प्रकार संजीवनी-108 एम्बुलेंस पार्वती बाई के लिए जीवनदायनी बन गई। यदि इसकी सेवाए नही मिलती तो पार्वतीबाई के साथ कुछ अनहोनी हो

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भाजपा में नकेल, कांग्रेस में अनुशासन भंग का खेल

नेताओं की अनुशासनहीनता पर सख्ती का प्रभाव

भोपाल। राजनीति में अनुशासन और सुचिता का बड़ा महत्व होता है। लेकिन देखा जा रहा है कि मप्र में पिछले कुछ सालों से भाजपा और कांग्रेस के नेताओं की अनुशासनहीनता बढ़ती जा रही है। नेताओं की बढ़ती अनुशासनहीनता पर नकेल कसने के लिए भाजपा और कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं ने चेतावनी दी है। इसका भाजपा के नेताओं का बड़बोलापन थम साग या है, लेकिन कांग्रेस में अनुशासन भंग का खेल जारी है। कांग्रेस में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद से अनुशासनहीनता सडक़ पर नजर आने लगी है।

गौरतलब है कि गतदिनों भाजपा और कांग्रेस दोनों के प्रदेश संगठन को राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने अनुशासन का पाठ पढ़ाया। भाजपा में अमित शाह तो कांग्रेस में राहुल गांधी ने इसे पार्टी हित में सर्वोपरि बताया। भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष बनते ही हेमंत खंडेलवाल ने इस पर प्रभावी तरीके से काम किया। नेताओं के बीच विवाद, अनर्गल बयानबाजी, नेताओं के स्वजन की अनुशासनहीनता और अधिकारियों से विवाद के मामलों में नेताओं को बुलाकर प्रदेश कार्यालय में सख्त चेतावनी दी गई। उन्हें चेतावनी भी दी गई कि अब इस तरह की स्थिति दोबारा

न बने। बता दें कि लगभग दो माह में ऐसे चार मामले सामने आ चुके हैं। कांग्रेस की बात करें तो तीन जून को भोपाल आए राहुल गांधी ने अनुशासन का पाठ पढ़ाया। सख्त कदम उठाने की बात कही, पर .. लक्ष्मण सिंह के निष्कासन का मामला छोड़ दें, तो इसका असर कहीं और नहीं दिख रहा है। जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद आधा दर्जन से अधिक जिलों में विरोध के बाद भी व्यक्तिगत रूप से बुलाकर समझाइश नहीं दी गई। मीनाक्षी नटराजन द्वारा टिप्पणी का मामला हो या फिर कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे पर डीएफओ से रुपये मांगने का आरोप, सभी में पार्टी में चुप्पी है।

भाजपा के इन नेताओं को मिल चुकी है हिदायत

भाजपा में नेताओं के बीच विवाद, अनर्गल बयानबाजी, नेताओं के स्वजन की अनुशासनहीनता और अधिकारियों से विवाद के मामलों में हिदायत मिल चुकी है। 21 जुलाई 2025 को महाकाल मंदिर उज्जैन में इंदौर से भाजपा विधायक राकेश (गोलू) शुक्ला और उनके पुत्र रुद्राक्ष का गर्भगृह में बिना अनुमति प्रवेश का मामला सामने आया। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल तथा संगठन महामंत्री हितानंद ने विधायक को प्रदेश कार्यालय में बुलाकर चेताया। 25 जुलाई को रीवा में सेमरिया से पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी ने महिला सीएसपी को असंवेदनशील कहा। प्रदेश संगठन से कड़ी चेतावनी मिली तो तीन दिन बाद माफी मांगी। दतिया जिले के सेवढ़ा से विधायक प्रदीप अग्रवाल के बेटे का वीडियो बहुप्रसारित हुआ, जिसमें वह विधायक लिखी गाड़ी में सायरन बजाते हुए सभा में पहुंचा। 30 जुलाई को हेमंत खंडेलवाल और हितानंद ने बुलाकर सख्त लहजे में समझाया। 27 अगस्त भिंड में भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के साथ अभद्रता की। हाथ उठाने की कोशिश की, जिस पर कुशवाह को प्रदेश कार्यालय में सख्त लहजे में खंडेलवाल और हितानंद ने समझाया। प्रदेश मंत्री भाजपा रजनीश अग्रवाल का कहना है कि इतिहास गवाह है कि अनुशासनहीनता के मामले में भाजपा ने बड़े से बड़े नेताओं को भी माफ नहीं किया। अनुशासन हमारी कार्यपद्धति की अहम विशेषता है। इससे समझौता नहीं कर सकते। कहीं अनुशासन भंग होता है तो समाज के ध्यान में भी आता है, इसलिए इसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं कर सकते। जिस स्तर पर अनुशासन टूटने का प्रयास होता है, उसी स्तर पर कार्रवाई होती है। कांग्रेस का स्वभाव ही अनुशासनहीनता है और ऊपर तक है।

कांग्रेस में कोई सख्ती नहीं दिख रही

संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत जिलाध्यक्षों की नियुक्ति का भोपाल, इंदौर, उज्जैन, बुरहानपुर, रायसेन, देवास, सतना सहित कई जिलों में विरोध हुआ दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कार्यालय के बाहर भी इंदौर के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इसके बाद भी न व्यक्तिगत रूप में बुलाकर समझाइश दी गई न ही कोई नोटिस दिया गया। एआईसीसी के डेलीगेट्स के चयन में मंदसौर की पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर नीमच से प्रतिनिधि बनाए गए गौरव रघुवंशी की जगह अन्य किसी को अवसर देने की बात कही। बालाघाट से कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे पर डीएफओ नेहा श्रीवास्तव ने पैसे मांगने के आरोप लगाए, पर प्रदेश संगठन की तरफ से कोई स्पष्टीकरण नहीं लिया गया। 14 जुलाई को कांग्रेस विधायक अभिजीत शाह का पुलिस अधिकारी के साथ विवाद हुआ, पर पार्टी की तरफ से पूछपरख नहीं की गई। मप्र कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले का कहना है कि मैं सहमत हूं इस बात से कि अनुशासन के मामले में पार्टी गाइडलाइन का जिस तरह से पालन होना चाहिए, नहीं हो रहा है। अब हमने नए सिरे से शुरुआत की है। जिलाध्यक्षों के चयन में विरोध करने वालों के लिए पहली बार चेतावनी पत्र दिया कि इंटरनेट मीडिया से विरोधी पोस्ट हटाएं। उसका असर भी हुआ। यह सख्त कदम था। कई जगह कार्यकर्ता अनुशासनहीनता करते हैं, जिलों में उन पर संज्ञान लिया जाना चाहिए, प्रदेश कार्यालय से नहीं कर सकते।

16 एसएएस अफसरों को आईएएस में पदोन्नति

- विभागीय जांच से निकले नारायण नामदेव, कैलाश बुंदेला बने आईएएस, आशीष को भी मौका

भोपाल। मप्र कैडर के 16 राज्य प्रशासनिक सेवा (एसएएस) अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में पदोन्नत किया गया है। इनमें वे अधिकारी भी शामिल हैं जो विभागीय जांच के चलते पिछले सालों में प्रमोशन से वंचित रह गए थे। जांच में क्लीनचिट मिलने के बाद नारायण प्रसाद नामदेव और कैलाश बुंदेला को भी अब आईएएस बनने का अवसर मिल गया है। वहीं, उज्जैन नगर निगम के पूर्व कमिश्नर आशीष पाठक को भी आईएएस में पदोन्नति दी गई है।

मिनिस्ट्री ऑफ पर्सनल, पब्लिक ग्रीवेंस एंड पेंशन्स की ओर से सोमवार को 2023 और 2024 बैच के लिए आईएएस अवॉर्ड का नोटिफिकेशन जारी किया गया। इन दोनों ही सालों के लिए राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक पिछले महीने हुई थी। अब नोटिफिकेशन जारी होने के बाद इन दोनों सालों में 8-8, यानी कुल 16 अधिकारियों को आईएएस में पदोन्नत कर दिया गया है।

2023 बैच में इन्हें मिला आईएएस बनने का मौका

जिन आईएएस अफसरों को 2023 बैच के लिए हुई डीपीसी में आईएएस बनने का मौका मिला है। उसमें जो 8 अफसर शामिल हैं, उनमें नारायण प्रसाद नामदेव, डॉ कैलाश बुंदेला, नंदा भलावे कुशरे, अनिल कुमार डामोर, सविता झानिया, सारिका भूरिया, कमल सोलंकी और जितेंद्र सिंह चौहान शामिल हैं।

2024 के लिए इनका हुआ आईएएस में सिलेक्शन

2024 की डीपीसी के लिए जिन राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों का नाम चुना गया है, उसमें ये उज्जैन में पदस्थ अपर कलेक्टर संतोष टैगोर और पूर्व निगमायुक्त उज्जैन आशीष पाठक का नाम शामिल है। जो अधिकारी आईएएस बने उनके नाम हैं- संतोष कुमार टैगोर,निशा डामोर, राकेश कुशरे, शैली कनाश, रोहन सक्सेना, कविता बाटला, सपना अनुराग जैन और आशीष कुमार पाठक।

ट्रक में टकराई तेज रफ्तार कार, युवक की मौत

भोपाल। भोपाल के वीआईपी रोड पर राजा भोज की प्रतिमा के पास सोमवार सुबह करीब 5 बजे एक तेज रफ्तार काले रंग की कार पीछे से एक ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में फंसे ड्राइवर को किसी तरह बाहर निकाला गया और तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान शांतनु अग्निहोत्री (29) के रूप में हुई है। वह कोलार स्थित दानिश कुंज का रहने वाला था। हाल ही में उसके दादा का निधन हुआ था और उनकी तेरहवीं के बाद रविवार को वह दोस्तों से मिलने एयरपोर्ट रोड की ओर गया था।

16 हजार निजी स्कूलों ने अपनी सालाना फीस 25 हजार से कम बताई

भोपाल । शासन ने कुछ समय पूर्व 25 हजार से कम सालाना फीस लेने वाले स्कूलों को शिक्षा विभाग के पोर्टल पर जानकारी देने की प्रक्रिया से मुक्त किया था, जिसके चलते 16 हजार स्कूल ऐसे हैं, जिन्होंने दावा किया कि उनकी फीस 25 हजार से कम है। निजी स्कूलों द्वारा ज्यादा फीस लेने के साथ ही किताबें, यूनिफॉर्म, कॉपी-किताबों के नाम पर भी लूटपट्टी की जाती है और विशेष दुकान से खरीदी कराने के भी प्रयास होते हैं, जिसके चलते स्कूल शिक्षा विभाग ने अनियमित फीस वृद्धि रोकने के प्रावधान करते हुए पोर्टल पर उसकी जानकारी अपलोड करने को कहा है। राज्य में इस वर्ष करीब 10 हजार 200 निजी विद्यालयों द्वारा पोर्टल पर फीस का विवरण अपलोड किया जा चुका है। प्रदेश में जिन विद्यालयों की किसी भी कक्षा की वार्षिक फीस संरचना 25 हजार रुपए या उससे कम है, उन्हें फीस संरचना की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने से मुक्त रखा गया है। इन विद्यालयों को इस संबंध में पोर्टल पर शपथ पत्र अपलोड करने की निर्धारित तिथि भी दी गई थी। ऐसे विद्यालय जो समय-सीमा की जानकारी अपलोड नहीं करेंगे, उनके विरूद्ध जिला समिति द्वारा कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में निजी विद्यालयों के विरूद्ध प्राप्त होने वाली शिकायतों के निराकरण के लिये कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला समिति भी कार्य कर रही है।

राजस्व विभाग के डेटा के आधार पर तय होंगे पीडीएस के हितग्राहियों

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में जांच के बाद अपात्र हितग्राहियों के नाम हटाए जा रहे

भोपाल। मप्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत 5.32 करोड़ हितग्राही हैं। इसमें 71 लाख किसान भी शामिल हैं। किस किसान के पास कितनी भूमि है, इसका पता लगाने के लिए राजस्व विभाग के डेटा से मिलान कराया जा रहा है। इसके आधार पर राज्य सरकार निर्णय लेगी कि किसे पीडीएस प्रणाली में रखना है और किसे नहीं। बड़े क्षेत्र वाले किसान पीडीएस की सूची से बाहर किए जा सकते हैं।

भारत सरकार ने प्रदेश को 75 लाख पीडीएस के हितग्राहियों की सूची भेजी है। इसमें वे हितग्राही भी हैं, जिनकी

वार्षिक आय छह लाख से अधिक है, कंपनी में संचालक हैं या फिर जीएसटी के दायरे में आते हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि वाले किसानों को भी शामिल किया है। यद्यपि, इनके बारे में कोई दिशा निर्देश नहीं दिए गए हैं, लेकिन राज्यों से कहा गया है कि वे अपने स्तर से नीति निर्धारित कर सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि राजस्व विभाग के डेटा से यह जानकारी निकाली जा रही है कि किस किसान के पास कितनी भूमि है। ऐसे किसान, जिनके पास पांच एकड़ से अधिक भूमि है, उनके संबंध में आगे चलकर निर्णय लिया जा सकता है।

16 हजार नाम सरकार ने पहले ही हटा दिए

उधर, जिलों में कराई जांच के बाद अपात्र हितग्राहियों के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं। छह लाख से अधिक वार्षिक आय वाले 1.57 हितग्राही चिन्हित किए गए थे। इनमें से 16 हजार के नाम सरकार पहले ही हटा चुकी है और भारत सरकार के निर्देश के बाद अब तक 1,909 नाम हटाए गए हैं। इसी तरह कंपनी में संचालक होने के बाद निश्शुल्क मिलने वाला राशन लेने वाले 18 हजार हितग्राहियों में 1,100 के नाम पहले हटाए गए हैं और अब 106 को सूची से बाहर किया है। जीएसटी देने वाले 1,381 हितग्राहियों में से 139 और 1.51 डुप्लीकेट श्रेणी के हितग्राहियों में से 20 हजार के नाम हटा दिए हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि सभी जिलों में अपात्रों के सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है और जैसे-जैसे यह काम पूरा होता जा रहा है, वैसे-वैसे नाम काटे जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इसके पहले ई-केवाईसी कराकर लगभग 20 लाख अपात्रों के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं।

16 हजार निजी स्कूलों ने अपनी सालाना फीस 25 हजार से कम बताई

भोपाल। शासन ने कुछ समय पूर्व 25 हजार से कम सालाना फीस लेने वाले स्कूलों को शिक्षा विभाग के पोर्टल पर जानकारी देने की प्रक्रिया से मुक्त किया था, जिसके चलते 16 हजार स्कूल ऐसे हैं, जिन्होंने दावा किया कि उनकी फीस 25 हजार से कम है। निजी स्कूलों द्वारा ज्यादा फीस लेने के साथ ही किताबें, यूनिफॉर्म, कॉपी-किताबों के नाम पर भी लूटपट्टी की जाती है और विशेष दुकान से खरीदी कराने के भी प्रयास होते हैं, जिसके चलते स्कूल शिक्षा विभाग ने अनियमित फीस वृद्धि रोकने के प्रावधान करते हुए पोर्टल पर उसकी जानकारी अपलोड करने को कहा है। राज्य में इस वर्ष करीब 10 हजार 200 निजी विद्यालयों द्वारा पोर्टल पर फीस का विवरण अपलोड किया जा चुका है। प्रदेश में जिन विद्यालयों की किसी भी कक्षा की वार्षिक फीस संरचना 25 हजार रुपए या उससे कम है, उन्हें फीस संरचना की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने से मुक्त रखा गया है। इन विद्यालयों को इस संबंध में पोर्टल पर शपथ पत्र अपलोड करने की निर्धारित तिथि भी दी गई थी। ऐसे विद्यालय जो समय-सीमा की जानकारी अपलोड नहीं करेंगे, उनके विरूद्ध जिला समिति द्वारा कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में निजी विद्यालयों के विरूद्ध प्राप्त होने वाली शिकायतों के निराकरण के लिये कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला समिति भी कार्य कर रही है।

मप्र सरकार को देना पड़ेगा 25 लाख का मुआवजा

सजा की अवधि पूरी होने के बाद भी 4 साल 7 महीने ज्यादा जेल में रहा दोषी

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने एक रेप के मामले में दोषी को 4 साल 7 महीने अतिरिक्त जेल में रखने के मामले में मप्र सरकार को 25 लाख का मुआवजा देने का आदेश दिया है। सागर जिले के इस मामले में आरोपी को सात साल की सजा सुनाई गई थी। लेकिन, सजा की अवधि पूरी होने के बाद भी उसे 4 साल 7 महीने ज्यादा जेल में रहना पड़ा। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की खंडपीठ ने मध्य प्रदेश राज्य की लापरवाही के लिए कड़ी फटकार लगाते हुए यह आदेश पारित किया, जिसके कारण दोषी को ज्यादा समय तक जेल में रहना पड़ा।

शुरुआत में जब मप्र राज्य को नोटिस जारी किया गया तो अदालत ने कहा था कि दोषी ने 8 साल अतिरिक्त कारावास की सजा काटी है। हालांकि, अदालत को सीनियर एडवोकेट नचिकेता जोशी (मध्य प्रदेश राज्य की ओर से) ने बताया कि दोषी कुछ समय से जमानत पर बाहर है। न्यायालय ने दोषी के वकील महफूज ए. नाजकी (दोषी की ओर से) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दोषी द्वारा 4.7 साल की अतिरिक्त कारावास की सजा को ध्यान में रखते हुए मुआवजा दिया।

ट्रायल कोर्ट ने दी थी उम्रकैद की सजा

मध्य प्रदेश के सागर जिले के सोहन सिंह उर्फ बबलू को रेप के मामले में ट्रायल कोर्ट ने 2004 में उम्र कैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ सोहन सिंह ने मप्र हाईकोर्ट में अपील दायर की। अक्टूबर 2007 में हाईकोर्ट ने सजा को उम्रकैद से घटाकर 7 साल कर दी थी। 2021 में वो सजा के सात साल पूरे हो गए। लेकिन, सोहन की रिहाई नहीं हुई। लीगल एड के जरिए वरिष्ठ अधिवक्ता महफूज ए नाजकी के पास इस केस की फाइल पहुंची। नाजकी ने पुलिस और लीगल एड टीम से बातचीत की। तो 6 जून 2025 को वह जेल से छूट गया। बाद में मुआवजा मांगा तो कोर्ट ने देखा कि साढ़े चार साल अतिरिक्त जेल में रखा। इस मामले में मप्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट ने 25 लाख का जुर्माना लगाते हुए पीड़ित को मुआवजा देने का आदेश दिया है। अदालत ने इसे गंभीर चूक बताते हुए कहा कि इस तरह की अवैध हिरासत किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने माना प्रशासनिक विफलता

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने इसे काफी चिंताजनक और गंभीर प्रशासनिक विफलता बताया। राज्य सरकार, गृह विभाग, कारागार महानिदेशक और संबंधित जेल अधीक्षक से पूछा गया कि सजा पूरी होने के बाद भी रिहाई क्यों नहीं हुई? कस्टडी सर्टिफिकेट/सेंटेंस कैलकुलेशन शीट, पैरोल-रिमिशन और अदालत के आदेशों के पालन की पूरी फ़ाइल आज पेश करने को कहा गया था।

मप्र में 20 आईपीएस अफसरों के तबादले

धार और अशोकनगर जिले के एसपी बदले; 7 रेंज के डीआईजी इधर से उधर

भोपाल। मप्र में 20 आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। सोमवार दोपहर को गृह मंत्रालय ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। इस लिस्ट में डीआईजी और एसपी स्तर के अधिकारी शामिल हैं। अशोकनगर और धार जिले के एसपी बदले गए हैं। अशोकनगर में राजीव कुमार मिश्रा और धार में मयंक अवस्थी नए पुलिस अधीक्षक होंगे। छतरपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, इंदौर ग्रामीण, भोपाल ग्रामीण, रतलाम और सागर रेंज में नए डीआईजी पदस्थ किए गए हैं। इसके साथ ही इंदौर और भोपाल में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध व मुख्यालय) को भी बदला गया है।

विजय कुमार खत्री को डीआईजी छतरपुर रेंज, विनीत कुमार जैन को डीआईजी बालाघाट, मनोज कुमार सिंह को डीआईजी इंदौर ग्रामीण, राकेश कुमार सिंह को डीआईजी छिंदवाड़ा, राजेश सिंह को डीआईजी भोपाल ग्रामीण और शशीन्द्र चौहान को डीआईजी सागर रेंज पदस्थ किया गया है। छतरपुर डीआईजी ललित शाक्यवार और सागर डीआईजी सुनील कुमार पांडे को पीएचक्यू में पदस्थ किया गया है। बालाघाट डीआईजी मुकेश कुमार श्रीवास्तव को मानव अधिकार आयोग भेजा गया है। भोपाल ग्रामीण डीआईजी ओमप्रकाश त्रिपाठी को डीआईजी एसएएफ मध्य क्षेत्र बनाया गया है। मनोज कुमार सिंह डीआईजी रतलाम की पदस्थापना लोकायुक्त संगठन में डीआईजी के तौर पर की गई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध व मुख्यालय) नगरीय पुलिस इंदौर मनोज कुमार श्रीवास्तव को डीआईजी पुलिस रिसर्च ट्रेनिंग सेंटर इंदौर भेजा गया है। मोनिका शुक्ला डीआईजी रेल, पीएचक्यू को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय पुलिस भोपाल बनाया गया है। निमिष अग्रवाल डीआईजी इंदौर ग्रामीण को डीआईजी रतलाम रेंज, डी कल्याण चक्रवर्ती डीआईजी छिंदवाड़ा को डीआईजी पीएचक्यू, हेमंत चौहान डीआईजी एससीआरबी पीएचक्यू को डीआईजी रीवा रेंज बनाया गया है।

उज्जैन में स्थापित होगा स्पेस साइंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर

भोपाल। इस बार देश भर में जिस तरह से कुदरत ने कहर दिखाया है, उससे मप्र भी अछूता नहीं रहा। मप्र के कई जिलों में बाढ़ के हालात बने हैं। अब मप्र सरकार बाढ़, तूफान जैसे हालातों से निपटने के लिए अंतरिक्ष तकनीक का उपयोग करने की तैयारी कर रहा है। प्रदेश में आपदा प्रबंधन से खेती, जल संसाधन प्रबंधन से लेकर ट्रैफिक मैनेजमेंट तक में अंतरिक्ष तकनीक का उपयोग करने जा रहा है। इस दिशा में ऐतिहासिक पहल करते हुए मप्र ने स्पेस टेक पॉलिसी 2025 का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। सरकार जल्द ही स्पेस पार्क भी विकसित करेगी। वहीं स्पेस टेक में स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं को सरकार आर्थिक मदद भी देगी।

केन्द्र सरकार द्वारा इंडियन स्पेस पॉलिसी जारी करने के बाद देश में विदेशी निवेश का रास्ता खुल गया है। इसके साथ ही स्पेस के क्षेत्र में निजी भागीदारी के द्वार भी खुल चुके हैं। अप्रैल माह में सबसे पहले गुजरात ने अपनी स्पेस पॉलिसी जारी की थी, इसके बाद तमिलनाडु, कर्नाटक और अब मप्र सरकार भी स्पेस टेक्नोलॉजी के लिए आगे बढ़ रही है। मप्र सरकार ने अपनी स्पेस टेक पॉलिसी 2025 का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। सरकार का स्पेस टेक्नोलॉजी की मदद से 4 सेक्टरों में मुख्य फोकस है। पहला एग्रीकल्चर सेक्टर- इसमें सैटेलाइट की मदद से क्रॉप मॉनिटरिंग, स्वाइल हेल्थ एनालिसिस किया जाएगा। इससे उपज बढ़ेगी और पानी की भी बचत होगी। दूसरो जल प्रबंधन - सैटेलाइट की मदद से बारिश के मौसम में बाढ़ को लेकर सटीक जानकारी मिलेगी साथ ही ग्राउंड वॉटर की रिमोट सेंसिंग की जा सकेगी। इससे जल संसाधन का बेहतर उपयोग हो सकेगा। तीसरा आपदा प्रबंधन - सैटेलाइट की मदद से साइक्लोन या दूसरी प्राकृतिक आपदाओं की पहले से सूचना मिल सकेगी। इससे इमरजेंसी रिस्पोंस तेज हो सकेगा। चौथा अर्बन प्लानिंग - सैटेलाइट की मदद से ट्रैफिक मैनेजमेंट में मदद मिल सकेगी साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए मैपिंग हो सकेगी। इससे शहरों में विकास बेहतर हो सकेगा।

200 करोड़ का बनेगा बेंच फंड

स्पेस टेक्नोलॉजी में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने 200 करोड़ रुपए के स्पेस टेक वेंचर फंड का प्रावधान रखा है। राज्य सरकार 50 फीसदी यानी 75 लाख रुपए तक ग्रांट पीओसी डेवलपमेंट के लिए देगी। इसरो, डीआरडीओ और दूसरी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से लाइसेंस आदि के लिए अलग-अलग श्रेणी में 50 फीसदी तक का रिइंबर्समेंट का लाभ देगी। यह करीब 1 करोड़ रुपए तक होगी। इसके अलावा पेटेंट के लिए 15 से 25 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। स्पेस साइंस और एस्ट्रोफिजिक्स का रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर उज्जैन में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए आईआईटी इंदौर और राष्ट्रीय स्तर के दूसरे संस्थान का अकादमिक सहयोग लिया जाएगा। स्पेस मैन्युफेक्चरिंग में निवेश को बढ़ावा देने के लिए पीपीपी मोड पर प्रदेश में डेडीकेटिड मैन्युफेक्चरिंग पार्क और कंपोनेंट हब स्थापित किया जाएगा। इसमें सैटेलाइट, लांचिंग व्हीकल, इंटीग्रेशन और टेस्टिंग की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

निवेशकों को सरकार देगी 5 एकड़ जमीन

कंपोनेंट हब में सेट कॉम टर्मिनेट, ग्राउंड स्टेशन और सिक्योर कम्युनिकेशन किट्स मौजूद होंगी। इसके लिए सरकार 1 रूपए स्क्वायर फीट की दर पर 30 साल के लिए कम से कम 5 एकड़ जमीन निवेशकों को देगी। स्टांप ड्यूटी में भी 100 फीसदी छूट दी जाएगी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे कहते हैं कि स्पेस टेक आपदा प्रबंधन से लेकर शहरी नियोजन, आपदा प्रबंधन जैसे कई क्षेत्रों में बड़े बदलाव ला सकता है।

हिंदी में कराएंगे डॉक्टरी की पढ़ाई

भोपाल । भोपाल के बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारा साफ़ा हमारी संस्कृति का प्रतीक है। मध्य प्रदेश में डॉक्टर की पढ़ाई राष्ट्र भाषा में कराएंगे। शिक्षा ही मानवता को विकसित करती है। कुलपति की जगह कुलगुरु बढ़ा रहे हैं विश्वविद्यालय की शोभा। रोजगार परक कोर्स प्रदेश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शुरू हो रहे हैं। झाबुआ में भी मेडिकल कॉलेज तैयार हो रहा है।

कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल मंगु भाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार कार्यक्रम में शामिल हैं। इस दौरान कुल 76 छात्रों को पीएचडी की डिग्री दी गई। अनेक विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 26 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल भी प्रदान किया गया। इनमें से 21 मैडल मेरिट के आधार पर दिए गए।

एमपी में पढ़ाई जाएगी दूसरे राज्यों की भाषा

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि मध्य प्रदेश में हायर एजुकेशन की उत्तर पुस्तिकाओं का डिजिटिलाइजेशन किया जाएगा। कॉपी जांचने के दौरान गड़बड़ी रोकने की कोशिश गई है। महाराष्ट्र और दक्षिण में भाषा विवाद के बीच मध्य प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अन्य राज्यों की भाषा भी पढाई जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं का डिजिटिलाइजेशन किया जाएगा। कॉपियों की स्क्रीनिंग कर जांचने वाले के पास जाएगी। मूल कापियों को विश्वविद्यालय में ही रखा जाएगा। कॉपियों जांचने के दौरान कोई गड़बड़ी नही होगी। शंका होने पर डिजिटल कॉपी स्टूडेंट्स को दी जाएगी। ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की आशंका न रहे। पूरी पारदर्शिता के साथ कॉपियो का मूल्यांकन होगा। एक विश्वविद्यालय एक या दो भारतीय भाषा को अपने यहां चलाएंगे। इसके लिये क्रेडिट भी दिया जाएगा।

फाइनल में सिनर को मिली हार, ग्रैंड स्लैम में 27 मैचों की जीत का सिलसिला भी टूटा

अल्काराज ने दूसरी बार जीता अमेरिकी ओपन का खिताब, वर्ल्ड नंबर-1 भी बने

न्यूयॉर्क,एजेंसी,एजेंसी। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने इटली के यानिक सिनर को अमेरिकी ओपन के पुरुष एकल फाइनल में हराकर दूसरी बार यूएस ओपन का खिताब जीता। इससे पहले उन्होंने 2022 में यह ट्रॉफी अपने नाम की थी। यह उनका छठा ग्रैंड स्लैम खिताब भी है।

न्यूयॉर्क में खेले गए खिताबी मैच में अल्काराज ने शानदार शुरूआत करते हुए पहले सेट में सिनर को 6-2 से हराया। इसके बाद सिनर ने वापसी की। उन्होंने दूसरे सेट में अल्काराज को चौंकाते हुए 6-3 से जीत दर्ज की। तीसरे सेट में भी दोनों के बीच लंबी रैलियों के साथ कांटे की टक्कर दिखी। हालांकि, अल्काराज ने इस सेट में केवल एक गेम गंवाया और सेट 6-1 से अपने नाम कर लिया। चौथे सेट में सिनर ने वापसी का भरपूर प्रयास किया, लेकिन अंत में अल्काराज ने उन्हें 6-4 से हराकर मुकाबले को जीत लिया।

2025 में तीसरी बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में दोनों की बीच हुई भिड़ंत

यह इस साल का तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था जिसमें अल्काराज और सिनर आमने-सामने हुए। जून में हुए फ्रेंच ओपन फाइनल में अल्काराज विजेता बने थे, जबकि जुलाई में विंबलडन के फाइनल में सिनर ने अल्काराज को हराया था।

पिछले 8 ग्रैंड स्लैम पर अल्काराज-सिनर का कब्जा

पिछली आठ ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियां अल्काराज और सिनर ने आपस में बांटी हैं। पिछले 13 ग्रैंड स्लैम में से 10 खिताब इन दोनों खिलाड़ियों के नाम रहे हैं। अब तक अल्काराज 6 और सिनर 4 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं।

सिनर ने लगातार पांचवां ग्रैंड स्लैम फाइनल खेला

सिनर लगातार पांचवें ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे थे, जिसकी शुरूआत 2024 यूएस ओपन से हुई थी। वह एक साल में सभी चार ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले चौथे खिलाड़ी बने। उनसे पहले रॉड लेवर (1969), रोजर फेडरर (2006, 2007, 2008) और नोवाक जोकोविच (2015, 2021, 2023) यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

छठवीं ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी अपने नाम की

सिनर ने एक साल में चारों ग्रैंड स्लैम फाइनल खेले

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मैच देखने पहुंचे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मैच देखने पहुंचे। दर्शकों का अभिवादन करते हुए ट्रंप हाथ हिलाते नजर आए। उन्हें दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। कुछ लोगों ने तालियां बजाई, जबकि कुछ ने हूटिंग भी की। ट्रंप के आने के कारण मैच करीब आधे घंटे देरी से शुरू हुआ।

अल्काराज ने सिनर से वर्ल्ड नंबर-1 का ताज भी छीना

इस जीत के साथ 22 साल के अल्काराज सिनर से दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी का ताज वापस छीन लिया। वह सितंबर 2023 के बाद पहली बार फिर से टॉप पर आएंगे। इस जीत ने सिनर की हार्ड-कोर्ट ग्रैंड स्लैम में 27 मैचों की जीत का सिलसिला भी तोड़ दिया। अल्काराज ने इसी साल जून में फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था। सिनर ने जुलाई में विंबलडन में इसका बदला चुकता किया था। स्पेन और इटली के दोनों युवा टेनिस खिलाड़ी कड़े प्रतिद्वंद्वी हैं।

अल्काराज को मिली टेनिस इतिहास की सबसे बड़ी राशि

अल्काराज ने टेनिस इतिहास की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि भी अपने नाम की। उन्हें 5 मिलियन डॉलर (44 करोड़ रुपये) मिले हैं। वहीं सिनर को रनरअप की प्राइज मनी 2.5 मिलियन डॉलर (22 करोड़ रुपये) मिली। यूनाइटेड स्टेट्स टेनिस एसोसिएशन ने 2025 यूएस ओपन के लिए कुल 793.65 करोड़ की पुरस्कार राशि रखी थी।

अंडर-15 डबल्स में अनन्या-दिव्यांशी को स्वर्ण, भारत ने जीते कुल 6 पदक

नई दिल्ली। भारत की अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने उत्तरी मैसेडोनिया की राजधानी स्कोप्जे में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ स्टार कंटेंडर में अंडर-15 गर्ल्स डबल्स का स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। एक रोमांचक और कड़े फाइनल मुकाबले में उन्होंने चीन की झाओ वांगकी और लियू ज़िलिंग को 3-2 के स्कोर से हराया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही, भारत ने टूर्नामेंट में 1 स्वर्ण, 2 रजत और 3 कांस्य पदक सहित कुल 6 मेडल अपने नाम किए।

यह फाइनल मैच भारतीय जोड़ी के धैर्य और दृढ़ता का एक बेहतरीन उदाहरण था। शुरुआती गेम जीतने के बाद, चीनी जोड़ी ने जबरदस्त वापसी की। लेकिन, निर्णायक गेम में अनन्या और दिव्यांशी ने शांत रहते हुए खेला और कई मैच पॉइंट बचाए। उन्होंने अंतत: 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 के स्कोर से जीत हासिल की, जिससे भारत को सबसे बड़ा सम्मान मिला।

इससे पहले सेमीफाइनल में, इस जोड़ी ने अपने ही देश की खिलाड़ियों, रियाना भूटा और अंकौलिका चक्रवर्ती को 3-1 (11-2, 10-12, 11-3, 11-6) के स्कोर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। रियाना और अंकौलिका ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता।

भारत की पदक तालिका को पी.बी. अभिनंद (अंडर-19) और ऋत्विक गुप्ता (अंडर-15) ने अपने-अपने सिंगल्स मुकाबलों में रजत पदक जीतकर और मजबूत किया। डबल्स मुकाबलों में भी भारत के लिए और मेडल आए। पी.बी. अभिनंद और सिंड्रेला दास ने अंडर-19 मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक जीता, जबकि ऋत्विक गुप्ता और साहिल रावत ने अंडर-15 बॉयज़ डबल्स में भी कांस्य पदक हासिल किया। कुल मिलाकर, भारतीय टीम ने दक्षिण-पूर्वी यूरोप के देश उत्तरी मैसेडोनिया में आयोजित इस टूर्नामेंट में एक सराहनीय प्रदर्शन किया और भविष्य के लिए बड़ी उम्मीदें जगाईं।

भारतीय टीम एशिया कप जीतेगी - गावस्कर

शुभमन के भी एशिया कप में भी बेहतर प्रदर्शन का भरोसा जताया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मनाना है कि भारतीय टीम एशिया कप में अपने मैच आसानी से जीत जाएगी। गावस्कर ने कहा, अगर भारतीय टीम अपने मैच आराम से नहीं जीत पाती है तो मुझे हैरानी होगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में भारतीय टीम का रहा है उससे वह अन्य टीमों से कहीं आगे हैं। भारतीय टीम को यहां पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका से भी टक्कर मिलेगी। इसके बाद भी पिछले कुछ साल में भारतीय टीम ने जिस प्रकार से शानदार प्रदर्शन किया है। उससे वह एशिया कप में खिताब की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी।

वहीं इस पूर्व कप्तान ने कहा कि उपकप्तान बनाये गये शुभमन गिल टूर्नामेंट मे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। गावस्कर के अनुसार शुभमन में टी20 में भी अच्छी बल्लेबाजी करने की क्षमताएं हैं। वहीं इससे पहले कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने कहा था टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उनको टी20 टीम में शामिल करना ठीक नहीं है। वहीं गावस्कर का मानना है कि जिस प्रकार का प्रदर्शन उन्होंने इंग्लैंड के टेस्ट दौरे में किया था। उसके बाद से ही टी20 के लिए भी उनकी दावेदारी पक्की हो गयी थी। इसके अलावा आईपीएल में उन्होंने जिस तरह से टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाजी की है जिसे देखते हुए किसी को भी उनकी क्षमताओं पर संदेह नहीं होना चाहिये। आईपीएल में टी20 फॉर्मेट में वह काफी सफल रहे है। उन्होंने गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए काफी रन बनाये हैं।

शास्त्री बोले, सैमसन के बल्लेबाजी क्रम को न बदलें

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें एशिया कप में पारी की शुरुआत के लिए ही भेजा जाना चाहिये। शास्त्री ने कहा कि सैमसन के बल्लेबाजी क्रम को नहीं बदला जाना चाहिये क्योंकि वह पारी की शुरुआत में ही बेहतर खेलते हैं। सैमसन को टी20 एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में जगह तो मिल गयी है पर उनको अंतिम ग्यारह में शामिल किये जाने की संभावना कम ही है क्योंकि टीम में शुभमन गिल को उपकप्तान के तौर पर शामिल किया गया है और माना जा रहा है कि वहीं पारी की शुरुआत करेंगे। शास्त्री का मानना है कि सैमसन शीर्ष पर ही रहकर आपको मैच जिता सकते हैं निचले क्रम पर उनका प्रदर्शन प्रभावी नहीं रहा है। शास्त्री ने कहा, सैमसन शीर्ष पर सबसे ज्यादा खतरनाक बल्लेबाजी करते हैं। इससे वह आपको मैच जिता सकते हैं। अगर वो किसी भी पारी में धमाकेदार प्रदर्शन करते हैं, तो टीम की जीत की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें शीर्ष पर ही रहने दो, यही सबसे अच्छा है। सैमसन ने हाल ही में केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) की 5 पारियों में 368 रन बनाए हैं और इनमें से 350 से ज्यादा रन उन्होंने सलामी बल्लेबाज के तौर पर बनाए हैं पर टीम की घोषणा के समय ही मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने साफ कर दिया है कि वे एशिया कप में पारी शुरु नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा था कि सैमसन तभी तक इसलिए पारी की शुरुआत करते रहे हैं कयोंकि शुभमन उपलब्ध नहीं थे। अब शुभमन ही अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। ऐसे में सैमसन को लेकर टीम प्रबंधन पूर्व कोच की सलाह मानेगा। इसकी संभावना कम ही है। एशिया कप में भारतय टीम का पहला मैच 10 सितंबर बुधवार को यूएई से है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को 12-0 से हराया

बीजिंग। नवनीत कौर और मुमताज खान के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने चीन में खेले जा रहे एशिया कप महिला हॉकी टूर्नामेंट के अपने तीसरे मुकाबले में सिंगापुर को 12-0 से हरा दिया। इसी के साथ ही पूल बी से भारतीय टीम का सुपर चार में पहुंचना तय हो गया है। भारत की और से नवनीत और मुमताज ने तीन-तीन गोल किये। मुमताज ने मैच के दूसरे ही मिनट में एक गोल दागकर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद नवनीत ने मैच के 14वें, 18वें और 28वें मिनट में तीन गोल दाग दिये। वहीं मुमताज ने 32वें और 38वें मिनट में दो गोल और दाग दिये। वहीं लालरेम्सियामी ने 13वें, उदिता ने 29 वें जबकि शर्मिला देवी ने 45वें मिनट और ऋतुजा पिसल ने 52वें मिनट में गोल किये। नेहा ने 11वें और 38वें मिनट में दो गोल दागे।

वहीं इससे पहले भारतीय टीम ने पहले मैच में थाईलैंड को 11-0 से हराया था जबकि जापान से उसका दूसरा मैच 2-2 से बराबरी पर रहा था। मैच में पूरी तरह से भारतीय टीम हावी रही। सिंगापुर की टीम केवल चौथे क्वार्टर में ही कुछ हद तक मुकाबला कर पायी।

आईपीएल में विराट से क्रिकेट के अलावा अन्य मामलों में बात नहीं की -जितेश

नई दिल्ली3। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा है कि आईपीएल 2025 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते समय उन्होंने अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली से केवल क्रिकेट से जुड़े मामलों पर ही जरुरी बातें की। जितेश के अनुसार उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह वरिष्ठ खिलाड़ियों का सम्मान करते हैं और उनका समय अन्य बातें कर खराब नहीं करना चाहते थे। इस युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि विराट जैसे बड़े खिलाड़ी को ड्रेसिंग रुम में सामने से देखना ही उनके लिए बड़ी बात थी। साथ ही कहा कि हर एक बड़ा खिलाड़ी अपने लिए कुछ समय निकालना चाहता है

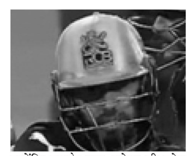

क्योंकि उसके पास हमेशा ही लोग रहते है। इसलिए इधर-उधर की बातें कर उनका समय खराब करना ठीक नहीं होता। वो हमेशा ही किसी ना किसी से घिरा रहता है.

जितेश ने कहा कि टूर्नामेंट के दौरान वह दूरी बनाकर रहे क्योंकि विराट एक बड़े खिलाड़ी हैं। इसलिए उनसे जो भी बात हुई वह क्रिकेट को लेकर ही हुई। इससे आगे उन्होंने कोई बात नहीं की। मेरे लिए उनसे बात करना ही बड़ी बात रही। मैं जानता हूं कि उनका स्तर क्या है।

जितेश ने कहा मैं उनसे केवल क्रिकेट के बारे में बात करता था। उनके प्रति सम्मान के कारण ही मैंने अपनी दूरी बनाए रखी। मैं उनके साथ केवसल उन बातों पर चर्चा करना पसंद करता था जिसका मुझे फायदा पहुंचे। मैंने बेकार की बातों में समय बर्बाद नहीं किया।

वहीं विराट का कहना है कि जितेश ने उनसे कभी भ खुलकर बात नहीं की। साथ ही कहा कि मैं चाहता हूं कि वह मुझसे भी अन्य लोगों की तरह ही सभी प्रकार की बातें करे। जितेश ने आईपीएल में आरसीबी की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

पाकिस्तान टीम इस साल के अंत में अफगानिस्तान और श्रीलंका के साथ खेलेगी त्रिकोणीय सीरीज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस साल के अंत में नवंबर में होने वाली टी20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस सीरीज में मेजबान पाक टीम के अलावा अफगानिस्तान और श्रीलंका भी खेलेंगी। पीसीबी के मुख्य परिचालन अधिकारी सुमैर अहमद सैयद ने कहा कि हम अपनी मेजबानी वाली पहली टी20 त्रिकोणीय सीरीज को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'इससे टीम को अगले साल होने वाली आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की तैयारी का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके अलावा क्रिकेट प्रशंसकों को भी अपने ही मैदानों पर रोमांचक क्रिकेट देखने का अवसर मिलेगा। तीनों टीम एक-दूसरे से दो बार खेलेंगी जिसके बाद शीर्ष दो टीम 29 नवंबर को लाहौर में फाइनल खेलेंगी।

त्रिकोणीय श्रृंखला की शुरुआत 17 नवंबर को रावलपिंडी में होगी। इसमें पाक टीम का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। वहीं रावलपिंडी के लाहौर में भी सीरीज के मुकाबले खेले जाएंगे।

सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है

17 नवंबर = पाकिस्तान बनाम अफगानिस्तान, रावलपिंडी
18 नवंबर= श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान, रावलपिंडी
22 नवंबर= पाकिस्तान बनाम श्रीलंका, लाहौर
23 नवंबर= पाकिस्तान बनाम अफगानिस्तान, लाहौर
25 नवंबर= श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान, लाहौर
27 नवंबर= पाकिस्तान बनाम श्रीलंका, लाहौर

भारतीय टेस्ट टीम को तलाशने होंगे मैच विजेता बल्लेबाज - रोलैंड बुचर

दुबई। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर रहे रोलैंड बुचर का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट मैचों से संन्यास लेने के बाद से ही भारतीय टीम बदलाव से गुजर रही है। बुचर के अनुसार अभी भारतीय टेस्ट टीम के पास अभी केवल एक मैच विजेता बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं। ऐसे में आने वाले समय में टीम को ऐसे और बल्लेबाज तलाशने होंगे।

उन्होंने कहा कि शुभमन गिल की कप्तानी वाली युवा भारतीय टीम के पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं जो उसका सकारात्मक पक्ष है। टीम ने इंग्लैंड में 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में भी अच्छा प्रदर्शन किया। इसके बाद भी टीम को सीरीज में कई अवसरों पर रोहित और विराट की कमी महसूस हुई। बुचर के अनुसार, भारत ने जिन खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है, वे भी अच्छे खिलाड़ी हैं।

उन्होंने कहा, इसलिए, मुझे लगता है कि अगले कुछ साल भारत के लिए बदलाव के दौर से गुजरेंगे। उन्हें कुछ मैच विजेता बल्लेबाज तलाशने होंगे। इस समय टीम में एकमात्र मैच विजेत खिलाड़ी ऋषभ हैं।

गिल का पहला टेस्ट 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ था और

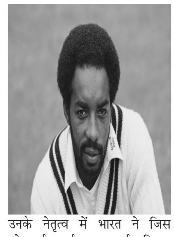

उनके नेतृत्व में भारत ने जिस जोशपूर्ण प्रदर्शन का प्रदर्शन किया, उसकी उन्होंने खूब सराहना की गयी पर बुचर की राय अलग है। भारतीय कप्तान के रूप में गिल के पहले कार्यकाल का विश्लेषण करते हुए बुचर ने दावा किया कि इंग्लैंड की पिचों की अनुकूल प्रकृति के कारण गिल के लिए यह आसान था।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शुभमन गिल कप्तानी के लिहाज से युवा हैं। इसलिए उन्हें खेल की कप्तानी करना सीखना होगा। वह एक नई टीम के कप्तान हैंउन्हें खुद को एक कप्तान के रूप में पहचानना होगा। उन्हें नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल करना होगा और अपनी पहचान बनानी होगी जो आसान नहीं होगा।

फिल्म द चेज के टीजर में नजर आये धोनी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अब सिल्वर स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार हैं। धोनी अब दक्षिण के निर्देशक वासन बाला की फिल्म द चेज के टीजर में गोलियां चलाते हुए दिखे। आर माधवन द्वारा शेयर किए गए द चेज के टीजर में धोनी गोलियां चलाते हुए नजर आए। इस क्लिप में माधवन और धोनी काले रंग के कपड़े और धूप का चश्मा पहने, बंदूकें पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। माधवन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, एक मिशन। दो लड़ाके। कमर कस लीजिए - एक रोमांचक, धमाकेदार चेज की शुरूआत। धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद से ही अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी भूमिका निभाते दिखते हैं। कभी वह खेती करते हुए दिखते हैं तो कभी नये-नये ब्रांड लांच करते हैं। क्रिकेट की बात करें तो अब वह आईपीएल खेलते हैं और उसमें भी माना जा रहा कि वह संन्यास के करीब पहुंच गये हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम अब विश्वकप जीतने उतरेगी - हरमनप्रीत

राजगीर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने यहां हुए एशिया कप हॉकी टूर्नोमेंट में जीत के बाद उत्साहित होते हुए कहा कि अब उसका लक्ष्य विश्वकप जीतना है। भारतीय टीम ने रविवार का हुए एशिया कप फाइनल में कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। भारतीय टीम ने ये खिताब चौथी बार खिताब जीता है। भारतीय टीम की ओर से दिलप्रीत सिंह ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे जबकि सुखजीत सिंह और अमित रोहिदास ने एक-एक गोल किया। हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की जीत पर खुशी जताते हुए टीम के सभी खिलाड़ियों के लिए 3-3

लाख जबकि सहयोगी स्टाफ के लिए 1.5-1.5 लाख रुपये के पुरस्कार की घोषणा की।

जीत के बाद से ही भारतीय टीम का बधाइयां मिलनी जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी टीम को बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया में लिखा, बिहार के राजगीर में आयोजित एशिया कप 2025 में शानदार जीत के लिए हमारी पुरुष हॉकी टीम को बधाई। यह जीत इसलिए और भी खास है क्योंकि उन्होंने गत विजेता दक्षिण कोरिया को हराया है। वहीं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा, मैं भारतीय टीम के हर खिलाड़ी को बधाई देता हूं। पिछले दो साल में टीम ने ओलंपिक पदक के साथ ही एशियाई खेलों में भी जीत हासिल की है। कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हमारा लक्ष्य एशिया कप जीतकर हॉकी विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करना था और हमने उसमें सफलता हासिल की है।

वहीं कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, हम एशिया कप में जीत के साथ ही विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने का लक्ष्य लेकर ही उतरे थे जिसमें हमें सफलता मिली है। अब हमारा लक्ष्य विश्वकप में जीत दर्ज करना रहेगा।

फुटबॉलर से डब्यूडब्लयूई रेसलर बने गोल्डबर्ग

अटलांटा। हाल में अपना अंतिम मुकाबला खेलने वाले डब्यूडब्लयूई रेसलर बिल गोल्डबर्ग शुरुआत में फुटबॉलर थे। गोल्डबर्ग का बचपन अमेरिका के तुलसा, ओक्लाहोमा में बीता। उन्होंने शुरुआत से लेकर हाई स्कूल तक फुटबॉल खेला। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ जॉर्जिया में भी फुटबॉल खेलते हुए टीम में अपनी अलग पहचान बनाई। बाद में वह एनएफएल के अटलांटा फाल्कन्स की ओर से खेलने लगे। इस टीम से उन्होंने कई मैच खेले पर चोटिल होने के कारण उनका फुटबॉल करियर बीच में ही रुक गया। ऐसे में गोल्डबर्ग पर्सनल ट्रेनर बन गए। इसी दौरान उन्हें लैरी शार्प नाम के एक रेसलिंग ट्रेनर ने

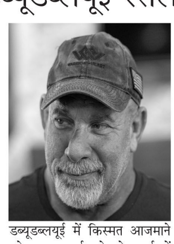

डब्यूडब्लयूई में किस्मत आजमाने को कहा। शार्प को गोल्डबर्ग में रेसलरों सी ताकत और एथलेटिक्स लुक नजर आया। गोल्डबर्ग ने शार्प की बात मानी और उनके रेसलिंग स्कूल मॉन्स्टर में प्रवेश ले लिया।

1990 के दशक में गोल्डबर्ग की चर्चाएं शुरु हो गयीं। वह वर्ल्ड चैंपियनशिप रेसलिंग में 173-0 की रिकॉर्ड जीत से लोकप्रिय हुए। वह अपनी ताकत और तेजी के लिए जाने जाते थे। गोल्डबर्ग 2003 में डब्यूडब्लयूई में शामिल हुए। वहां भी उन्होंने खूब नाम कमाया। 2018 में उन्हें डब्यूडब्लयूई हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। फुटबॉल में चोट लगने से गोल्डबर्ग का करियर समाप्त हुआ था पर उन्हें इससे रेसलिंग में आने का अवसर मिला। वह अपना अंतिम मुकाबला इजराइल में खेलना चाहते थे पर सैन्य तनाव के कारण ये मैच रद्द हो गया था। जिससे उन्हें काफी निराशा भी हुई ।58 साल के गोल्डबर्ग का यह आखिरी मैच तेल अवीव में होने वाला था जो बाद में इसी माह अटलांटा में हुआ।

पीएम मोदी के मणिपुर दौरे से पहले, बैठक और हुई मुलाकातें, मतलब हटेगा राष्ट्रपति शासन?

इंफाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सिंतबर को मणिपुर के दौरे पर जा रहे हैं। इससे पहले यहां जिस तरह की राजनैतिक हलचल बढ़ी है उससे कयास लगाए जाने लगे हैं कि मणिपुर में बीते 7 माह से लगा राष्ट्रपति शासन जल्द हटाए जाने की उम्मीद है। ऐसे कयासों की वजह ये है कि पीएम के दौरे से पहले राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने राजभवन में पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह सहित 20 भाजपा विधायकों से मुलाकात की। 40 मिनट तक चले इस बैठक में मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल, डीजीपी राजीव सिंह और सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह जैसे वरिष्ठ नौकरशाह भी मौजूद थे।

इससे पहले भी राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष थोकचोम सत्यब्रत सिंह से मुलाकात की थी। राज्यपाल भल्ला की एक हफ्ते पहले 14 भाजपा विधायकों के साथ सिक्रेट मुलाकात ने पीएम के दौरे से पहले राज्य में राजनीतिक स्थिरता की संभावनाओं को बढ़ा दिया है। मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुए मेइतेई-कुकी जातीय हिंसा के बाद से स्थिति तनावपूर्ण है। इस जातीय हिंसा में अब 260 से अधिक लोग मारे जाने की संभावना जताई जा रही है। साथ ही इस हिंसा ने हजारों परिवारों को विस्थापित कर टेंटों में जिंदगी गुजारने पर मजबूर कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले और राज्यपाल की सक्रियता से कुछ विधायकों ने नई सरकार के गठन की संभावना पर चर्चा की। हालांकि, उन्होंने विधायकों की राज्यपाल से बैठक की गोपनियता को कायम रखा। एक विधायक ने निराशा जताते हुआ कहा कि उनकी ही पार्टी प्रशासन ने पीएम के दौरे की योजना में विधायकों की सलाह को शामिल नहीं किया। मणिपुर में कांगला किले और चुराचांदपुर में पीस ग्राउंड पर भव्य तैयारियां चल रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। यह दौरा मणिपुर के लिए राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

भाजपा की राज्य इकाई को पार्टी नेतृत्व से आधिकारिक सूचना मिली है कि पीएम मोदी 13 सितंबर को मणिपुर का दौरा करेंगे। एक भाजपा विधायक ने बताया कि पीएम मिजोरम से मणिपुर पहुंचेंगे और सबसे पहले चुराचांदपुर जाएंगे, जहां वे जातीय हिंसा से विस्थापित लोगों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद इंफाल में कांगला किले में करीब 15,000 लोगों की सभा को संबोधित करेंगे। पीएम का यह दौरा मणिपुर में मई 2023 के बाद पहला होगा। इसे हिंसा प्रभावित राज्य में शांति और विश्वास बहाली की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, पीएम मणिपुर पुलिस मुख्यालय और सिविल सचिवालय जैसे प्रमुख बुनियादी ढांचों का उद्घाटन भी कर सकते हैं। मणिपुर में 9 फरवरी को एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू है। 60 सदस्यीय विधानसभा को निलंबित कर दिया गया है। हालांकि, भाजपा के पास विधानसभा में पूर्ण बहुमत है, फिर भी कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर ताजा चुनाव कराने की मांग की है। कांग्रेस ने राष्ट्रपति शासन को बढ़ाने के किसी भी सुझाव का विरोध किया है।

नशे के खिलाफ उठाए गए कदमों को सराहा

भोपाल। बॉलीवुड के मशहूर गायक मीका सिंह सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से उनके निवास स्थान, समत्व भवन, भोपाल में सौजन्य मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान मीका सिंह ने प्रदेश सरकार द्वारा नशीली दवाओं और शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों की जमकर सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस मुलाकात की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा कि भोपाल निवास पर प्रसिद्ध गायक मीका सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की।

बताया जा रहा है कि इस मुलाकात में मीका सिंह ने विशेष रूप से युवाओं को नशे और नशीली दवाओं की लत से बचाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और सामाजिक सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों पर भी चर्चा की। मीका सिंह ने हाल ही में अपने एनजीओ, डिवाइन फाउंडेशन, के माध्यम से पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए भी सक्रिय योगदान दिया है। उन्होंने अब तक एक लाख से अधिक बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री प्रदान की है और उनका लक्ष्य 10 लाख से अधिक लोगों तक मदद पहुंचाना है। इस मुलाकात में भी उन्होंने सामाजिक कार्यों और जनकल्याण के मुद्दों पर मुख्यमंत्री के साथ विचार-विमर्श किया। रविवार को शो के दौरान मीका दर्शकों को पंजाबी अंदाज में सतश्री काल भोपाल! कहकर रूबरू हुए और धमाकेदार अंदाज में दमा दम मस्त कलंदर गाने से शुरुआत की। पहले ही गाने पर डांस फ्लोर थिरक उठा और जब मीका ने सावन में लग गई आग छेड़ा, तो पूरा क्लब झूम उठा।

लालच या धोखे से कराया गया धर्मांतरण स्वीकार नहीं किया जाएगा

नई दिल्ली,। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लव जिहाद और धार्मिक कन्वर्जन के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है। आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि जबरदस्ती, लालच या धोखे से किए गए धर्मांतरण स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऐसी कवायद समाज में अशांति पैदा कर सकती है। यह मुद्दा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव के लिए एक गंभीर खतरा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुनील आंबेकर ने लव जिहाद और धार्मिक कन्वर्जन को लेकर कहा कि एक तो लोगों के बीच में इसे लेकर जागृति हो। दूसरी बात समाज के सभी लोगों तक अपने साधु संतों के जरिए एक जो हिंदू धर्म का विशेष रूप से ज्ञान है, वह पहुंचे। हिंदू धर्म की एकता की जो विशेष अनुभूति है, उसके भाव जो हैं वो सभी लोगों तक पहुंचे। इसके लिए कई प्रकार के प्रयास हो रहे हैं।

आंबेकर ने कहा कि हम कोशिश कर रहे कि साधु-संतों की यात्राएं समाज के सभी वर्गों में जाए। बौद्धिक स्तर पर भी ये बातें सभी को समझाई जाएं। युवाओं, युवतियों के बीच भी इस मुद्दे को ले जाएं। इसके लिए प्रयास चल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संघ का मानना है समाज को इस चुनौती का सामना करने के लिए एकजुट होना चाहिए। धर्मांतरण के खिलाफ संघर्ष केवल हिंदू धर्म की रक्षा के बारे में नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय पहचान की रक्षा के बारे में भी है।

आंबेकर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राजस्थान सरकार एक नया बिल लाने का प्लान कर रही। यह विधेयक आगामी विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा। भजनलाल शर्मा मंत्रिमंडल ने पहले ही इस बिल में कुछ बदलावों को मंजूरी दे दी है। इससे प्रस्तावित कानून और सख्त हो जाएगा। राजस्थान सरकार की ओर से इस बिल के ड्राफ्ट में कई बातों का जिक्र है। इसके मुताबिक कोई व्यक्ति जबरदस्ती धर्म परिवर्तन का दोषी पाया जाता है, तो उसे सात से 14 साल तक की कैद और 5 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। विधेयक में यह भी कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति केवल धर्म परिवर्तन के उद्देश्य से किसी अन्य धर्म के व्यक्ति से शादी करता है, तो ऐसी शादी को अवैध मानी जाएगी।

स्मार्ट मीटर लगने के बाद अधिक बिल आने से उपभोक्ता परेशान

बैहर(पद्मेश न्यूज)। माह फरवरी 2025 से विद्युत विभाग द्वारा सभी घर दुकानों में स्मार्ट मीटर लगाया गया है। उसके बाद से उपभोक्ताओं द्वारा अधिक बिल आने की ढेरो शिकायत मिल रही है। वही उपभोक्ताओ मे भारी रोष देखा जा रहा हैं। उपभोक्ता यूनुस खान पिता स्वर्गीय जाफर खान उम्र 45 वर्ष वार्ड नंबर 8 जोड़ा मंदिर बैहर ने 17 जुलाई 2025 को सहायक यंत्री को लिखित शिकायत मैं बताया माह फरवरी से निरंतर बड़ा अधिक बिल आ रहा है। शिकायत लेने के बाद शिकायत की पावती नहीं दिया। उपभोक्ता को बताया की उसने मीटर की जांच और बिल सुधार के लिए शिकायत में कहा था किंतु 6 माह बीत जाने के बाद भी अधिक विधुत बिल आ रहा है। सहायक यंत्री ने उपभोक्ता को आश्वासन देकर भगा दिया और कहे कि लाइनमैन आपके यहां आकर मीटर सुधार कर जाएगा। शिकायत की पावती नहीं दिया विद्युत विभाग की कार्य शैली से आम नागरिक उपभोक्ता भारी परेशान है। आये दिन बिजली की कटौती आम बात होकर रह गई है।। विद्युत विभाग मीटर को चेक कर उपभोक्ताओं को अधिक बिल से राहत दिलाने की जनापेक्षा है।

तीसरे दिन भी बैण्ड व डीजे की धुनों के साथ हुई बड़ी प्रतिमा विसर्जित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गौरी पुत्र भगवान गणेश की प्रतिमा विसर्जन का सिलसिला 5 सितम्बर से प्रारंभ हुआ जो आज 8 सितम्बर को भी जारी रहा। शहर के विभिन्न वार्डो में विराजित बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ बैण्ड व डीजे की धुनों के साथ भव्य शोभायात्रा निकालकर किया गया। विसर्जन के पूर्व भगवान गणेश की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर आरती उतारी गई।पूजा अर्चना कर गणेश प्रतिमा को वाहन पर सवार किया गया। जिसके बाद नगर में शोभायात्रा निकाली गई।जो नगर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए सीधे विसर्जन स्थल पहुँची।जहां विशेष पूजा अर्चना कर अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष के साथ, प्रतिमाओ का विसर्जन किया गया। बताया गया कि रविवार को दोपहर 12 बजे से चन्द्रग्रहण लगने के चलते सोमवार को भी भगवान गणेश की प्रतिमा विसर्जित की गई। गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष करते हुये श्रद्धालुजन बैण्ड व डीजे की धुनों में नृत्य करते हुये शोभायात्रा में शामिल रहे। वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा भी पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था रखी गई थी। जिससे किसी तरह के विवाद की स्थिति व अनहोनी घटना घटित नहीं हुई।

एक दिवसीय इकाई स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड चयन प्रक्रिया का आयोजन सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सोमवार को नगर के पीएम श्री महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ में गणतंत्र दिवस परेड- 2026, कर्तव्य पथ, नई दिल्ली हेतु एक दिवसीय इकाई स्तरीय पूर्व चयन प्रक्रिया का आयोजन उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस चयन प्रक्रिया में स्वयंसेवकों ने युवा कल्याण एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित योग्यताओं के आधार पर सहभागिता की जिसमे विभिन्न प्रतियोगिताए आयोजित की गई।इसमे साक्षातकार, परेड रिर्हसल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रिर्हसल व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से प्रस्तुतीकरण द्वारा चयन किया गया।उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, राष्ट्रीय सेवा योजना बालक इकाई के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुखचंद एड़े, बालिका इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रचना कोरी, पूर्व स्वयं सेवक एवं वर्तमान में अतिथि शिक्षक पंकज सोनी, तथा गणतंत्र दिवस परेड शिविर (नई दिल्ली - 2022) में सहभागिता कर चुके वरिष्ठ स्वयंसेवक राहुल पटले विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने प्रतिभागी स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।चयनित स्वयंसेवक आगामी जिला स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड चयन प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जिसका आयोजन दिनांक 10 सितम्बर 2025 को किया जाएगा। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य एवं कार्यक्रम अधिकारियों ने चयनित प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दीं तथा महाविद्यालय का गौरव बढ़ाने हेतु प्रेरित किया।

सांसद खेल महोत्सव में शामिल होने खिलाड़ियों को 20 सितंबर तक कराना होगा पंजीयन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। फिट युवा फार विकसित भारत के अंतर्गत जिले में भी सांसद खेल महोत्सव का आयोजन होना है। इस महोत्सव में शामिल होने के लिए खिलाड़ी और टीम 20 सितंबर तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन के लिए क्यू आर कोड दिया गया है। इस कोड को स्केन करने पर सांसद खेल महोत्सव के पंजीयन के लिए एक वेबसाइट खुल जाती है। इस वेवसाईट पर चाही गई सभी जानकारी भर कर खिलाड़ी और टीम अपना पंजीयन करा सकते हैं। बालाघाट जिले के विभिन्न खेल विधा के खिलाड़ियों से अपील की गई है कि वे दिए गए क्यू आर कोड को स्केन कर अधिक से अधिक संख्या में अपना पंजीयन कराएं।

महाविद्यालय में अध्ययनरत भूतपूर्व, प्रायवेट पूरक परीक्षार्थियों की परीक्षा 09 सितंबर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के महाविद्यालय में अध्ययनरत् ऐसे समस्त भूतपूर्व, प्रायवेट, पूरक परीक्षार्थियों को सूचित किया गया है कि सत्र 2024-25 वार्षिक पद्धति से संचालित पाठ्यक्रम ?.?. ?.?.?./B.C.?./ B.Com/B.Sc./B.H.Sc के तृतीय वर्ष (ओल्ड कोर्स) Special Pass Out की परीक्षा का परीक्षा केन्द्र शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट (म.प्र) को बनाया गया है। परीक्षा प्रभारी शासकीय कन्या महाविद्यालय बालाघाट डॉ. अनुभूति सेंडिमन ने बताया है कि संबंधित परीक्षा 09 सितम्बर 2025 से प्रारंभ हो रही है। परीक्षा का समय दोपहर 2:00 से 5:00 बजे तक है। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थी परीक्षा की समय सारणी राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा (म.प्र.) की वेबसाईट www.cuc.ac.in से डाउनलोड कर प्राप्त कर सकते है।

राहुल गांधी के विवादित बयान के बाद पुलिस ने भेजा आरजीएफ को नोटिस

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के विवादित बयान से राजीव गांधी फाउंडेशन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ओडिशा की झारसुगुडा पुलिस ने आरजीएफ को नोटिस जारी कर विदेशों से मिले फंड और वित्तीय लेनदेन के रिकॉर्ड की जानकारी मांगी है। यह मामला राहुल गांधी के एक कथित देश-विरोधी टिप्पणी से जुड़ा है, जिस पर इस साल जनवरी में ही उनके खिलाफ ओडिशा में मामला दर्ज किया गया था। राहुल गांधी ने कथित तौर पर आरएसएस-बीजेपी की आलोचना करते हुए भारत के खिलाफ ही लड़ने की बात कह दी थी। मीडिया रिपोर्ट में ओडिशा के स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) को नोटिस जारी किया गया है। इसमें आरजीएफ के वित्त निदेशक संदीप आनंद को 4 नवंबर को पेश होने को कहा है। 3 सितंबर को झारसुगुडा के सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर और इस मामले के जांच अधिकारी ने संदीप आनंद से फाउंडेशन को जून,1991 से प्राप्त विदेशी फंड का सालाना ब्रेकअप देने को कहा है। इसमें फाउंडेशन से उन बैंक खातों की भी विस्तृत जानकारी देने को कहा है, जिसमें विदेश फंड जमा किए गए हैं। यही नहीं आरजीएफ को बैंक खातों और मिलने वाले विदेशी फंड और बैंक खातों के अलावा ऑडिटरों के नाम, एफसीआरए लाइसेंस और 2011 में कथित तौर पर जाकिर नाइक और 2005-06 में चीन सरकार से मिले कथित डोनेशन पर भी स्पष्टीकरण देने को कहा है। नोटिस में कहा गया है कि राहुल गांधी पर आरोप है कि आरजीएफ को 2011 में जाकिर नाइक से डोनेशन मिले। अगर आरोप सही है तो उद्देश्य और खर्च का विवरण समेत कारण बताएं। वहीं चीन सरकार से फाउंडेशन को मिले कथित दान के बारे में कहा गया है कि आरोप है कि राजीव गांधी फाउंडेशन ने 2005-06 में चीन सरकार से 3,00,000 डॉलर दान में मिले थे।

पंवार समाज की कार्यकारिणी हुई घोषित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला पंवार क्षत्रिय संगठन जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने पंवार समाज की जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। आजीवान स्थाई पालक संरक्षणगण के साथ ही जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने जिला प्रबंध कार्यकारिणी, संरक्षक, जिला कार्यकारिणी जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, जन संवाद सचिव सोशल मीडिया, युवा प्रकोष्ठ, राजा भोज फाउण्डेशन, महिला प्रकोष्ठ, रक्तदान समिति, पंचायती राज प्रकोष्ठ, विधि, उद्योग, व्यापार, कृषि एवं गौ सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, शासकीय कर्मचारी कल्याण, भाषा साहित्य एवं संस्कृति, एम.आर. प्रकोष्ठ एवं मीडिया विभाग का समावेश है ।

पंवार समाज की कार्यकारिणी के अध्यक्ष विशाल बिसेन ने बताया कि हमारा प्रयास रहा है कि जिले के सभी ब्लॉकों से एवं जिले में कार्यरत समाज की सभी समितियों में सक्रिय लोगों को जिला स्तरीय समिति में स्थान दिया जा सके, साथ ही समाज की मातृशक्ति एवं युवाओं को जिला कार्यकारिणी में सम्मिलित किया गया है । एक नई सोच के साथ राजा भोज फाउण्डेशन एवं रक्तदान समिति का संगठन में सृजन किया गया है साथ ही अनेक नवीन प्रकोष्ठ भी बनाये गये हैं । उन्होनें आगे बताया कि जिला कार्यकारिणी के साथ विभिन्न प्रकोष्ठ एवं समितियों के अध्यक्ष एवं महासचिव भी घोषित किये गये हैं एवं उनकी कार्यकारिणी आगामी दिनों में घोषित की जावेगी । जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने सभी पदाधिकारियों से संगठन एवं समाज हित में कार्य करने की अपेक्षा की है एवं सभी के उज्जवल भविष्य की कामना के साथी ही बधाई दी है ।

जिला कार्यकारिणी घोषणा से पूर्व जिला अध्यक्ष द्वारा संगठन के आजीवन स्थाई पालक संरक्षकों की जानकारी दी गई है जिसमें सर्वश्री लोचनसिंह देशमुख, फत्तूलाल बिसेन, बी.आर.भैरम, डॉ. नरेन्द्र हरिनखेड़े, सुरेन्द्र कुमार तुरकर, अतिलाल राहंगडाले, आर.सी. अमुले, बाबूलाल राणा, रमेश पटले, डॉ. शेरसिंह बिसेन, सूरजलाल गौतम,एडवोकेट निखिल गौतम, कर्नल सदन बघेल, विक्रम ऐड़े, कमलेश पटले, तपेश पटले, टेकचंद बिसेन, रामसिंह बघेले, रीतू युगलकिशोर बोपचे, जितेन्द्र नोहरसिंह पारधी, ईनू रामप्रसाद बिसेन हैं।

जिला प्रबंध कार्यकारिणी डॉ. राजेन्द्र कटरे महासचिव, डॉ. प्रतिभा बिसेन उपाध्यक्ष, शैलेन्द्र राहंगडाले कोषाध्यक्ष, एडवोकेट अजय बिसेन संयुक्त सचिव, गरिमा गौतम सदस्य एवं गायत्री बिसेन सदस्य हैं । संरक्षकगण सर्वश्री कपूरचंद चैहान, दिलीप पटेल, निर्मला मधुसूदन गौतम, लता नरेन्द्र हरिनखेड़े, सुलोचना डी.पी. राहंगडाले, मीना भीमराज बिसेन, छगन टेम्भरे, तामेश्वर पटेल, उमेश देशमुख, छगन हनवत, भोजेश पटले, पार्श्वेन्द्र पारधी, ललित पारधी, संजय बिहारीलाल गौतम, अरूण नागेलाल राहंगडाले, एड. संजय मधुसूदन गौतम, रेखा राजकुमार भगत, पूरनलाल चैधरी, भोजराज देशमुख, प्रतापलाल पटले, डी.एल. बिसेन, ताराचंद बघेले, कृष्ण कुमार भैरम, बी.एल. चैधरी, नीलचंद हरिनखेड़े, डी.पी. राहंगडाले, रूपलाल कटरे । वरिष्ठ उपाध्यक्ष सर्वश्री एडवोकेट आनन्द बिसेन, डॉ. लोमहर्ष बिसेन, मनोज भैरम, चेतनलाल कटरे, इन्द्रजीत बिसेन, डॉ. भोजराज पटले, सजीत पटले, डॉ. तरूण हरिनखेड़े, फकीरचंद देशमुख, डिलेश्वरी दिलीप रिनायत, नोखेलाल बिसेन, रामदायल पटले, रामचरण पटले, रामेश्वर बिसेन, द्वारका प्रसाद तुरकर । उपाध्यक्ष सर्वश्री चरण बिसेन, गायत्री महेश पारधी, आशुतोष बिसेन, रामेश्वर बिसेन, दीपक देशमुख, डॉ. अमित बिसेन, डॉ. माधुरी तुरकर, संतोष कुमार ठाकरे, मीना हुमेन्द्र राहंगडाले, हिना मेष देशमुख, अशोक बिसेन, जितेन्द्र पटले, ललिता सहारे, मानिक ठाकरे, आशीष गौतम, दमन राहंगडाले, डॉ. अक्षय कटरे, पुष्पराज तुरकर, चेतन पटले, बसन्त हरिनखेडे, राजेश राहंगडाले, लोकेश राहंगडाले, रजनीकांत बोपचे । सचिव सर्वश्री ललित ठाकुर, राधेभाऊ ठाकरे, प्रगति बिसेन, लिशा सोमिन भगत, गगन गौतम, चेतन पटले, प्रियंका प्रवेश पटले, बलेश राहंगडाले, नूरेन्द्र ठाकरे, संजय कटरे, दिलीप भैरम, डॉ. ईश्वरी चैधरी, गोविन्द पटले, सनतराम शोभाराम बिसेन, राहुल राजेन्द्र बिसेन, सेवकराम बोपचे, रामलाल शरणागत, भारती ललित चैधरी, डॉ. लेखराम गौतम, तामेश्वर हरिनखेड़े, देवेन्द्रसिंह फोगल ठाकरे, सुनिल गुलाब राहंगडाले, कौशल बिसेन, तेजराम ठाकरे, सुरेश क्षीरसागर, डॉ. सुचिता देवेश ऐड़े, नेतलाल ठाकरे, भागवत राहंगडाले, सीता दिलीप कटरे, सीमा सुधीर चैधरी, दीपिका नीलकंठ बिसेन, गायत्री चित्रसेन पारधी, पायल जे.एम. बोपचे, त्रिलोक सिंह तुरकर, नीलकंठ ठाकरे, अजय हरिनखेड़े, इंदु बिसेन, खिलेन्द्र शरणागत, प्रेमसिंह राहंगडाले, लता मनीष पारधी, अमित बिसेन, संगीत अपूर्व तुरकर, संदेश बिसेन, दुरेन्द्र पारधी । संयुक्त सचिव सर्वश्री सुशील कटरे, कमलेश राहंगडाले, भोलाराम बिसेन, नरेन्द्र राहंगडाले, प्रतिमा बिसेन, पलाश बिसेन, एड. भूपेन्द्र भैरम, एड. मधु बिसेन, डम्मू हनवत, कमलेश हरिनखेड़े, शेरसिंह देशमुख, चित्रसेन राहंगडाले, राजेश चैधरी, डॉ. चतुर्भुज बिसेन, पुरूषोत्तम बिसेन, डॉ. शंकरलाल बिसेन, नरेन्द्र राहंगडाले ;बिरसाद्ध, विद्या शरद चैधरी, हेमा मुक्तानंद गौतम, नीता बिसेन, हितेश ठाकरे, अशोक हनवत, मोहिनी जितेन्द्र चैधरी, खोवाराम सीताराम बिसेन, प्रेमसिंह हरिनखेड़े, कमलेश राणा, दमयंती कटरे, सपना ठाकरे, गिरमाजी पटले, कल्पना महेन्द्र पटले, पुष्पाबाई राहंगडाले, दिलीप पटले । जनसंवाद सचिव सोशल मीडिया नरेन्द्र पटले एवं सुशील ठाकरे । जिला कार्यकारिणी सदस्य सर्वश्री ज्ञानु देवेन्द्र बिसेन, इंद्राक्षी बिसेन, रीनल बिसेन, कामिनी आनन्द बिसेन, निधि आकाश चैहान, नेहा विशाल टेम्भरे, प्रमोद मोहपतलाल कटरे, कृष्णा टेम्भरे, कमलेश हरिनखेड़े, गिरवल बिसेन, चित्रेश ठाकरे, राहुल पटले, खेमचंद ऐड़े, नंदकिशोर बिसेन, विक्रम ऐड़े, सुशील डुलीचंद ठाकरे, उमेश हरिहर टेम्भरे, युवराज मेघराज कटरे, धर्मेन्द्र नारायण प्रसाद बिसेन, रामभरोस प्रेमलाल, सूरजलाल झनकलाल बिसेन, कृष्णा खोवाराम बिसेन, ममता रामेश्वर पटले, प्रकाश पारधी, शिवचंद राणा, कमलादेव राजेश राहंगडाले, कविता अमित बिसेन, युवराज शरणागत, मनीष लालसिंह बिसेन, छोटेलाल नन्दू टेम्भरे, पूनम आनन्द चैधरी, मंदा पारधी, रामलाल गौतम, बबलू पारधी, सोनीप्रसाद टेम्भरे, मनोज पारधी, गनेश हरिनखेड़े, भोलेश्वर पटले, यंकलेश पारधी, नोकेश बिसेन, युगलकिशोर बिसेन, तुलसीराम बघेले, जीरख अमुले, सालिकराम पटले, उमाशंकर टेम्भरे, मायाराम टेम्भरे, उमेश राहंगडाले, दशाराम राहंगडाले, ओमकार भैयालाल पटले, अशोक कटरे, दीपक बिसेन, सरिता गौतम, मुनेश्वरी ठाकरे, कपूरचंद बोपचे, मिनाक्षी श्रीचंद ठाकरे, अनिता अरविन्द पारधी, हेमा हनवत, प्रेमकुमारी देशमुख, डॉ. यशवन्त बिसेन, रामप्रसाद हनवत, राजेश हनवत, रेखा भगत, गीता चैहान, रेखचंद तीलकचंद पटले, सीमा मुकश पारधी, ईमला पटले, संतोष पारधी, ज्योति आशीष पारधी, भूमेश्वरी चारूचंद बिसेन, पूर्णिमा हुमेन्द्र चैधरी, स्वाति सरोज बोपचे, ज्योति सत्यवान बोपचे, लता प्रेमचंद गौतम, चेतना कोमल चोधरी, कांता श्रीचंद बोपचे, उमेश्वरी तानसिंह चैधरी, शशिकला यशवंत बोपचे, माहिनी डुलेन्द्र बोपचे, डुलनबाई चिंतामन बोपचे, द्वारका दीपचंद बोपचे, पारूल देशमुख, शशिकला बिसेन । महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष आशालता चैहान, महासचिव योगिता बोपचे । युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष तपन राजा चैधरी, महासचिव पवन कुमार बोपचे । राजा भोज फाउण्डेशन जिला संयोजक गुणेन्द्र पटले, सह-संयोजक दीपक पटले, रजनीश राहंगडाले । ब्लड डोनेशन कमेटी जिला संयोजक मनीष राहंगडाले, सह-संयोजक आशु पटले । पंचायती राज प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद ठाकरे, महासचिव नितेश कटरे । विधि प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष एड. आनन्द टेम्भरे, उद्योग प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष जितेन्द्र भगत, व्यापारी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष किशन राहंगडाले, महासचिव गौरीशंकर राहंगडाले, कृषि एवं गौ सेवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष मुन्ना चैहान, महासचिव मिथलेश पारधी, शिक्षा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष चंद्रभूषण पटले, महासचिव शिवलेश हनवत । चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष डॉ. रूपेन्द्र क्षीरसागर, महासचिव डॉ. संजय पटले । शासकीय कर्मचारी कल्याण प्रकोष्ठ नरेन्द्र बाबूलाल राणा, महासचिव जगदीश टेम्भरे, भाषा एवं संस्कृति प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे, महासचिव आशा शिवकुमार गौतम । एम.आर. प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष चमेन्द्र परिहार, महासचिव अंकित पटले । मीडिया विभाग जिला संयोजक संजय बिसेन, सह-संयोजक हितेश ठाकरे, मिलिन्द ठाकरे, राहुल टेम्भरे । बालाघाट नगर अध्यक्ष अरविन्द कटरे, महासचिव दिग्विजय रिनायत हैं । जिला पंवार क्षत्रिय संगठन में जिले में निर्वाचित विधानसभा एवं लोकसभा के पूर्व सदस्य साथ ही जिले में कार्यरत पंवार समाज के सभी पंजीकृत संगठनों के अध्यक्ष एवं सचिव विशेष आमंत्रित सदस्य रहेगें ।

विधायक अनुभा मुंजारे के खिलाफ भाजपा ने किया आंदोलन

जमकर किया प्रदर्शन, मंच से मौसम बिसेन सहित भाजपा पदाधिकारीयों ने अनुभा मुंजारे सहित उनके करीबियों पर रुपए लेने के लगाए कई गंभीर आरोप, महामहिम राज्यपाल के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भाजपा द्वारा बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे के खिलाफ बालाघाट बचाव का स्लोगन देते हुए, धरना प्रदर्शन किया गया । यह धरना प्रदर्शन स्थानीय अंबेडकर चौक में लगभग 2 से 3 घंटे चला। यहां भाजपा पदाधिकारीयों और आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने बालाघाट विधायक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की, उसके बाद मंच के माध्यम से सभी ने बारी-बारी से बालाघाट विधायक पर कमीशन खोरी जैसे कई गंभीर आरोप मंच के माध्यम से लगाए और कहा कि आज बालाघाट विधायक के निजी सहायक से लेकर उनके करीबी विभागीय अधिकारियों से रुपए मांग रहे हैं । जबकि जनता ने उन्हें विकास करने के लिए विधायक बनाया था , किंतु आज वह सिर्फ अपना ही विकास कर रहे है, ऐसे कई गंभीर आरोप उन्होंने बालाघाट विधायक पर लगाए और नैतिकता के आधार पर उन्हें बालाघाट विधायक पद से इस्तीफा दिए जाने की मांग की है। अंत में भाजपा पदाधिकारी ने महामहिम राज्यपाल के नाम बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी को ज्ञापन दिया और इस पूरे विषय पर जल्द से कार्रवाई किए जाने की मांग की हैं।

आपको बता दे कि महिला डीएफओ नेहा श्रीवास्तव से 3 लाख रूपये मांगने के आरोप से घिरी कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे के खिलाफ, सोमवार को भाजपा ने प्रदर्शन किया। भाजपा जनप्रतिनिधि, संगठन पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली और आंबेडकर चौक में धरना प्रदर्शन कर, अनुभा मुंजारे के साथ-साथ उनके करीबियों पर अधिकारियों और ठेकेदारों से पैसा वसुली का आरोप लगाया। विधायक अनुभा मुंजारे ने पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन और आयोग सदस्य मौसम बिसेन पर षडयंत्र के लगाए गए आरोप के बाद भाजपा और उग्र हो गई है। मंच से भाजपा जनप्रतिनिधियों ने विधायक अनुभा मुंजारे के बिसेन परिवार पर लगाए जा रहे आरोपो पर नाराजगी जाहिर की गयी और कहा कि जब भी भाजपा के किसी कार्यकर्ता के खिलाफ आवाज उठेगी, पूरा भाजपा का परिवार आंदोलन करेगा। ओबीसी आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने विधायक अनुभा मुंजारे और उनके करीबियों पर अधिकारियों और ठेकेदारों से वसुली करने का आरोप लगाते हुये बताया कि हमने महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन में विधायक अनुभा मुंजारे को पद से बर्खास्त करने और पुलिस को हो रही वसुली पर कानूनी कार्यवाही किए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है। पूर्व मंत्री और भाजपा अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने कहा कि बालाघाट विधायक के निजी सहायक और करीबियों द्वारा डीएफओ नेहा श्रीवास्तव को डराने धमकाने का कार्य किया गया है, उनसे रुपए मांगे गए हैं । हम इन्हीं सब विषय की जांच की मांग को लेकर आज प्रदर्शन कर रहे हैं। यदि जांच में वह दोषी पाई जाती हैं तो उन्हें नैतिकता के आधार पर विधायक पद से इस्तीफा दिए जाने की मांग करते हैं और नियम अनुसार जो कार्रवाई होती है, उसकी वह मांग करते हैं । उन्होंने कहा कि आज हमारी महिला नेत्री आयोग सदस्य पर सरनेम को लेकर बयान बाजी कर रही है , तो बालाघाट विधायक को अपनी नेता प्रियंका गांधी को भी पूछना चाहिए कि वह गांधी क्यों लिख रही है। ऐसे कई गंभीर आरोप भाजपा जिला अध्यक्ष ने मंच से अनुभा मुंजारे पर लगाए और उनकी आई नई फॉर्च्यूनर कार पर भी सवाल खडे किए कि आखिर 55 लाख की कार कहां से आई है इसका हिसाब जनता को दे। उन्होंने कहा कि आज क्यों बालाघाट विधायक विकास कार्य नहीं करवा पा रही हैं, जबकि उनके नेता, विधायक रहे तो उन्होंने अनेकों सौगात अपनी विधानसभा में दी, वह सिर्फ प्रोटोकॉल की लड़ाई लड़ती हैं । जबकि कांग्रेस की सरकार में उन्हें मंच से बोलने तक नहीं दिया जाता था और आज वह प्रोटोकॉल की बात कर रही हैं। उन्होंने कहा कि क्या उनके द्वारा सरेखा ओवरब्रिज बनाए जाने को लेकर कोई प्रस्ताव या कोई चिट्ठी लिखी गयी थी ,जो आज वह ओवरब्रिज के शुभारंभ को लेकर सवाल खड़ा कर रही हैं , उन्होंने पूर्व कांग्रेस में रहे विधायक अशोक सरस्वार और नंदकिशोर शर्मा की मंच से तारीफ की । विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि मामले की यदि सीबीआई जांच हो तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। आंदोलन में जिले भर से आए भाजपा जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। आंदोलन समाप्ति के बाद एसडीएम गोपाल सोनी और सीएसपी वैशालीसिंह कराहलिया को भाजपा ने ज्ञापन सौंपा।

किराये पर चाहिए

बालाघाट शहर में कोई भी ऐसी बिल्डिंग जिसमें न्युनतम 8000-9000 वर्ग फीट जगह हो, कोचिंग संस्थान चलाने के लिए लीज पर नवंबर 2025 से चाहिए। विद्यार्थियों के लिए पार्किंग सुविधा अनिवार्य है। पुरानी या बंद पाठशाला, कोचिंग संस्थान की बिल्डिंग के मालिक नीचे दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करे।

Mob No. 8948940687,8889063333

एक महिला ने अपनी नाबालिक बेटी से की मारपीट दी जान से मारने की धमकी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में रहने वाली एक नाबालिक लड़की को अपनी मम्मी को मोबाइल का स्पीकर आफ करके बात करने की सलाह देना उस समय महंगा पड़ गया। जब उसकी मम्मी ने उसे हाथ बुक्के से बेरहमी पूर्वक मारपीट कर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। मलाजखंड पुलिस ने इस नाबालिक लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसकी मां सुनैना खान के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह नाबालिक लड़की पढ़ाई कर रही है। 16 वर्ष पहले इस लड़की के पिता ने दूसरी शादी कर ली है और यह लड़की अपनी मम्मी सुनैना खान के साथ रहती है। इस लड़की का सौतेला पिता राजस्थान में काम करता है।6 सितंबर की रात्रि 8:00 बजे यह लड़की अपनी नानी के साथ घर में बैठी थी और उसकी मम्मी सुनैना खान उसके सौतेले पिता से फोन पर स्पीकर ऑन करके बात कर रही थी।तभी इस लड़की ने अपनी मम्मी सुनैना खान से बोली कि आप स्पीकर आफ करके थोड़ा दूर जाकर बात करो। लड़की के यह कहते ही सुनैना खान भड़क गई और आवेश में आ गई और उसने अपनी लड़की को अश्लील गालियां देते हुए हाथ बुक्के से मारपीट कर उसका बाए हाथ को पकड़ कर मरोड़ दी और जमीन पर गिरा दी। बीच बचाव लड़की के नानी ने की और छुड़ाई। इसके बाद सुनैना खान ने इस लड़की को ज्यादा जुबान लड़ाने पर पटक पटक कर जान से खत्म कर देने की धमकी दे दी। सुनैना खान द्वारा मारपीट करने से लड़की चोटिल हो गई थी। घटना के संबंध में उसने अपनी बड़ी मम्मी मामा मौसी को बताई और दूसरे दिन रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड थाना पहुंची। मलाजखंड पुलिस ने इस लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसकी मां सुनैना खान के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध किया है।

आवश्यकता है

डाटा एण्ट्री ऑपरेटर की आवश्यकता है

संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल काली पुतली चौक, बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट